हिन्दी दैनिक

पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना, बुधवार | 29 जनवरी 2025 | वर्ष : 03 अंक : 28 | पृष्ठ - 12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

फॉमूर्ला-ई रेस रद्द होने को लेकर तेलंगाना सीएम के खिलाफ शिकायत, राज्य के खजाने को नुकसान का लगाया आरोप

एजेंसी

तेलंगाना: तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के खिलाफ विश्वासघात का आरोप लगाते हुए एक औपचारिक शिकायत दर्ज की गई। सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेता आरएस प्रवीण कुमार ने हैदराबाद में फॉमूर्ला ई रेस कार्यक्रम के अचानक रद्द होने के बाद आपराधिक विश्वासघात और राज्य के खजाने को पर्याप्त वित्तीय नुकसान का आरोप लगाते हुए नरसिंगी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के अनुसार, हैदराबाद को ई-मोबिलिटी और टिकाऊ नवाचार के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में तैनात किया गया था, जिसने फरवरी 2023 में अपनी पहली फॉमूर्ला ई रेस की मेजबानी की थी। यह आयोजन, एक मल्टी-सीजन समझौते का हिस्सा था। हालाँकि, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के प्रशासन के तहत, बाद के फॉमूर्ला ई कार्यक्रमों को कथित तौर पर विशेषज्ञों, कैबिनेट या राज्य विधानसभा से परामर्श किए बिना, एकतरफा रद्द कर दिया गया था।

पीएम मोदी ने 38वें राष्ट्रीय खेलों का किया उद्घाटन, बोले-

बड़े संकल्प लेकर आगे बढ रहा है हमारा देश

अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देवभूमि आज युवा ऊर्जा से और दिव्य हो उठी है। बाबा केदार, बद्रीनाथ जी, मां गंगा के शुभाशीष के साथ आज नेशनल गेम्स शुरू हो रहे हैं। ये वर्ष उत्तराखंड के निर्माण का 25वां वर्ष है।

एजेंसी

उत्तराखंड: उत्तराखंड की धार्मिक विरासत और जैव विविधता का झलक पेश करते रंगारंग उद्घाटन समारोह के साथ 38वें राष्ट्रीय खेलों का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। इस प्रतियोगिता के तहत 32 खेलों में लगभग 10 हजार खिलाड़ी पदक जीतने के लिए चुनौती पेश करेंगे। खेल 14 फरवरी तक चलेंगे और देहरादून में मुख्य आयोजन स्थल सहित इस पहाड़ी राज्य के सात शहरों में स्पधाओं का आयोजन किया जाएगा। लगभग 450 स्वर्ण पदक और इतनी ही संख्या में रजत और कांस्य पदक दांव पर हैं। अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देवभूमि आज युवा ऊर्जा से और दिव्य हो उठी है। बाबा केदार, बद्रीनाथ जी, मां गंगा के शुभाशीष के साथ आज नेशनल गेम्स शुरू हो रहे हैं। ये वर्ष उत्तराखंड के निर्माण का 25वां वर्ष है। इस युवा राज्य में देश के कोने-कोने से आए हजारों युवा अपना सामर्थ्य दिखाने

वाले हैं। उन्होंने कहा कि 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की बहुत सुंदर तस्वीर यहां दिख रही है। नेशनल गेम्स में इस बार भी कई देशी और पारंपरिक खेलों को शामिल किया गया है। इस बार के नेशनल गेम्स एक प्रकार से ग्रीन गेम्स भी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश में खेलों का एक खूबसूरत गुलदस्ता तैयार हो रहा है जिसमें हर मौसम में फूल खिलते हैं, लगातार टूनार्मेंट होते हैं। उन्होंने कहा कि जब कोई देश खेल में आगे बढता है तो देश की साख भी बढती है और प्रोफाइल भी बढता है। उन्होंने कहा कि हॉकी में पुराने गौरवशाली दिन वापिस लौट रहे हैं, हमारी खो-खो टीम ने विश्व कप जीता है, गुकेश ने विश्व शतरंज चैम्पियनशिप जीती जिससे दुनिया हैरान रह गई। उन्होंने कहा कि मैं इस राष्ट्रीय खेल के आयोजन के लिए सीएम धामी और उत्तराखंड के लोगों को बधाई देना चाहता हूं। हम अपने एथलीटों के लिए अवसर पैदा कर रहे हैं ताकि वे अपने कौशल में सुधार कर सकें। खेला इंडिया यूथ गेम्स के कारण युवा एथलीटों को अपनी प्रतिभा दिखाने के नए अवसर मिले हैं। मोदी ने कहा कि आज देश में कई टूनार्मेंट्स आयोजित किए जा रहे हैं। खेलो इंडिया सीरिज में कई सारे नए टूनार्मेंट्स जोड़े गए हैं। खेलो इंडिया यूथ गेम्स की वजह से यंग प्लेयर्स को आगे बढ़ने का मौका मिला है। यूनिवर्सिटी गेम्स, यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स को नए अवसर दे रहे हैं। खेलो इंडिया पैरा गेम्स से पैरा एथलीट्स की परफॉर्मेंस नए-नए एचीवमेंट्स कर रही है। उन्होंने कहा कि जैसे हमारे खिलाड़ी बड़े लक्ष्य लेकर चलते हैं,

प्रगति यात्रा में पूर्णिया को कई सौगात, सीएम नीतीश हर घर जल और सोलर स्ट्रीट लाईट योजना का भी लेंगे जायजा

एजेंसी

पटना: यह आयोजन, एक मल्टी-सीजन समझौते का हिस्सा था। हालाँकि, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के प्रशासन के तहत, बाद के फॉमूर्ला ई कार्यक्रमों को कथित तौर पर विशेषज्ञों, कैबिनेट या राज्य विधानसभा से परामर्श किए बिना, एकतरफा रद्द कर दिया गया था। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि इस निर्णय से 55 करोड़ रुपये की वित्तीय हानि हुई। कुमार ने तर्क दिया कि यह कार्रवाई राजनीतिक प्रतिशोध से उपजी है, जिसका उद्देश्य पिछले बीआरएस प्रशासन द्वारा शुरू की गई पहल को कमजोर करना है। उन्होंने उत्तर प्रदेश और गुजरात जैसे अन्य राज्यों के साथ विरोधाभास पर भी प्रकाश डाला, जो अपनी अर्थव्यवस्थाओं और वैश्विक स्थिति को बढ़ावा देने के लिए इसी तरह के अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भारी निवेश कर रहे थे।पूर्व आईपीएस अधिकारी ने कथित साजिश की विस्तृत जांच का अनुरोध किया और वित्तीय क्षति और सार्वजनिक विश्वास के उल्लंघन के लिए मुख्यमंत्री के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही की मांग की। तेलंगाना सरकार ने अभी तक आरोपों पर आधिकारिक प्रतिक्रिया जारी नहीं की है। नीतीश कुमार कन्या मध्य विद्यालय मजरा में सोलर रूफ टॉप, पुस्तकालय का निरीक्षण, प्लस टू कामाख्या उच्च विद्यालय, कामख्या स्थान में मनरेगा द्वारा निर्मित खेल का मैदान का निरीक्षण करेंगे। कार्यक्रम के उपरांत हेलीपैड के लिए प्रस्थान करेंगे।

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के 34वें स्थापना दिवस पर जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने अस्तौली के किसानों को दी बड़ी सौगात

एजेंसी

नई दिल्ली: विगत दिनों माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के जनपद गौतमबुद्धनगर भ्रमण के दौरान जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने डंपिंग ग्राउंड को मुद्दे को उनके समक्ष रखा गया था, जिसके बाद किसानों के हित में यह निर्णय लिया गया। आज दिनांक 28 जनवरी 2025 को जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह के प्रयास से ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के 34वें स्थापना दिवस के मौके पर ग्राम अस्तौली के डंपिंग ग्राउंड से प्रभावित 16 किसानों को तकरीबन 10 करोड रुपए की धनराशि से भी अधिक की धनराशि के चेक वितरित किए। इस मौके पर जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने उपस्थित किसानों को आश्वस्त करते हुए कहा कि "गौतमबुद्धनगर के किसान भाइयों की लंबित समस्याओं को चिन्हित कर लिया गया है, जिनका शीघ्र निराकरण होगा। साथ ही माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने जनपद के तीनों ही प्राधिकरण को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि किसानों की तत्कालीन लंबित समस्याओं का शीघ्र निराकरण किया जाए।

को वक्फ संशोधन विधेयक 2024 को मिली मंजूरी तो आया मुस्लिम राष्ट्रीय मंच का रिएक्शन, वंचित समुदायों को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया

एजेंसी

नई दिल्ली: मुस्लिम राष्ट्रीय मंच (एमआरएम) के संयोजक शाहिद सईद ने मंगलवार को वक्फ संशोधन विधेयक 2024 को मंजूरी मिलने का स्वागत किया और इसे वंचित समुदायों को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह विधेयक वंचितों और कमजोर वर्गों को सशक्त बनाते हुए बुनियादी सामाजिक जरूरतों को पूरा करने के लिए एक प्रभावी साधन के रूप में काम करेगा। शाहिद सईद ने बताया कि यह कामयाबी मंच की मेहनत, संघर्ष और जागरूकता अभियानों का परिणाम है, जिसमें देशभर में 1000 से अधिक कार्यक्रम आयोजित कर जनता को विधेयक की प्रासंगिकता समझाई गई। इसके अलावा मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के विभिन्न संगठनों के 250 से अधिक प्रतिनिधियों ने जेपीसी

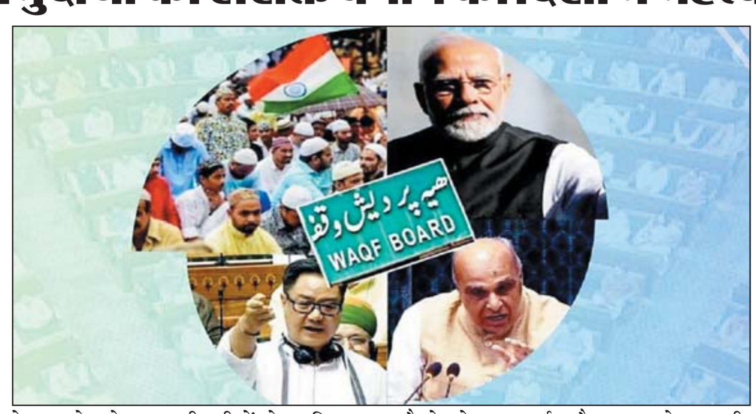

के समक्ष पेश हो कर अपनी दलीलों को प्राथमिकता से रखा। साथ ही मंच के देश भर में फैले कार्यकताओं ने लाखों की तादाद में जेपीसी को पत्र और मेल के द्वारा समर्थन और सुझाव रखे। इन सभी को जेपीसी ने पूरी गंभीरता के साथ लिया। इस दौरान जेपीसी में विपक्षी नेताओं की तीव्र आलोचना भी मंच के सदस्यों को सुननी पड़ी लेकिन मंच के नुमाइंदों ने सहजता, सरलता, साक्ष्यों, तर्क और पूरी शिद्दत के साथ अपने सुझाव रखे। महिला विंग की प्रमुख और एमआरएम की राष्ट्रीय संयोजक शालिनी अली ने विधेयक की सराहना करते हुए कहा कि यह वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करेगा। उन्होंने आगे इस बात पर जोर दिया कि विधेयक की मंजूरी से समाज के विकास में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा मिलेगा। जेपीसी के अध्यक्ष जगदंबिका पाल के नेतृत्व में विधेयक में पारदर्शिता, भ्रष्टाचार उन्मूलन, और अतिक्रमण रोकने के लिए 14 संशोधनों को मंजूरी मिली। राष्ट्रीय संयोजक शाहिद अख्तर ने इसे सड़क से संसद तक की यात्रा बताया और कहा, यह विधेयक समाज को एकजुट करने का माध्यम बनेगा।

दिल्ली के रण में उतरे राहुल गांधी, केजरीवाल पर जमकर साधा निशाना, बोले- वह शीश महल में रहते हैं

एजेंसी

नई दिल्ली: कांग्रेस दिल्ली चुनाव में अपनी ताकत लगा रही है। आज कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी पार्टी के लिए प्रचार किया। वेस्ट विनोद नगर में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस सांसद और लोकसभा नेता राहुल गांधी ने कहा कि केजरीवाल के मन में जो आए वो बोल देते हैं, जब वो आए थे तो उनके पास एक छोटी सी कार थी और उन्होंने कहा था कि वो नई तरह की राजनीति करेंगे। उन्होंने कहा था कि वो दिल्ली को बदल देंगे लेकिन जब गरीबों को

जरूरत थी तो वो वहां नहीं थे, जब दंगे हुए तो वो वहां नहीं थे। राहुल ने दावा कि ?। कि केजरीवाल ने कहा था कि वो साफ-सुथरी राजनीति करेंगे, लेकिन दिल्ली में शराब का सबसे बड़ा घोटाला हुआ और आपने उनके घर की फोटो देखी होगी। केजरीवाल एक महल 'शीश महल' में रहते हैं। तो ये है सच्चाई। भाजपा पर वार करते हुए राहुल ने कहा कि देश में विचारधारा की लड़ाई है। एक तरफ इखढ-फररके लोग हैं, जो देश में नफरत और हिंसा फैलाते है। दूसरी तरफ कांग्रेस पार्टी और हमारी विचारधारा है। हम लोग 'नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान' खोलते हैं। हमें नफरत, डर और हिंसा वाला हिंदुस्तान नहीं चाहिए। हमें मोहब्बत की दुकान चाहिए। राहुल ने मीडिया पर तंज कसते हुए कहा कि वे महंगाई, बेरोजगारी, प्रदूषण, टूटी सड़कों के बारे में नहीं दिखाते।

सम्राट चौधरी का दावा, दिल्ली की जनता ने झूठे वादों और घोटालों की सरकार बदलने का मन बनाया है

एजेंसी

पटना। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में एनडीए के पक्ष में प्रचार के लिए रवाना होने से पहले कहा कि दिल्ली में बसे बिहार-यूपी के लोग इस बार केजरीवाल सरकार को सत्ता से बाहर कर अपने अपमान का बदला लेंगे। वहाँ की जनता ने झूठे वादों और घोटालों की सरकार बदलने का मन बनाया लिया है। दिल्ली प्रदेश चुनाव के लिए भाजपा के स्टार प्रचारक चौधरी 29, 30 और 31 जनवरी को दर्जनभर चुनाव सभाओं को संबोधित करने के अलावा सम्पर्क अभियान का नेतृत्व

करेंगे। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार ने शराब के ठेके बाँटने और घोटाला करने के साथ दिल ?ली के लोगों को शराबी बनाया। चौधरी ने कहा कि आम आदमी पार्टी के एक दर्जन से अधिक विधायक, राज्यसभा सांसद संजय सिंह और मुख्यमंत्री सहित तीन मंत्री भ्रष्टाचार के मामले में जेल जा चुके हैं या जमानत पर हैं। पूरी पार्टी और सरकार घोटालों में डूबी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में बसे बिहार-यूपी के लाखों लोगों को आम आदमी पार्टीकी सरकार ने कोरोना के समय बसहारा छोड़ दिया और बसों भर कर राज्य से बाहर कर दिया था। लोग यह अपमान नहीं भूले हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली की गंदगी, कुव्यवस्था और झूठे वादों से चौधरी ने कहा कि तीन बार में जारी भाजपा का संकल्प पत्र दिल्ली के कायाकल्प का रोडमैप है।

दिल्ली फतह के लिए भाजपा ने की तगड़ी तैयारी, 27 दिग्गज नेताओं को मैदान में उतारा

एजेंसी

नई दिल्ली: आगामी दिल्ली विधान सभा चुनाव को लेकर पूरी ताकत लगा रही है। दिल्ली फतह को लेकर भाजपा ने तगड़ा प्लान तैयार कर लिया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 27 प्रमुख नेताओं की एक टीम बनाई है जिसमें केंद्रीय मंत्री, पूर्व मंत्री और व्यापक संगठनात्मक अनुभव वाले वरिष्ठ पार्टी नेता शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, धर्मेंद्र प्रधान, भूपेन्द्र यादव, गजेंद्र शेखावत, मनसुख मंडाविया, अनुराग ठाकुर, विनोद तावड़े, ब्रजेश पाठक, नरोत्तम मिश्रा और अन्य प्रमुख नेता इस टीम का हिस्सा हैं।ये नेता भाजपा उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी के साथ, निर्दिष्ट निर्वाचन क्षेत्रों के राजनीतिक प्रबंधन की देखरेख करेंगे। प्रत्येक नेता को दो निर्वाचन क्षेत्रों में जीत सुनिश्चित करने का काम सौंपा गया है। कुल मिलाकर, टीम दिल्ली भर में 54 निर्वाचन क्षेत्रों को जीतने पर ध्यान केंद्रित करेगी। पीयूष गोयल को दिल्ली कैंट और वजीरपुर निर्वाचन क्षेत्रों का राजनीतिक प्रबंधन सौंपा गया है, जबकि धर्मेंद्र प्रधान मालवीय नगर और ग्रेटर कैलाश निर्वाचन क्षेत्रों का प्रबंधन करेंगे।भूपेन्द्र यादव महरौली और बिजवासन निर्वाचन क्षेत्रों के लिए जिम्मेदार हैं जबकि मनसुख मंडाविया शकूर बस्ती और मादीपुर निर्वाचन क्षेत्रों की देखरेख करेंगे। गजेंद्र शेखावत नरेला और बवाना विधानसभा क्षेत्र संभालेंगे। इसके अतिरिक्त, देश भर के वरिष्ठ भाजपा नेताओं को अन्य महत्वपूर्ण निर्वाचन क्षेत्रों में नियुक्त किया गया है।

170% बढ़ी कांग्रेस की इनकम, बीजेपी की हुई रिकॉर्ड कमाई,

EC ने जारी की वार्षिक ऑडिट रिपोर्ट

एजेंसी

दिल्ली : चुनाव आयोग के पास दाखिल पार्टी की हालिया वार्षिक ऑडिट रिपोर्ट के मुताबिक भाजपा की सालाना कमाई 2022-23 में 2360.8 करोड़ रुपये से 83% बढ़कर 2023-24 में 4340.5 करोड़ रुपये हो गई है। जिसमें से 1685.6 करोड़ रुपये चुनावी बॉन्ड के माध्यम से आए। यह किसी भी पार्टी के जरिए घोषित बॉन्ड से अब तक की सबसे ज्यादा कमाई है। भारत के चुनाव आयोग ने डेटा उपलब्ध कराया जिससे पता चला कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपाके पास 7,113.80 करोड़ रुपये की भारी नकदी और बैंक बैलेंस है। 31 मार्च 2024 तक 857.15 करोड़ रुपये के साथ भारत की दूसरी सबसे अमीर राजनीतिक

पार्टी कांग्रेस है।चुनाव आयोग को उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, भगवा पार्टी ने 2023-24 के दौरान 1,754.06 करोड़ रुपये खर्च किए, जब लोकसभा चुनावों की घोषणा हुई, जो 2022-23 में खर्च किए गए 1,092 करोड़ रुपये से 60 प्रतिशत अधिक है। 16 मार्च 2024 को लोकसभा चुनाव की घोषणा हुई।दूसरी तरफ, सबसे पुरानी पार्टी ने 2023-24 के दौरान 619.67 करोड़ रुपये खर्च किए, जबकि 2022-23 में 192.56 करोड़ रुपये खर्च किए। चुनाव आयोग की वार्षिक ऑडिट रिपोर्ट से पता चला है कि भाजपा को 2023-24 के दौरान अब प्रतिबंधित चुनावी बांड के माध्यम से 1,685.69 करोड़ रुपये का स्वैच्छिक योगदान प्राप्त हुआ है, जबकि पिछले वर्ष यह 1294.15 करोड़ रुपये था। सत्तारूढ़ दल ने वर्ष के दौरान 2,042.75 करोड़ रुपये का अन्य योगदान भी प्राप्त किया है, जबकि पिछले वर्ष 2022-23 में 648.42 करोड़ रुपये प्राप्त हुआ था। चुनाव आयोग को अपनी ऑडिट रिपोर्ट में कांग्रेस ने 2023-24 के दौरान कुल 1,225.11 करोड़ रुपये का योगदान प्राप्त किया है, जिसमें अनुदान, दान और अंशदान के माध्यम से 1129.67 करोड़ रुपये शामिल हैं।

एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन का कारवां पौराणिक और ऐतिहासिक धरती बक्सर पहुंचा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- पांचों घटक दलों के प्रदेश अध्यक्षों ने भरी हुंकार*
- जनआंकाक्षाओं के अनुरूप काम करना हमारी पहली प्राथमिकता : डॉ. दिलीप जायसवाल
- परिवार के लोगों को नहीं बल्कि कार्यकताओं को मिलता है संगठन से लेकर सरकार तक दायित्व निर्वहन का मौका : डॉ. दिलीप जायसवाल
- भाजपा अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने किया आह्वान, 'कार्यकर्ता देखें कि कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से कोई परिवार वंचित तो नहीं'
- भाजपा के कार्यकर्ता 'सेवा ही संगठन' के मूल मंत्र के साथ लोगों की सेवा में जुटे : डॉ. दिलीप जायसवाल
- कार्यकताओं की ताकत एनडीए का असली बल : उमेश सिंह कुशवाहा
- प्रदेश में अब अपहरण नहीं उद्योग धंधे हो रहे स्थापित : राजू तिवारी
- बिहार में 225 से ज्यादा सीटें लाकर एनडीए बनाएगी सरकार : अनिल सिंह
- बिहार के लोगों ने तय कर लिया है कि राजद का शासनकाल कभी नहीं चाहिए : मदन चौधरी

पटना, 28 जनवरी। एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन का कारवां आज पौराणिक और ऐतिहासिक धरती बक्सर पहुंचा। प्रभु श्रीराम की कर्मस्थली माने जाने वाले धर्म नगरी बक्सर में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल सहित एनडीए घटक दलों के सभी प्रदेश अध्यक्षों ने यहां आयोजित एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन में हिस्सा लिया। सभी ने एक साथ हुंकार भरते हुए अगले विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत का दावा किया।

बक्सर के किला मैदान में आयोजित विराट एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल, जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, लोजपा (आर) के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी, हम के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह, रालोमो के प्रदेश अध्यक्ष मदन चौधरी ने संयुक्त रूप से कार्यकताओं को आगामी विधानसभा चुनाव में पूरी ताकत से जुट जाने का आह्वान किया। इस सम्मेलन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जुटे और सभी ने अपने प्रदेश अध्यक्ष के आह्वान पर एकजुट रहने का संकल्प लेते हुए एनडीए के प्रत्याशियों को विजयी बनाने का निश्चय

किया। इस सम्मेलन में कई विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ता पहुंचे, जिसमें एकजुटता और संकल्प साफ तौर पर दिखा। सम्मेलन में आए एनडीए कार्यकताओं को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि जनआंकाक्षाओं के अनुरूप काम करना हमारी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने भरोसा देते हुए कहा कि आमजनों के कल्याण और हित को सर्वोपरि रखकर कार्य किया जाएगा। उन्होंने राजद पर चुटकी लेते हुए कहा कि यहां परिवार के लोगों को ही केवल स्थान नहीं मिलता है बल्कि यहां प्रत्येक कार्यकर्ता का सम्मान होता है और कार्यकताओं को ही संगठन से लेकर सरकार तक दायित्व निर्वहन का अवसर मिलता है।

भाजपा अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने कहा, "भाजपा में बहुत से ऐसे कार्यकर्ता हैं, जिन्होंने अपना जीवन त्याग कर पार्टी व संगठन को सींचा है। उनके जीवन में अनेक कठिनाइयां, बाधाएं, संघर्ष एवं उतार-चढ़ाव आए, लेकिन वे निरंतर पार्टी में अपना अमूल्य योगदान देते रहे। आज उन्हीं देवतुल्य कार्यकताओं के कारण भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी है। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान करते हुए कहा कि 2025 बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अभी से पूरी मेहनत, लगन और निष्ठा के साथ काम कर एनडीए को फिर से प्रचंड बहुमत दिलाना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता सेवा ही संगठन के मूल मंत्र के साथ गांव, गलियारों, मोहल्लों में लोगों की सेवा में जुटे हुए रहते हैं, जिसका प्रगटीकरण पिछले लोकसभा चुनाव में देखने को मिला। उन्होंने कहा कि कार्यकताओं के कठिन परिश्रम की बदौलत ही यह चुनाव एक सुखद परिणाम दिया और नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार गरीब, वंचित, महिला, किसान व युवाओं की सेवा करने की शपथ ली।

उन्होंने दावा करते हुए कहा कि पीएम मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत की आज वैश्विक स्तर पर एक अलग पहचान बनी है और दूसरी ओर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार तेजी से विकसित बनने के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है।

कार्यकताओं का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता अब विधानसभा चुनाव में जुट जाएं। अपने-अपने क्षेत्र के लोगों से मिलकर यह देखें कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से कोई परिवार वंचित तो नहीं है।

इधर, कार्यकताओं की उपस्थिति से उत्साहित जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि कार्यकताओं की ताकत ही एनडीए का असली बल है। उन्होंने लोगों को भरोसा देते हुए कहा कि हमारी एकजुटता बूथस्तर तक बनी रही तो दूसरा ऐसा कोई कारण नहीं कि फिर नीतीश कुमार के नेतृत्व में प्रचंड बहुमत के साथ फिर से एनडीए की सरकार न्हीं बने।

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि विपक्ष अब हतोत्साहित हो चुका है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास न नीति है और न नियत है। उन्होंने कहा कि एनडीए का लक्ष्य प्रदेश और देश को विकसित बनाना है। आज देश और प्रदेश विकसित होने की राह पर है।

लोजपा (रामविलास) के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी ने कहा कि बिहार में आज बड़ी कंपनियां अपना उद्योग लगाने के लिए लालायित हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब अपहरण का उद्योग नहीं बल्कि उद्योगपति यहां उद्योग धंधे स्थापित कर रहे हैं। नीतीश कुमार की सरकार उद्योगपतियों को पूरी मदद कर रही है। उन्होंने कहा कि आज एनडीए के नेतृत्व में बिहार हर क्षेत्र में- चाहे वह शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो, कृषि हो, या उद्योग- नए मापदंड स्थापित कर रहा है।

नगर अध्यक्ष शुभ कांत ठाकुर सन्नी को मातृ शोक, जदयू परिवार ने शोक जताया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। छात्र जदयू के समस्तीपुर नगर अध्यक्ष शुभकांत ठाकुर (सन्नी) की माता सारी की पुर्व पंचायत समिति सदस्य सह जदयू महिला प्रकोष्ठ की जिला उपाध्यक्ष 63 वर्षीय मृदूला देवी का अकास्मिक निधन लगभग संध्या 5 बजे बजार समिति समस्तीपुर नगर निगम वार्ड संख्या 11 ग्राम सारी स्थित आवास पर हो गया। जिला अध्यक्ष सह बीस सुत्री उपाध्यक्ष डॉ दुर्गेश राय ने कहा कि उनके निधन से पूरा जिला जदयू परिवार शोकाकुल है और दुःख की इस घड़ी में मृत आत्मा की शांति के लिए तथा परिवार के सदस्यों को दुःख सहने की शक्ति प्रदान करने के लिए भगवान से प्रार्थना करते है। शोक व्यक्त करने वालो में बिहार सरकार के वरिष्ठ मंत्री विजय कुमार चौधरी, केंद्रीय राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर, मंत्री महेश्वर हजारी, पूर्व सांसद श्रीमती अश्वमेघ देवी, वरीय नेता तकी अख्तर, वारिसनगर विधायक अशोक कुमार मुन्ना, ठाकुर राजीव सिंह, डॉ अमित कुमार मुन्ना, जदयू जिला सचिव संतोष कुमार साह, पूर्व उप प्रमुख शिव शंकर महतो, वारिसनगर के प्रमुख राजू कुमार चौधरी, अफजाल अहमद उर्फ उजाले, मो तौहीद अंसारी उर्फ नन्हें, खानपुर प्रभारी अब्दुस समद खां, युवा जदयू जिला उपाध्यक्ष सह ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल डरसूर के चेयरमैन आलोक कुमार सिंह आदि ने शोक व्यक्त किया है।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर टाऊन हॉल में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

गणतंत्र दिवस के अवसर पर टाऊन हॉल में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में श्रीमती ललिता देवी प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय सह इंटर कॉलेज दरौली की +2 संगीत शिक्षिका श्वेता कुमारी के निर्देशन में गणेश वंदना की प्रस्तुति देती खुशबू कुमारी, श्रेया कुमारी, श्रुति कुमारी एवं अंजली कुमारी..

सीताराम जप महायज्ञ के ध्वजारोहण को निकाली गयी जलबोझी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के बंगरा पंचायत के चैनपुर गांव अवस्थित सूर्य मंदिर के प्रांगण में 9 अप्रैल से शुरू हो रहें 9 दिवसीय सीताराम जप महायज्ञ के लिए ध्वजारोहण किया गया। वहीं ध्वजारोहण के लिए भव्य कलशयात्रा निकाली गई। आचार्य श्याम शंकर जी महाराज के नेतृत्व में मंदिर परिसर में मंत्रोच्चार से ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया। मौके संतोष सिंह, निरंजन सिंह, दिनेश सिंह, पप्पू सर, मनीष सिंह, मुन्ना सिंह, गुड्डू सिंह, अवधेश सिंह, दरोगा महंतों, मजिस्टर महंतों, मनोज सिंह, रविन्द्र सिंह, दूधनाथ सिंह सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहें। मौके पर आयोजनकर्ता दिनेश सिंह ने बताया कि आगामी 9 से 18 अप्रैल तक तक सीताराम जप महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। जिसके लिए ध्वजारोहण और कलशयात्रा निकाली गई। कलशयात्रा मंदिर परिसर से निकल चरिहारा, चैनपुर बाजार का भ्रमण चैनपुर पोखरा से जलबोझी की गयी और पुनः वापस यज्ञ मंडप पहुंची। मौके पर आचार्य श्याम शंकर जी महाराज ने कहा कि महायज्ञ से समाज में सद्भावना के साथ प्रेम बढ़ता है। महायज्ञ में शामिल होने वाले लोगों के मन में शुद्धता आती है। जिससे समाज में शांति व तरक्की का रास्ता दिखता है

अवैध शराब रखने को लेकर दो पक्षों में मारपीट, दर्जन भर पर एफआईआर दर्ज

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
संवाददाता हुसैनगंज (सीवान)

अवैध रुप से बांस के कोठी में शराब रखने को लेकर हुई मारपीट में आधा दर्जन से अधिक लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है. इस संदर्भ में हबीबनगर निवासी आवेदिका संजु देवी पत्नी सुदर्शन यादव ने स्थानीय थाना में लिखित शिकायत की है कि गाँव के ही गमलु यादव और उसके पुत्र अवैध शराब का धंधा करते हैं. मना करने पर गाली गलौज करते हैं. आवेदिका ने कहा है कि शराब कारोबारी के घर के पास मेरी बांस की कोठी है. उसमें अवैध शराब छूपा कर रखते हैं. 26 जनवरी को शाम में आवेदिका के पुत्र रवि कुमार बांस के कोठी में उनलोगों को शराब रखने से मना किया तो गमलु यादव, भीम यादव, नितेश यादव, अर्जुन यादव, मुन्ना यादव, सुरसती देवी सभी मिल कर गाली गलौज करते हुए उसको मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिए. शोर शराबा सुन कर जब वह अपने पुत्र को बचाने गयी तो उसके साथ भी मारपीट किया गया. वहीं उसने बतायी की मेरे गले से मंगलसूत्र रीना देवी व अंकिता देवी छीन ली. घायलावस्था में रवि का ईलाज स्थानीय सीएचसी में कराया गया. गंभीर स्थिति देखते हुए डाक्टर ने सदर अस्पताल रेफर कर दिया. थानाध्यक्ष विजय कुमार ने बताया कि उपरोक्त सभी आरोपियों पर थाना में प्राथमिकी दर्ज करते हुए जांच पड़ताल किया जा रहा है.

आवेदिका ने कहा है कि शराब कारोबारी के घर के पास मेरी बांस की कोठी है. उसमें अवैध शराब छूपा कर रखते हैं. 26 जनवरी को शाम में आवेदिका के पुत्र रवि कुमार बांस के कोठी में उनलोगों को शराब रखने से मना किया तो गमलु यादव, भीम यादव, नितेश यादव, अर्जुन यादव, मुन्ना यादव, सुरसती देवी सभी मिल कर गाली गलौज करते हुए उसको मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिए. शोर शराबा सुन कर जब वह अपने पुत्र को बचाने गयी तो उसके साथ भी मारपीट किया गया

जन सुराज विचार मंच की बैठक में बिहार में शिक्षा व्यवस्था और रोजगार की समस्या पर हुई चर्चा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

सीतामढ़ी। जन सुराज विचार मंच के तत्वाधान में भूप भैरो मठ स्थित सभागार में बिहार में शिक्षा व्यवस्था व रोजगार की समस्या विषय पर संगोष्ठी आयोजित हुआ। जिसकी अध्यक्षता सेवानिवृत्त बीडीओ घनश्याम महतो ने की, जबकि संचालन विचार मंच के जिला प्रभारी मो कमर अख्तर ने की। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए सेवानिवृत्त बीडीओ घनश्याम महतो ने कहा कि समग्र सुधार कैसे हो, हमें चिंतन मंथन करने की आवश्यकता है, वरना आने वाली पीढ़ी हमें माफ नही करेगी। हम जाति में बंट चुके हैं। समाज में आई गिरावट को दूर करने हेतु युवा वर्ग को आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार की आवश्यकता है, तब ही हमारा राज्य विकसित हो सकेगा। डॉ अकील अहमद ने अपने संबोधन में कहा कि जन सुराज पूरे राज्य में लोगों को

जागरूक करने के लिए मुहिम चला रही है, जो प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि बच्चों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा दिलाने हेतु शिक्षा व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता है। ड्राप आउट की समस्या है। जब तक हम शिक्षित नही होंगे, समुचित विकास संभव नही है। बिहार में कल कारखाने की कमी है। बच्चो के स्किल डेवलपमेंट किया जाना चाहिए, ताकि वह स्वरोजगार कर सकें। उन्होंने कहा कि बच्चों के हित के लिए प्रशांत किशोर अनशन पर बैठे। जन सुराज के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। आम आदमी जन सुराज को विकल्प के रूप में देख रही है। ऐसे में हमें जन सुराज को और मजबूत करना चाहिए।

वहीं, सीतामढ़ी आरोग्य संस्थान की प्रबंधक सह कवियित्री अपर्णा यादव ने कहा कि सिर्फ संसाधन मुहैया कराने देने से शिक्षा में सुधार नही होगा, बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में मिले इसके लिए कार्य करने की जरूरत है। बिहार से पलायन रोकने के लिए उद्योग स्थापित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जन सुराज विचार मंच का इस तरह का कार्यक्रम आयोजित किया जाना विकास के रोड मैप के लिए बेहतर पहल है। डॉ आबिद हुसैन ने कहा कि हम अपने बच्चों को सरकारी स्कूल में नहीं पढ़ाते क्योंकि प्राइवेट स्कूलों में जो सुविधा है वह सरकारी स्कूल में नही है। बिहार को आगे ले जाने के लिए शिक्षा में सुधार की आवश्यकता है। सीतामढ़ी के सदर अस्पताल में सारी सुविधाएं नही होने के कारण मरीज को मुजफ्फरपुर व पटना रेफर किया जाता है। उन्होंने मोबाइल अस्पताल की व्यवस्था पर बल देने की बात कही। संगोष्ठी को मधेसरा पैक्स अध्यक्ष अभिमन्यु साह, डॉ कासिम, डॉ शकील अहमद खान, पूर्व पंसस प्रतिनिधि अशोक साह, आलम हुसैन, इ. वसीम कौसर समेत अन्य ने संबोधित करते हुए कहा जन सुराज विचार मंच द्वारा बुद्धिजीवियों के साथ परिचर्चा कराना बिहार के विकास के पटरी पर ले जाने का बेहतर प्रयास है।

सरस्वती पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक थाना परिसर में सरस्वती पूजा के मद्देनजर मंगलवार को थानाध्यक्ष अजय कुमार की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक की गई। मौके पर डीएसपी अमरनाथ और इंस्पेक्टर अशोक कुमार सिंह, सीओ सुमंत कुमार, बीडीओ पंकज कुमार भी मौजूद रहें। बैठक में उपस्थित पंचायत प्रतिनिधियों एवं पूजा समिति के सदस्यों को संबोधित करते हुए थानाध्यक्ष ने कहा कि पूजा समिति के सदस्यों को पूजा एवं मूर्ति विसर्जन के लिए लाइसेंस लेना होगा। पूजा के दौरान डीजे पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। उन्होंने कहा कि अफवाह फैलाने वाले असामाजिक तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। उन्होंने लोगो से शांतिपूर्ण एवं सौहाद्रपूर्ण वातावरण में त्यौहार मनाने की अपील की। डीएसपी अमरनाथ ने कहा कि पूर्व की तरह इस बार भी सरस्वती पूजा शांति एवं सौहार्द पूर्ण वातावरण में मनाएं। पूजा स्थलों पर डीजे का प्रतिबंध हैं। उन्होंने पूजा कमेटियों से हुड़दंगियों पर नजर रखने और कोई भी सूचना तुरंत पुलिस को देने की बात बताई। बैठक में सोनौली मुखिया इम्तियाज खान उर्फ चुन्नू बाबू, डुमरसन मुखिया बच्चा लाल साह, पूर्व उप प्रमुख साहेब हुसैन उर्फ टुनटुन, शिक्षक नेता संतोष सिंह, दुरगौली मुखिया प्रतिनिधि सत्येंद्र सिंह, बीडीसी चुनमुन बाबा समेत जनप्रतिनिधि एवं पूजा समिति के सदस्य उपस्थित थे।

हाँसा पंचायत में मुखिया तेज नारायण चौधरी ने लहराया तिरंगा झंडा, मौजूद लोगों ने दी तिरंगे झंडे को सलामी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर प्रखंड के अंतर्गत हांसा पंचायत स्थित दुर्गा स्थान परिसर में हर साल की तरह इस साल भी गणतंत्र दिवस मनाया गया। झंडा तोलन स्थानीय मुखिया तेज नारायण चौधरी ने किया। मुखिया तेज नारायण चौधरी ने तिरंगा झंडा लहराया और तिरंगे को सलामी दी। इस अवसर पर उन्होंने गणतंत्र दिवस पर विस्तार पूर्वक चर्चा की। उन्होंने कहा कि आज ही के दिन हमारा मुल्क में संविधान लागू हुआ था तब से हमलोग गणतंत्र दिवस के रूप में मनाते आ रहे हैं। इसी बीच आदर्श मध्य विद्यालय नागरबस्ती नवीन के छात्र छात्राओं ने राष्ट्रीय गीत गाया जिससे दुर्गा स्थान परिसर गूंज उठा।

गणतंत्र दिवस के मौके पर पूर्व पैक्स अध्यक्ष जीवछ महतो, वर्तमान पैक्स अध्यक्ष नरेश कुमार महतो, वृज किशोर दास, प्रधानाचार्य अशोक रजक, शिक्षक अमरेंद्र कुमार पांडे, परवेज अहमद रौनकी, नवल किशोर चौधरी, नरसिंह कुमार जायसवाल, पूर्व सरपंच अब्दुल कलाम राजा, समाजसेवी नाजिर हुसैन, पंचायत सचिव राजेंद्र साह, ज्योति कुमारी, जितेंद्र कुमार सिंह उर्फ बॉबी सिंह, अभिषेक कुमार उर्फ सोनू, मो कलाम, मो असगर, मो इम्तेयाज, रामनाथ चौधरी, रंजित कुमार, मो लतीफुर रहमान, उमा शंकर चौधरी आदि मौजूद थे।

डीआईजी ने उत्पाद थाना एवं मशरक थाना का किया निरीक्षण, दिए दिशा-निर्देश

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सारण डीआईजी नीलेश कुमार ने मशरक उत्पाद थाना एवं मशरक थाना का औचक निरीक्षण किया। मौके पर मशरक अंचल निरीक्षक अशोक कुमार सिंह, मशरक थानाध्यक्ष अजय कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे। डीआइजी सारण ने मशरक थाना पर पुलिस अधिकारियों के साथ कुछ मामले को ले गंभीरता पूर्वक विचार विमर्श करने के बाद कई दिशा-निर्देश दिए। बताते चले कि गत 22 जनवरी को रात करीब 10 बजे उत्पाद थाना मशरक के थानाध्यक्ष सुनील कुमार, दारोगा कुंदन कुमार, सिपाही संतोष कुमार को शराब पार्टी करने के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। पुलिस ने गिरफ्तार 3पुलिस पदाधिकारियों सहित 6पुलिस पदाधिकारी व कर्मी पर मशरक थाना में प्राथमिकी दर्ज कर आरोपित किया था।

इसुआपुर के अंचल परिचारी के निधनं पर मशरक में शोक सभा आयोजित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में मंगलवार को इसुआपुर के अंचल परिचारी के निधनं पर शोक सभा आयोजित की गयी। शोक सभा में बीडीओ पंकज कुमार, सीओ सुमंत कुमार के नेतृत्व में बड़ा बाबू बिनोद कुमार, धनेश राम, कृष्णा मांझी, अभय पांडेय, जितेन्द्र सिंह, महेश यादव, ठाकुर नितेश सिंह, अनिल शर्मा, रवि कुमार समेत अन्य मौजूद रहें। सीओ सुमंत कुमार ने बताया कि इसुआपुर अंचल कार्यालय में कार्यरत परिचारी सुरेश पंडित का निधनं हो गया वे कुछ दिनों से बीमार चल रहे थें। उनका निधनं कार्यालय के लिए अपूर्णीय क्षति हैं वे कार्यालय के मजबूत स्तम्भ थें प्रतिदिन समय से आना और सब से मिलते-जुलते रहना उनकी प्राथमिकता थी। बीडीओ पंकज कुमार ने कहा कि उनके निधनं पर शोक व्यक्त किया और उनकी मृत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की

सीतामढ़ी में सैनिक हेल्प डेस्क के विधिवत संचालन हेतु पुलिस अधीक्षक को सौंपा गया ज्ञापन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ीः जिले में सैनिक, पूर्व सैनिक और उनके परिजनों के सहयोग और सुरक्षा के लिए सैनिक हेल्प डेस्क के संचालन को लेकर प्रशासनिक कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में सोमवार को वेटरन्स इंडिया सीतामढ़ी (अखिल भारतीय पूर्व सैनिक संगठन) के प्रतिनिधियों ने पुलिस अधीक्षक अमित रंजन से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा।

पुलिस अधीक्षक अमित रंजन ने बताया कि पुलिस मुख्यालय (विधि व्यवस्था प्रभाग), पटना के निदेर्शानुसार सीतामढ़ी में सैनिक हेल्प डेस्क का गठन किया गया है। इसका संचालन वरिय पुलिस उपाधीक्षक नजीब अनवर के अनुश्रवण में होगा। इसके लिए पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों को प्रतिनियुक्त किया गया है। हेल्प डेस्क की शुरूआत 14 जनवरी 2025 को वेटरन्स डे (पूर्व सैनिक दिवस) पर दानापुर छावनी में हुई थी, जिसका उद्देश्य सैनिकों और उनके परिवारों को हरसंभव सहयोग प्रदान करना है।

वेटरन्स इंडिया सीतामढ़ी के जिला कार्यकारी अध्यक्ष पूर्व सैनिक अनिल कुमार और सुबेदार लक्ष्मी प्रसाद ने ज्ञापन सौंपते हुए पुलिस प्रशासन से आग्रह किया कि सैनिक हेल्प डेस्क का विधिवत संचालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने मांग की कि सैनिकों और पुलिस प्रशासन के बीच नियमित बैठकें आयोजित की जाएं ताकि सैनिक और उनके परिवारों को अधिक विश्वास और सुरक्षा का अनुभव हो।

सैनिक हेल्प डेस्क का मुख्य उद्देश्य जिले के थानों और ओपी में सैनिक, पूर्व सैनिक और उनके परिवारों के लिए सहयोगात्मक और सौहार्दपूर्ण माहौल तैयार करना है। इससे पुलिस प्रशासन और सैनिक समुदाय के बीच विश्वास बढ़ेगा। हेल्प डेस्क के माध्यम से सैनिकों और उनके परिजनों को सहायता और सुरक्षा प्रदान की जाएगी।पूर्व सैनिक अनिल कुमार ने वरिय पुलिस उपाधीक्षक नजीब अनवर से मुलाकात कर सैनिक हेल्प डेस्क को सुचारू रूप से संचालित करने, संपर्क नंबर सार्वजनिक करने और इसका व्यापक प्रचार-प्रसार करवाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों में रहने वाले सैनिक और उनके परिजन इस सेवा का लाभ उठा सकें और बिना किसी झिझक के अपनी समस्याएं पुलिस के समक्ष रख सकें।वरिय पुलिस उपाधीक्षक नजीब अनवर ने कहा कि सैनिक हेल्प डेस्क के लिए जल्द ही उपयुक्त स्थान चिन्हित किया जाएगा। इसके साथ ही, सैनिक समुदाय के साथ नियमित बैठकों का आयोजन कर उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।यह कदम सैनिकों और उनके परिवारों के प्रति पुलिस प्रशासन की संवेदनशीलता को दशार्ता है। यह पहल जिले में सैनिकों के लिए न केवल सहयोगपूर्ण माहौल तैयार करेगी बल्कि उनकी सुरक्षा और सम्मान की भावना को भी मजबूत करेगी।

मशरक में डीएसपी कार्यालय का एसपी ने किया उद्धाटन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक प्रखंड कार्यालय परिसर में मंगलवार को डीएसपी कार्यालय का एसपी डॉ कुमार आशीष ने फीता काटकर उद्धाटन किया। उदुघाटन के बाद उन्होंने कार्यालय का जायजा भी लिया। मौके पर डीएसपी अमरनाथ, डीसीएलआर मनोहर कुमार साहू,इंस्पेक्टर अशोक कुमार सिंह,सीओ सुमंत कुमार, बीडीओ पंकज कुमार और नगर पंचायत चेयरमैन सोहन महंतों,शिक्षक नेता संतोष सिंह समेत अन्य मौजूद रहें। इस दौरान उन्होंने कहा कि अब मशरक , तरैया, इसुआपुर और पानापुर के लोगों को सीधे फायदा होगा। उन्हें न तो अब जिले में जाना पड़ेगा और नही समय गंवाना पड़ेगा। उनके ट्रैवल का खर्चा भी बचेगा। लोगों को अपने गांव के नजदीक ही मशरक में डीएसपी कार्यालय में सभी सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि अब यहां अपनी शिकायत कर सकते हैं। शिकायत मिलने के तुरंत बाद कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि मशरक में कार्यालय के खुल जाने से अपराध पर भी अंकुश लगेगा। थानों में चल रहे लंबित मामलों के अनुसंधान के साथ निपटारा भी किया जाएगा साथ ही मशरक,पानापुर, तरैया और इसुआपुर के इलाकों में चौकसी बढ़ेगी।

बराइट फीवचर एजुकेशनल एवं वेलफेयर ट्रस्ट बरदहा के द्वारा गणतंत्र दिवस पर समारोह का आयोजन किया गया ट्रस्ट द्वारा बच्चों मे कलम कॉपी का वितरण किया !

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के बिस्फी प्रखंड के बरदहा में वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र मे काम कर रहे बराइट फीवचर एजुकेशनल एवं वेलफेयर ट्रस्ट के द्वारा गणतंत्र दिवस के उपरांत मे एक समारोह का आयोजन किया गया समारोह का अध्यक्षता कोषा अध्यक्ष आफताब आलम वही संचालन मोङ्क सालेही ने कि सभा को सम्बोधित करते हुए कोषा अध्यक्ष आफताब आलम ने बताया की ये ट्रस्ट 2017 से शिक्षा के क्षेत्र मे काम कर रही ऐसे बच्चे को शिक्षा दें रही हैं जो शिक्षा से दुर है उसकी पढ़ाई का सारा खर्च ट्रस्ट उठती हैं यूनिफर्म बैग बुक सहित अन्य सारी जरुरत का सामान ट्रस्ट द्वारा दिया जाता हैं अब तक चार बच्चे 10 ३ँ पास कर चुके हैं और आगे की पढ़ाई कर रहा हैं 20 बच्चे को अभी भी ट्रस्ट द्वारा शिक्षा दिया जा रहा हैं आनेवाले सेसन मे 10 बच्चे को और जोड़ा जायेगा ताकि वो शिक्षा से मरहूम ना रहे इस मोके पर कांग्रेस नेता सैयद तनवीर अनवर ने ट्रस्ट के सभी सदस्य को बधाई देते हुए कहा की आज के समय मे गरीब मजदूर के बच्चे शिक्षा से बहुत दुर हैं इस करी मे बराइट फीवचर एजुकेशनल एवं वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा फिरी शिक्षा दी जारही हैं ये बहुत ही सराहनीय काम कर रही है इसकी जितनी भी सराहना की जाये कम हैं मे आह्वान करता हुँ की सभी लोग इस ट्रस्ट की मदद करें ताकि शिक्षा क्षेत्र मे कोई भी बच्चा शिक्षा से मरहूम ना रहे इस मोके पर एजुकेशन एडवांइजर अब्रारुल हक, उप कोषाध्यक्ष सब्बीर अकदस, नूर हुसैन शहनवाज, डॉ. अख्तर शाह आलम, नौशाद गुड्ड, मोङ्क सलीम, मोङ्क जलाल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे

समस्तीपुर में किन्नरों का हंगामा, मामले को शांत कराने पहुंची पुलिस भी बेबस.ठल्ल-28 को घंटो जामकर काटा बबाल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर : समस्तीपुर के मुसरीघरारी थाना पर सैकड़ो की संख्या में पहुंची किन्नरों ने नंग धरंग स्थिति में जमकर हंगामा व बवाल किया। बाद में किन्नरों ने मुसरीघरारी चौराहा को एनएच-28 पर जाम कर घंटों बबाल काटा। इस दौरान मामले को शांत करने पहुंची पुलिस को भी किन्नरों ने खदेड़ दिया। जाम के कारण यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। मामले को लेकर बताया जाता है कि 24 जनवरी को हरपुर एलौथ गांव में किसी बच्चे के जन्मदिन पर किन्नर बधाई मांगने पहुंचे थे।किन्नरों के द्वारा 11 हजार रुपये की मांग की गई थी, लेकिन गृह स्वामी 1 से 2 हजार रुपये देने की बात कर रहे थे। रुपये के लेन देन को लेकर दोनों के बीच विवाद में जमकर मारपीट हो गई। मारपीट की इस घटना में दोनों पक्ष से कई लोग जख्मी हो गए, जिसे सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में दोनों पक्षों के द्वारा मुसरीघरारी थाना में लिखित आवेदन दिया गया। पुलिस ने दोनों पक्ष के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर ली।इसी बीच किन्नरों के बीच अफवाह फैल गई कि पुलिस के द्वारा उसके दिए आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। जिसके बाद मंगलवार को सैकड़ो की संख्या में पहुँचे किन्नरों ने पहले तो मुसरीघरारी थाना का घेराव कर हंगामा किया, उसके बाद एनएच 28 को मुसरीघरारी चौराहे के पास जाम कर घंटो बबाल काटा। इधर किन्नरों के द्वारा सड़क जाम की सूचना पर पहुंची पुलिस को भी किन्नरों ने खदेड़ दिया और पुलिस कर्मियों के साथ हाथापाई भी किया। बाद में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मदद से पुलिस ने समझा बुझाकर मामले को शांत कराया।वहीं इस संबंध में एएसपी संजय कुमार पाण्डेय का बताना है कि हरपुर एलौथ गांव में जन्मदिन की बधाई देने पहुंचे।

जिलाधिकारी समस्तीपुर श्री रोशन कुशवाहा द्वारा समाहरणालय सभागार समस्तीपुर में मंगलवार दिनांक 28 जनवरी 2025 को नीलाम पत्र वादों की समीक्षा बैठक की गई

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

जिलाधिकारी समस्तीपुर श्री रोशन कुशवाहा द्वारा समाहरणालय सभागार समस्तीपुर में मंगलवार दिनांक 28 जनवरी 2025 को नीलाम पत्र वादों की समीक्षा बैठक की गई। बैठक में समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी समस्तीपुर द्वारा सभी नीलाम पत्र पदाधिकारी को 1990 तक के मामलों का प्राथमिकता के आधार पर अगले 10 से 15 दिनों में निष्पादन करने का निर्देश दिया गया ।इसके अलावा सभी नीलाम पत्र वादों को लगातार सुनवाई करते हुए यथाशीघ्र निष्पादन हेतु सभी नीलाम पत्र पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया। विदित को पूरे जिले में कुल 57 पदाधिकारी को नीलाम पत्र वाद की सुनवाई की शक्ति प्रदत्त है जिनमें सभी अनुमंडल पदाधिकारी ,सभी भूमि सुधार उपसमाहर्ता,प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी , वरीय उप समाहर्ताओ सहित अन्य पदाधिकारी सम्मिलित हैं। बैठक में अपर समाहर्ता समस्तीपुर श्री अजय कुमार तिवारी, अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन श्री राजेश सिंह , विशेष कार्य पदाधिकारी श्री महमूद आलम सहित सभी अनुमंडल पदाधिकारी एवं नीलाम पत्र पदाधिकारी शामिल रहे।

उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिंहा में अगर हिम्मत है तो सीबीआई जांच की मांग करें- राजेश राठौड़

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
पटना 28 जनवरी 2025

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा के पथ निर्माण विभाग में अवैध भुगतान के मामले को लेकर बिहार प्रदेश कांग्रेस मीडिया कमेटी के अध्यक्ष राजेश राठौड़ ने चुनौती देते हुए कहा है कि अगर विजय कुमार सिन्हा में हिम्मत है।तो पथ निर्माण विभाग समेत बिहार सरकार के सभी विभागों के 20 वर्षों के कार्यकाल की सीबीआई जांच करवाएं।उन्होंने कहा कि पथ निर्माण विभाग के द्वारा बनाए गए कई पुल तथा सड़कों में व्याप्त भ्रष्टाचार बिहार की जनता भली-भांति देख चुकी है।उसकी परिणति भी झेल चुकी है।लेकिन इसके बावजूद ऐसे मामलों का सीबीआई जांच नहीं कराया गया। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग,पंचायती राज विभाग,ऊर्जा विभाग समेत ऐसे तमाम विभाग जहां सौ रुपये के समान हजार रुपए में खरीदे जा रहे हैं।इसकी भी सीबीआई जांच होनी अति आवश्यक है।उन्होंने कहा कि अगर सीबीआई जांच मुकम्मल हो जाती है, तो दोनों उपमुख्यमंत्री, मुख्यमंत्री समेत पूरा कैबिनेट जेल के भीतर चला जाएगा।उन्होंने कहा कि 20 वर्षों में बिहार के तमाम विभागों में जड़ जमा चुके भ्रष्टाचार के दानवों को बिहार की जनता नित्य प्रतिदिन झेल रही है।एक मामूली पदाधिकारी के घर छापे में करोड़ों का नगदी बरामद होता है और सत्ता के शीर्ष में बैठे सीएम,डिप्टी सीएम अपने सरकार को ईमानदार बताते हैं। इससे बड़ा बड़ी विडंबना भला और क्या हो सकती है। उन्होंने डिप्टी सीएम विजय कुमार सिंहा को चुनौती दिया है कि पथ निर्माण विभाग समेत अन्य विभागों में व्याप्त वित्तीय अनियमितता की जांच सीबीआई से करा कर देख ले ।

लंबित मांगों को लेकर समस्तीपुर में होमगार्ड जवानों ने थाली पीट कर किया प्रदर्शन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर : बिहार गृह रक्षा वाहिनी स्वयंसेवक संघ के बैनर तले होमगार्ड जवानों ने लंबित मांगों को लेकर आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शन कर रहे होमगार्ड जवानों ने थाली पीटकर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन में शामिल बिहार गृह रक्षा वाहिनी स्वयं सेवक संघ समस्तीपुर इकाई के जिलाध्यक्ष कैलाश राय का कहना है कि बिहार सरकार के द्वारा गृह रक्षकों की मांगों पर गंभीरता पूर्वक विचार नहीं किया जा रहा है।

जब-जब आंदोलन हुए हैं सिर्फ आश्वासन ही मिला हैं। लेकिन उसके बाद उस पर कोई ठोस कार्रवाई नही होती है। सरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेश का भी पालन नही कर रही है। होमगार्ड जवानों ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर गृह रक्षकों की मांग को गंभीरता से नहीं लेती है तो 1 मार्च से बिहार के सभी गृह रक्षक हड़ताल पर जाएंगे।

होम गार्ड जवानों की मांग :

सामान काम के सामान वेतन, सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट के निर्देश के आलोक में गृह रक्षकों के कर्तव्य भत्ता, महंगाई भत्ता के साथ ही पुलिस को मिलने वाली अन्य सुविधा अविलंब देने, गृह रक्षकों के सेवानिवृत्त पर सेवानिवृत का लाभ देने, 20 वर्ष 10 वर्ष की शर्तों को हटाकर सभी सेवानिवृत्ति गृह रक्षकों को सेवानिवृत्ति के समय ही भुगतान करने, महंगाई को देखते हुए डेढ़ लाख रुपए मिलने वाली राशि को 5 लाख तक करने, गृह रक्षकों को मिलने वाली अनुग्रह अनुदान को चार लाख से बढ़कर 10 लाख करने सहित अन्य मांगे शामिल है।ड्यूटी के समय मृत्यु होने पर या पूर्णता दिव्यांग होने पर आश्रितों की शैक्षणिक योग्यता आठवां पास ही रखने, उस आधार पर उन्हें अनुकंपा पर लाभ देने, कर्तव्यों के दौरान बीमारी या दुर्घटना होने पर विशेष लाभ देने, राज्य के सभी जिला में कार्यालय के साथ ही गृह रक्षक कार्यालय में नल जल शौचालय आदि का सुविधा देने सहित 21 सूत्री मांग शामिल है।

शारीरिक शिक्षाः स्वस्थ जीवन की नींवआधुनिक शिक्षा में खेल-कूद की अनिवार्यता

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

■ हैदराबाद 28 अगस्त – आज की तेज रफ्तार और डिजिटल युग में शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि शारीरिक शिक्षा भी एक अनिवार्य घटक बन चुकी है। बच्चों का अधिकतर समय स्क्रीन के सामने बिताने के कारण उनकी शारीरिक गतिविधियां सीमित हो रही हैं, जिससे मोटापा, तनाव और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ रही हैं। ऐसे में शारीरिक शिक्षा न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक और सामाजिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

■ शारीरिक शिक्षा क्यों है जरूरी?

■ विशेषज्ञों के अनुसार, शारीरिक शिक्षा विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए आवश्यक है। यह न केवल स्वास्थ्य को मजबूत बनाती है, बल्कि मानसिक तनाव को कम करने, अनुशासन विकसित करने और नेतृत्व क्षमता बढ़ाने में भी सहायक होती है।

1. शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार झ नियमित खेल–कूद और व्यायाम से हृदय स्वास्थ्य सुधरता है, मांसपेशियों की ताकत बढ़ती है और रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है।
2. मानसिक तनाव में कमी झ पढ़ाई और परीक्षाओं के दबाव के बीच खेलों में भाग लेने से छात्रों का तनाव कम होता है और उनकी एकाग्रता व याददाश्त बेहतर होती है।
3. अनुशासन और आत्मनिर्भरता का विकास झ खेलों के माध्यम से विद्यार्थी अनुशासन, धैर्य और लक्ष्य निर्धारण जैसे जीवन कौशल सीखते हैं।
4. टीम वर्क और नेतृत्व क्षमता बढ़ाता है झ टीम गेम्स से छात्रों में सहयोग, नेतृत्व और रणनीतिक सोच विकसित होती है, जो उनके करियर और व्यक्तिगत जीवन में मददगार साबित होती है।

■ विद्यालयों में शारीरिक शिक्षा की वर्तमान स्थिति

■ हालांकि, कई स्कूलों में अभी भी शारीरिक शिक्षा को उतनी प्राथमिकता नहीं दी जाती जितनी जरूरी है। खेल पीरियड्स को कम कर दिया जाता है, खेल के मैदानों की जगह कक्षाओं को दी जा रही है, जिससे बच्चों को शारीरिक गतिविधियों से दूर किया जा रहा है।

■ शिक्षाविदों का मानना है कि शारीरिक शिक्षा को अकादमिक शिक्षा के समान महत्व देना जरूरी है। स्कूलों को चाहिए कि वे खेल और फिटनेस को अपनी प्राथमिकता में रखें, खेल की सुविधाओं का विस्तार करें और छात्रों को उनकी रुचि के अनुसार विभिन्न खेलों में भाग लेने के अवसर दें।

■ सरकार और अभिभावकों की भूमिका

■ विशेषज्ञों के अनुसार, शारीरिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए केवल स्कूल ही नहीं, बल्कि अभिभावकों और सरकार की भी अहम भूमिका है। माता–पिता को चाहिए कि वे बच्चों को मोबाइल और टीवी से दूर रखकर खेलों के प्रति प्रोत्साहित करें। वहीं, सरकार को खेल सुविधाओं का विस्तार करना चाहिए, स्कूलों में पर्याप्त खेल प्रशिक्षकों की नियुक्ति करनी चाहिए और खेलों को करियर विकल्प के रूप में विकसित करना चाहिए।

■ निष्कर्ष

शारीरिक शिक्षा केवल एक विषय नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है। यह बच्चों को स्वस्थ, अनुशासित और आत्मनिर्भर जीवन जीने के लिए प्रेरित करती है। यदि हमें एक स्वस्थ और मजबूत राष्ट्र बनाना है, तो शारीरिक शिक्षा को शिक्षा प्रणाली का अभिन्न अंग बनाना ही होगा।

झ मोहम्मद जहांगीर,
फिजिकल एजुकेशन टीचर

आगामी 1 फरवरी से 15 फरवरी तक होने वाली वार्षिक इंटरमीडिएट परीक्षा 2025 तथा बसंत पंचमी के अवसर पर विधि व्यवस्था से संबंधित समीक्षात्मक बैठक की गई

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समाहरणालय सभागार समस्तीपुर में जिलाधिकारी समस्तीपुर श्री रोशन कुशवाहा तथा पुलिस अधीक्षक श्री अशोक मिश्रा द्वारा संयुक्त रूप से आगामी 1 फरवरी से 15 फरवरी तक होने वाली वार्षिक इंटरमीडिएट परीक्षा 2025 तथा बसंत पंचमी के अवसर पर विधि व्यवस्था से संबंधित समीक्षात्मक बैठक की गई

गरीब लोगों को दिया गया कम्बल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। 76 वें गणतंत्र दिवस के शुभअवसर पर पूसा प्रखंड के धर्मागतपुर बथुआ निवासी सर्वोदय उच्च विद्यालय वैनी पूसा समस्तीपुर की शिक्षिका सह प्रगति आदर्श सेवा केन्द्र दूधपुरा समस्तीपुर की संरक्षक सुश्री अमृता कुमारी के द्वारा जरूरत मंदों और वृद्ध लोगों के बीच कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया, ताकि वे ठंड के मौसम में अपने आपको ठंड से बचा सके। कंबल विचरण कार्यक्रम के दौरान अमृता कुमारी ने कहा कि हमारा उद्देश्य जरूरतमंद लोगों की मदद करना है और समाज के लोगों को अपनी क्षमता के अनुसार लोगों को मदद करने के लिए प्रेरित करना है। जरूरतमंद लोगों की मदद से बढ़कर दूसरा कोई पुण्य का कार्य नहीं है जिन लोगों के बीच कंबल वितरण किया गया उनलोगो की भावना को व्यक्त नहीं किया जा सकता सबके चेहरे पर खुशी झलक रही थी। मौके पर अनिल कुमार झा, अभय कुमार, जयकृष्ण कुमार, श्वेता कुमारी, कपूरी कुमार, मो रजी, कुंदन कुमार, संजय कुमार आदि मौजूद थे।

माउंटेन मैन दशरथ मांझी के पुत्र, पूर्व जदयू सांसद अली अनवर समेत कई गणमान्य शख्सीयतों ने थामा कांग्रेस का दामन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना 28 जनवरी 2025आज नई दिल्ली में आयोजित एक मिलन समारोह में बिहार के माउंटेन मैन दशरथ मांझी के पुत्र भागीरथ मांझी, जदयू के पूर्व सांसद एवं ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष अली अनवर अंसारी, अखिल भारतीय प्रजापति कुंभकार संघ के बिहार अध्यक्ष मनोज प्रजापति, आम आदमी पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता निशांत आनंद, पद्मश्री डॉ जगदीश प्रसाद, भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता निखत अब्बास तथा ख्यातिलब्ध लेखक फ्रैंक हुजूर ने बिहार प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह तथा अखिल भारतीय कांग्रेस मीडिया कमेटी के अध्यक्ष पवन खेड़ा की मौजूदगी में कांग्रेस का दामन थाम लिया।इन सभी गणमान्य लोगों ने आज नई दिल्ली में कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। मौके पर उपस्थित बिहार प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष तथा राज्यसभा सांसद डॉ अखिलेश सिंह ने इन सभी लोगों को कांग्रेस में शामिल कराया।उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी देश में अब आम जनता की अंतिम विकल्प बन गई है।आम जनता यह बात समझ चुकी है कि कांग्रेस के बगैर देश में संपूर्ण तथा सर्वांगीण विकास की बात करना बेइमानी है।बिहार प्रदेश कांग्रेस मीडिया कमेटी के अध्यक्ष राजेश राठौड़ ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि इन सभी लोगों के पार्टी में आ जाने से पार्टी और मजबूत होगी उन्होंने कहा आज देश की जनता कांग्रेस की ओर बेहद उम्मीद से देख रही है बिहार समेत पूरे देश में कांग्रेस की जरूरत महसूस की जा रही है। उन्होंने कहा कि बिहार में आने वाले दिनों में कांग्रेस एक बेहद शक्तिशाली ताकत बन के उभरते जा रही है। उन्होंने बताया कि दशरथ मांझी माउंटेन मैन जैसे शख्सियत के पुत्र भागीरथ मांझी ने जदयू को छोड़ कांग्रेस का दामन थामा है। वहीं दूसरी तरफ जदयू के ही पूर्व सांसद तथा अल्पसंख्यक नेता अली अनवर ने भी कांग्रेस का दामन थामकर कांग्रेस में विश्वास किया है।इससे यह साफ पता चलता है कि बहुत जल्द प्रदेश में ऐसे सभी लोग जो बिहार में जबरदस्त क्रांतिकारी परिवर्तन चाहते हैं। वे बड़ी संख्या में कांग्रेस में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि देश तथा बिहार को बचाने के लिए कांग्रेस पार्टी लगातार काम कर रही है। देश की इकलौती ऐसी पार्टी है कांग्रेस जो आजादी के बाद से लेकर आज तक जन सरोकार की राजनीति करती है।जिससे प्रभावित होकर दिनों दिन कांग्रेस का कारवां बढ़ता जा रहा है।

सुदामा रामरतन हाल के प्रांगण में बहुजन मुक्ति मोर्चा का मुंगेर प्रमंडल स्तरीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण सह प्रबोधन कार्यक्रम आयोजित किया गया

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
साहिल अंसारी

बेगुसराय 28 जनवरी 2025 दिन मंगलवार को बेगूसराय जिला अंतर्गत बरौनी प्रखंड के बभनगामा पंचायत के वार्ड नंबर 14 के सुदामा रामरतन हाल के प्रांगण में बहुजन मुक्ति मोर्चा का मुंगेर प्रमंडल स्तरीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण सह प्रबोधन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जिसकी अध्यक्षता पार्टी के बेगूसराय जिलाध्यक्ष डॉ॰ नंदकुमार साहू ने किया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन वैश्य दलित पिछड़ा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ॰ राजकुमार आजाद ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया तथा संबोधित करते हुए कहा कि वैश्य दलित पिछड़ा अल्पसंख्यक की आबादी भारत में पचासी फीसदी है लेकिन शासन पन्द्रह फीसदी वाला ब्राह्मणवादी, मनुवादी और सामंतवादी कर रहा है जो वैश्य दलित पिछड़ा और अल्पसंख्यक के गाल पर करारा तमाचा है। मुख्य अतिथि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मा॰ प्रमेन्द्र प्रताप सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि बहुजन मुक्ति पार्टी 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में सभी विधानसभा में उम्मीदवार खड़ा करेगे और बिहार में सरकार बनाएंगे !मुख्य वक्ता बामसेफ के प्रदेश प्रचारक बनवारी पासवान ने संबोधित करते हुए कहा कि वोट हमारा तो सरकार भी हमारा ही होगा। विशिष्ट अतिथिगण पूर्व विधान पार्षद भंते बुद्ध प्रकाश, डॉ॰ पूनम आजाद, पूर्व सरपंच डॉ॰ बलराम पासवान, रेखा पंडित ने सभा को संबोधित किया !

आयोजक सह बेगूसराय विधानसभा के भावी उम्मीदवार विजय कुमार कुशवाहा ने सभी अतिथियों को चादर ओढ़ाकर, और माला पहनाकर सम्मानित किया !

उच्च माध्यमिक विद्यालय पकठौल, तेघड़ा में आयोजित की गई संकुल स्तरीय शिक्षण-अधिगम सामग्री (टीएलएम) मेला

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
साहिल अंसारी

■ शिक्षक-शिक्षिकाएं अपने विषय को रुचिकर और प्रभावी तरीके से मॉडलों की सहायता से समझाते हैं ।

बेगुसराय विद्यालय में गणित और विज्ञान के प्रत्येक अध्याय को पढ़ाने से पहले संबंधित अध्याय पर आधारित मॉडल तैयार किया जाता है. उक्त बातें मंगलबार को उच्च माध्यमिक विद्यालय पकठौल तेघड़ा में संकुल स्तरीय शिक्षण-अधिगम सामग्री (टीएलएम) आयोजित मेला के मुख्य अतिथि तेघड़ा विधायक राम रतन सिंह, प्रखंड विकाश पदाधिकारी राकेश कुमार थे। टीएलएम मेले का का अवलोकन करते हुए माननीय विधायक ने शिक्षकों को उत्कृष्ट कार्य करने के लिए बधाई दिए। एवं इसका उपयोग वर्ग में करने की सलाह दी। वही प्रखंड विकाश पदाधिकारी राकेश कुमार ने ळछट मेला में शिक्षकों द्वारा निर्मित उत्कृष्ट आकृति पर प्रशंसा व्यक्त करते हुए शिक्षकों को मन लगाकर पढ़ना का निर्देश दिए साथ ही बच्चों को मन लगाकर विद्या ग्रहण करने की सलाह दी। ळछट मेले में सर्वश्रेष्ठ निर्माण हेतु प्रथम स्थान मध्य विद्यालय पकठौल के प्रधानाध्यापक श्री कृष्ण देव पंडित को प्रदान किया गया , द्वितीय स्थान उच्च माध्यमिक विद्यालय किरतौल वही तृतीय पुरस्कार प्रा० विद्यालय मंसुरीटोल के शिक्षक में प्राप्त किया। वही इस दौरान उच्च माध्यमिक विद्यालय पकठौल के प्रधानाध्यापक श्री कृष्ण देव पंडित ने अपने संबोधन में कहा. कि इन मॉडलों की सहायता से शिक्षक-शिक्षिकाएं अपने विषय को रुचिकर और प्रभावी तरीके से समझाते हैं. मालूम हो कि संकुल के अंतर्गत आने वाले विद्यालयों की सहभागिता रही. इस मेले में विद्यालयों के छात्रों, छात्राओं, शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया. इस कार्यक्रम में गणित और विज्ञान के विभिन्न विषयों पर छात्र-छात्राओं के साथ-साथ शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं द्वारा कई उत्कृष्ट प्रस्तुतियां दी गई. इस दौरान उपस्थित शिक्षक शिक्षिका, कविता कुमारी, शशि भूषण सिंह, सरिता कुमारी, सरवर आलम, स्वीटी कुमारी, सुप्रिया, सविता सहित अन्य शिक्षक शिक्षिका मौजूद थे।

गढ़पुरा की कुसुम कुमारी बनीं प्रखंड कृषि पदाधिकारी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
चंद्रकिशोर पासवान

■ पति के सहयोग से हासिल की बड़ी सफलता

गिढ़पुरा प्रखंड के कोरैय गांव की कुसुम कुमारी ने बीपीएससी द्वारा आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा में उत्तीर्ण होकर प्रखंड कृषि पदाधिकारी का पद हासिल किया है। उनकी इस ऐतिहासिक सफलता से गांव और पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है।

बताते चलें कि कुसुम कुमारी के पति अभिषेक कुमार, जो अधिवक्ता अरविंद सिंह के पुत्र हैं, ने उनकी सफलता में विशेष भूमिका निभाई है। कुसुम ने नैनी कृषि विश्वविद्यालय इलाहाबाद से एमएससी (कृषि) की पढ़ाई पूरी करने के बाद बिहार सरकार के कृषि विभाग में कटिहार जिले में कृषि समन्वयक के पद पर वर्तमान में कार्यरत हैं। इस दौरान उनके पति ने न केवल उन्हें प्रोत्साहित किया, बल्कि हर कदम पर उनका मार्गदर्शन और साथ दिया।कुसुम ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पति अभिषेक कुमार को देते हुए कहा, ह्लउनके विश्वास और समर्थन के बिना यह उपलब्धि संभव नहीं थी। पढ़ाई और नौकरी के बीच संतुलन बनाने में उन्होंने हमेशा मेरा साथ दिया और मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

अभिषेक कुमार ने कहा, ह्लकुसुम की मेहनत, समर्पण और लगन ने आज यह दिन दिखाया है। मैं उनके इस प्रयास का गवाह बनकर गर्व महसूस कर रहा हूं।

कुसुम की इस सफलता पर परिवार में ससुर अरविंद कुमार सिंह, सासु राजकुमारी व गांव के लोगों ने मिठाई बांटकर अपनी खुशी व्यक्त की। उनकी कहानी हर महिला के लिए प्रेरणा है कि सही सहयोग और मेहनत से हर चुनौती को पार किया जा सकता है।

गायब बालक का 16 दिन बाद मिला गर्दन से अलग शव, जांच में जुटी पुलिस,

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

■ बालक बचपन से अपने नाना के यहां रहता था

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर प्रखंड के हाँसा पंचायत के वार्ड संख्या 10 कोइरी टोल स्थित तोड़ी के खेत में बालक का लाश मिलने से फैली सनसनी देखने के लिए उमड़ी स्थानीय लोगों की भीड़। बालक की पहचान हांसा पंचायत के महाराजगंज (नागरबस्ती) वार्ड संख्या 04 निवासी मो सफीक का सात वर्षीय नाती मो सलमान के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार मो सलमान गत 11 जनवरी 2025 से गायब था। मंगलवार को हांसा पंचायत के वार्ड संख्या 10 स्थित कोइरी टोल के तोड़ी खेत से बच्चे का दो हिस्से में शव बरामद किया गया है। बताते चले की आज तोड़ी खेत से सटे आलू के खेत में जब मजदूर कमौनी कर रहा था तभी उन लोगों को बदबू महसूस हुआ और इस बात की जानकारी लोगों को दी। इतने में बालक का नाना मो सफीक पहुंचे तो वह अपने नाती मो सलमान के रूप में पहचान की। उन्होंने बताया कि सलमान बचपन से ही मेरे यहां रहता था। किसी ने इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी, जानकारी मिलते ही मथुरापुर थाना के थाना अध्यक्ष मुकेश कुमार एवं वारिसनगर थाना अध्यक्ष निरंजन कुमार अपने टीम के साथ पहुंचे और जांच पड़ताल में पहुंच गये। पूछे जाने पर मृतक के नाना ने बताया कि मेरे नाती को किसी ने गर्दन गाटकर हत्या कर दिया है। इधर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल करते हुए शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर भेज दिया। वही बच्चे का शव मिलने पर परिजनों का रो रोकर हाल बुरा बना हुआ है।

सदर प्रखंड बेगूसराय के बागवाड़ा क्षेत्र के डायनामिक पब्लिक स्कूल में 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाया गया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
साहिल अंसारी

बेगूसराय सदर प्रखंड बेगूसराय के बागवाड़ा क्षेत्र के डायनामिक पब्लिक स्कूल में 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाया गया। जिसकी अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य कौशल कुमार सिंह ने की संचालन डायरेक्टर अफजल अली ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में ध्वजारोहण अंजुमन तरक्की उर्दू जिला बेगूसराय के महासचिव सह अंजुमन तरक्की उर्दू बिहार के संयुक्त सचिव सह सेंट मुंगेर बिहार मुंगेर के सदस्य श्री हाफि ज मो॰ रुहुल्लाह के शुभ हाथों से हुआ। संबोधित करते हुए स्कूल के प्रबंध निदेशक हाफि ज व कारी मो॰ नेहाल उद्दीन ईशाअती के सामाजिक सेवाओं की सराहना की और कहा कि यह विद्यालय गंगा-जमनी सभ्यता का नमूना है। उन्होंने घोषणा की कि वे बच्चों की शिक्षा के लिए यथासंभव मदद करेंगे। प्रबंध निदेशक श्री ईशाअती ने विशिष्ट अतिथि का माल्यार्पण कर स्वागत करते हुए उनका आभार व्यक्त किया तथा कहा कि गणतंत्र दिवस भारत के इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय है, जो प्रत्येक वर्ष 26 जनवरी को मनाया जाता है। यह दिन उस ऐतिहासिक अवसर की याद दिलाता है जब 1950 में भारत का संविधान लागू हुआ और देश एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में स्थापित हुआ। भारत को 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता मिली, लेकिन तब तक देश का कोई स्थायी संविधान नहीं था। स्वतंत्रता के बाद, देश के नेतृत्व ने भारत को एक मजबूत लोकतांत्रिक आधार प्रदान करने के लिए एक व्यापक संविधान का मसौदा तैयार करने का निर्णय लिया।

संविधान सभा ने 26 नवम्बर 1949 को भारत के संविधान को अपनाया और इसे औपचारिक रूप से 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के रूप में चुनने के पीछे एक ऐतिहासिक कारण भी था। वास्तव में, 1930 में इसी दिन भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अपने लाहौर अधिवेशन में "पुरी स्वराज" (पूर्ण स्वतंत्रता) की घोषणा की थी। इस दिन को भारत की राष्ट्रीय भावना को उजागर करने के लिए एक यादगार दिन के रूप में चुना गया था। गणतंत्र दिवस के कार्यान्वयन के साथ, भारत ने भारत सरकार अधिनियम 1935 को निरस्त कर दिया और अपना स्वयं का संविधान अपनाया, जिसे डॉ. बी. आर. अंबेडकर के नेतृत्व में तैयार किया गया था। इस संविधान ने भारत को एक गणतंत्र बनाने के साथ-साथ सभी नागरिकों को समानता, स्वतंत्रता और न्याय की गारंटी दी। यह दिन हमें याद दिलाता है कि भारत के लोगों ने अपनी सरकार चुनने का अधिकार हासिल किया और देश को लोकतांत्रिक रास्ते पर आगे बढ़ाया। हर साल गणतंत्र दिवस के अवसर पर दिल्ली के राजपथ पर भव्य समारोह आयोजित किया जाता है, जहाँ भारत की सांस्कृतिक और सैन्य शक्ति का प्रदर्शन किया जाता है। इस दिन को मनाने के लिए विभिन्न राज्यों की झांकियां, सैन्य परेड और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाते हैं। गणराज्य का राष्ट्रपति राष्ट्रीय ध्वज फहराता है और राष्ट्र को अपना संदेश देता है। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले लोगों को पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।

गरीब लोगों को दिया गया कम्बाल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

अमृता कुमारी के द्वारा जरूरत मंदों और वृद्ध लोगों के बीच कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया, ताकि वे ठंड के मौसम में अपने आपको ठंड से बचा सके। कंबल विचरण कार्यक्रम के दौरान अमृता कुमारी ने कहा कि हमारा उद्देश्य जरूरतमंद लोगों की मदद करना है

समस्तीपुर। 76 वें गणतंत्र दिवस के शुभअवसर पर पूसा प्रखंड के धर्मागतपुर बथुआ निवासी सर्वोदय उच्च विद्यालय वैनी पूसा समस्तीपुर की शिक्षिका सह प्रगति आदर्श सेवा केन्द्र दूधपुरा समस्तीपुर की संरक्षक सुश्री अमृता कुमारी के द्वारा जरूरत मंदों और वृद्ध लोगों के बीच कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया, ताकि वे ठंड के मौसम में अपने आपको ठंड से बचा सके। कंबल विचरण कार्यक्रम के दौरान अमृता कुमारी ने कहा कि हमारा उद्देश्य जरूरतमंद लोगों की मदद करना है और समाज के लोगों को अपनी क्षमता के अनुसार लोगों को मदद करने के लिए प्रेरित करना है। जरूरतमंद लोगों की मदद से बढ़कर दूसरा कोई पुण्य का कार्य नहीं है जिन लोगों के बीच कंबल वितरण किया गया उनलोगो की भावना को व्यक्त नहीं किया जा सकता सबके चेहरे पर खुशी झलक रही थी। मौके पर अनिल कुमार झा, अभय कुमार, जयकृष्ण कुमार, श्वेता कुमारी, कपूरी कुमार, मो रजी, कुंदन कुमार, संजय कुमार आदि मौजूद थे।

महादलित टोलो में गणतंत्र दिवस पर झंडोतोलन करते महादलित और प्रतिनियुक्त शिक्षक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सिवान महाराजगंज, दुरौंधा 26 जनवरी रविवार। बिहार सरकार के निदेर्शानुसार महादलित टोलो में झंडोतोलन हर्षौल्लास वातावरण में किया गया। जहां प्रत्येक विद्यालय के पोषक क्षेत्र में विद्यालय के शिक्षकों की झंडोतोलन हेतु महादलित टोले में प्रतिनियुक्ति की गई थी। जहां रमसा पुर पंचायत में अलग अलग महादलित टोले में प्रखण्ड विकाश पदाधिकारी श्री सूर्य प्रताप सिंह सेंगर द्वारा शिक्षकों की तैनाती की गई थी। जहां सवान विग्रह सती स्थान में शिक्षक दुर्गेश कुमार के नेतृत्व में रामचंद्र राम ने झंडोतोलन किया तो वहीं अनुसूचित जाति टोला मे शिक्षक मोहम्मद आरिफ के नेतृत्व में इंद्रासन राम ने झंडोतोलन किया।

मधुबनी जिला पदाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा के निर्देश के आलोक में 10 जनवरी 2025 से 31 मार्च तक बाल श्रम के विरुद्ध लगातार आम जनमानस के बीच जन जागरूकता

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला पदाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा के निर्देश के आलोक में 10 जनवरी 2025 से 31 मार्च तक बाल श्रम के विरुद्ध लगातार आम जनमानस के बीच जन जागरूकता एवं समाज के प्रत्येक वर्ग को बाल श्रम के विरुद्ध सजगता एवं धावा दल के द्वारा बाल श्रमिकों की विमुक्ति हेतु मधुबनी सदर के विभिन्न दुकानों एवं प्रतिष्ठानों में सघन निरीक्षण एवं व्यापक प्रचार प्रसार किए जाने का निर्देश दिया गया है।

इसी क्रम मे आज दिनांक-28.01.2025 को श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी रहिका, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी खजौली एवं श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, हरलखी के नेतृत्व में मधुबनी सदर में बाल श्रमिकों की विमुक्ति हेतु जिला पदाधिकारी, मधुबनी के निदेर्शानुसार धावा दल के द्वारा विभिन्न दुकानों एवं प्रतिष्ठानों में सघन जांच अभियान चलाया गया तथा निरीक्षण के क्रम में आरिफ साईकिल गैरेज से 01, न्यू पूजा स्टोर्स से 01 एवम जय गुरुदेव वैष्णव होटल, से एक 01 अर्थात कुल 03 (तीन) बाल श्रमिक को विमुक्त कराया गया ।

विमुक्त बाल श्रमिक को बाल कल्याण समिति, मधुबनी के समक्ष उपस्थापित कर निदेर्शानुसार उन्हें बाल गृह में रखा गया है ।

बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986 के तहत नियोजक के विरुद्ध संबंधित थाने में प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है ।

श्रम अधीक्षक आशुतोष झा ने बताया कि बाल श्रमिकों से किसी भी दुकान या प्रतिष्ठान में कार्य कराना बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986 के अंतर्गत गैरकानूनी है तथा बाल श्रमिकों से कार्य कराने वाले व्यक्तियों को ?20000 से ?50000 तक का जुमार्ना और 2 वर्षों तक के कारावास का प्रावधान है ।इसके अतिरिक्त माननीय सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा एम सी मेहता बनाम तमिलनाडु सरकार 1996 में दिए गए आदेश के आलोक में नियोजकों से ?20000 प्रति बाल श्रमिक की दर से अलग से राशि की वसूली की जाएगी जो जिलाधिकारी के पदनाम से संधारित जिला बाल श्रमिक पुनर्वास सह कल्याण कोष में जमा किया जाएगा ।इस राशि को जमा नहीं कराने वाले नियोजक के विरुद्ध एक सर्टिफिकेट केस या नीलाम पत्र वाद अलग से दायर किया जाएगा ।

आज की इस धावा दल टीम के सदस्य के रूप में गोविंद कुमार श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, रहिका, हितेश कुमार भार्गव श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी खजौली, सिद्धार्थ कुमार, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, हरलाखी, हरी प्रसाद, सर्वो प्रयास संस्था के प्रतिनिधि, जितेंद्र कुमार ग्राम विकास युवा ट्रस्ट के प्रतिनिधि एवं पुलिस लाईन से पुलिस टीम शामिल थे ।

धावा दल की टीम के द्वारा आज मधुबनी सदर के विभिन्न क्षेत्रों में सभी दुकान एवं प्रतिष्ठान में सघन जांच की गई तथा सभी नियोजको से किसी भी बाल श्रमिक को नियोजित नहीं करने हेतु एक शपथ पत्र भरवाया गया ।

श्रम अधीक्षक के द्वारा बताया गया कि धावा दल नियमित रूप से 30 मार्च 2025 तक प्रत्येक दिन संचालित होगा तथा जिला के सभी प्रखंड एवम नगर निकायों क्षेत्रों में बाल श्रमिकों को नियोजित करने वाले नियोजकों के विरूद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी

डीएम ने कदाचार मुक्त एवं शांतिपूर्ण परीक्षा के लिए दिए सख्त निर्देश

मो. सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ी: डीएम रिची पांडेय के द्वारा बिहार विद्यालय परीक्षा समिति पटना द्वारा आयोजित इंटरमीडिएट वार्षिक परीक्षा- 2025 के सफल संचालन हेतु स्थानीय परिचर्चा भवन में स्टैटिक दंडाधिकारियों/पुलिस पदाधिकारियों,गश्ती–सह–उड़नदस्ता दंडाधिकारी, जोनल एवं सुपर जोनल दंडाधिकारियों व पुलिस अधिकारियों की ब्रीफिंग की गई। शांतिपूर्ण एवं कदाचार मुक्त परीक्षा को लेकर एवं विधि व्यवस्था संधारण के मद्देनजर कुल 93 स्टैटिक दंडाधिकारी ,32 उड़नदस्ता दंडाधिकारी के साथ पर्याप्त संख्या में सुपर जोनल एवं जोनल दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है। साथ ही आवश्यकता अनुसार पर्याप्त संख्या में पुलिस बलों की भी तैनाती की गई है।

जिलाधिकारी ने प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि परीक्षा में कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। किसी भी तरह की गड़बड़ी पर तैनात केंद्रधीक्षक, वीक्षक, मजिस्ट्रेट के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने परीक्षा के सफल,

कदाचारमुक्त एवं शांतिपूर्ण संचालन हेतु उपस्थित पुलिस पदाधिकारियों एवं दण्डाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया। उन्होंने परीक्षा के दौरान जिला प्रशासन को अलर्ट रहने का निर्देश दिया। परीक्षा केंद्र के आसपास 144 धारा लागू रहेगा। परीक्षा केंद्र के आसपास के फोटो स्टेट की दुकानें, साइबर कैफे ,चाय -पान, किताब आदि की दुकान पूर्णता बंद रहेंगे। परीक्षा केंद्रों की सीसीटीवी कैमरे से निगरानी की जाएगी। वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी। परीक्षा केंद्रों के प्रवेश द्वार पर ही सख्त जांच की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया। परीक्षा केंद्र के मुख्य द्वार के साथ-साथ परीक्षा केंद्र के अंदर कड़ी निगरानी का उन्होंने निर्देश दिया। उक्त परीक्षा का आयोजन जिले के 61

परीक्षा केंद्रों पर दिनांक 01 फरवरी 2025 से प्रारंभ होकर 15-2- 2025 तक दो पालियों में यथा- प्रथम पाली 9:30 बजे पूर्वाह्न से 12:45 बजे अपराह्न तक तथा द्वितीय पाली 2:00 बजे अपराह्न से 5:15 बजे अपराह्न तक चलेगी। जिला नियंत्रण कक्ष जिला स्तर पर जिला नियंत्रण कक्ष जिला आपदा प्रबंधन कार्यालय सीतामढ़ी में स्थापित की गई है जिसका दूरभाष संख्या- 06226 -250316 ,06226-250317 है। नियंत्रण कक्ष 01 फरवरी 2025 से 15 फरवरी 2025तक कार्यरत रहेगा। किसी भी परीक्षार्थी के पास मोबाइल और किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक गैजट पाया जाता है तो संबंधित वीक्षकों /पदाधिकारियों पर जवाबदेही तय की जाएगी।

यातायात प्रबन्धन सुदृढ़ यातायात प्रबंधन के लिए संबंधित अनुमंडल पर अधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस अधिकारी को जिम्मेदारी दी गई है पूरी गंभीरता के साथ अपने दायित्वों का निर्वाहन करेंगे।

प्रथम पाली के परीक्षार्थी को परीक्षा प्रारंभ होने के समय पूर्वाह्न 9:30 बजे से 30 मिनट पूर्व अर्थात पूर्वाह्न 9:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली के परीक्षार्थी को द्वितीय पाली के परीक्षा प्रारंभ होने के समय अपराह्न 2:00 बजे से 30 मिनट पूर्व अर्थात 01:30 बजे तक ही परीक्षा भवन में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी।विलंब से आने वाले परीक्षार्थी को परीक्षा भवन में प्रवेश की अनुमति नहीं मिलेगी। निर्देश दिया गया कि सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारी स-समय निर्धारित स्थान पर पहुंचकर जिला नियंत्रण कक्ष को सूचित करेंगे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि परीक्षा के सफल आयोजन के लिए दिए गए निदेर्शों के अनुसार कार्य करनाअत्यंत महत्वपूर्ण होगा। कहा कि इंटरमीडिएट परीक्षा- 2025 के सफल आयोजन के मद्देनजर पूरी गंभीरता से अपने दायित्वों का निर्वहन करें। किसी भी सूरत में शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। किसी भी परिस्थिति में परीक्षा केंद्र से 200 मीटर की परिधि में कोई अनाधिकृत व्यक्ति नहीं रहेगा ।यदि किसी व्यक्ति द्वारा इसका उल्लंघन किया जाता है तो उन्हें गिरफ्तार कर उन पर आर्थिक दंड लगाया जाएगा। परीक्षा केंद्र के 200 मीटर के परिधि में फोटो स्टेट, चाय -पान दुकान, किताब की दुकान, परीक्षा के दौरान बंद रहेगी। दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए डीएम ने कहा कि कि वे एक दूसरे से समन्वय बनाकर रखेंगे। किसी भी तरह की लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि अफवाह फैलाने वाले असामाजिक तत्वों को चिन्हित करते हुए विधि सम्मत कठोर कार्रवाई करना सुनिश्चित करें।

संक्षिप्त डायरी

चलो आज एक पागल की कहानी सुनाता हूं....

एक लड़का था जो इक लड़की से बेइंतहा मोहब्बत करता था, उसने जब उसको पहली बार देखा था तभी वो उसके दिल मे बस गयी थी,, बेचारा बहुत भोला था इश्क से बहुत डरता था, इसिलए उसने कभी उस लड़की से अपने दिल की बात नही कही,, 2-4 महीने गुजर गये उसके पास ना लड़की के नम्बर थे ना ही देखने की जगह, याद था तो सिर्फ उसका नाम उसकी एक फोटो, एक दिन अखबार में उसकी फोटो देख ली थी क्योंकि वो पढ़ाई में बहुत होशियार थी, उसने उस फोटो को अखबार से निकाल कर अपने पर्स में रख ली थी,, ओर उसे देख देख के पागलों की तरह मुस्कुराने लगा... अचानक उसको एक प्रोग्राम में जाना पड़ा ओर उस प्रोग्राम में वो लड़की भी आने वाली थी,, जब उसे ये बात पता चली तो उसकी खुशी का ठिकाना नही रहा वो ऐसे तैयार हो रहा था जैसे शादी में जा रहा हो,, वो उस प्रोग्राम के लिये सोचता हुआ निकल पड़ा लेकिन जिस बस में उसे जाना था वो भी उसी में आ गयी, उसे देखते ही वो तो घबराने लगा,

उसकी आंखों में अजब खुमार छाने लगा..

वो तो उसे टकटकी लगाकर देखता ही रह गया,

फिर वो पागलो की तरह गीत गाने लगा...

उसकी तो बात करने की हिम्मत भी नही हुई, वो उस प्रोग्राम में उस लड़की के साथ शाम तक रहा पर बस देखता ही रहा उसने कोई बात नही की,, थोड़ी बहुत बात जरूर हो गयी थी क्योंकि सब बच्चे साथ बैठे थे, ओर उनके साथ वो भी बैठ गया उसके सामने तो बोल भी नी पा रहा था,, उस लड़की ने अपनी ममी को उस लड़के के मोबाईल से फोन किया तो लड़के के नम्बर उसके पास चले गये,, शाम को उसका मेसज आया,, लड़का पहचान नही पाया.. उस लड़की ने बात की शुरूआत की, धीरे धीरे दोनों की बाते होने लगी, दोनों आपस मे खोने लगे,, अब वो दोनों खास दोस्त बन गये थे,, दोस्त बनने में उसे ज्यादा समय ना लगा,, वो चाहता तो उसे प्रपोज कर सकता था और वो भी हां बोल देती,, पर मोहब्बत में होता हे बहुत दर्द इसका उसे अंदाजा था,, इसलिए उसने कभी उसे अपने दिल की बात नही बताई,, एक साल निकल गया था वो सिर्फ उसे अपना दोस्त मानती थी और वो लड़का उसे अपनी जिंदगी समझ बैठा था.. एक बार दोनों की मुलाकात हुई.. अच्छे से बात हुई.. जब लड़का गया तो उस लड़की ने उसकी आंखों में प्यार देख लिया.. ओर उस लड़की ने ही उस लड़के को प्रपोज कर दिया पर दोनों का अंदाज अलग था उस वक़्त दोनों ने प्यार के वो तीन शब्द भी नही बोले इशारो में एक दूसरे को समझा दिया था,, लड़के को दर्द का अंदाजा पहले से था पर उस वक़्त वो सब भूल गया था,, दोनों एक दूसरे को अपनी जान से भी ज्यादा चाहने लगे थे.. उस लड़के के भी आंखों में उस लड़की के लिये प्यार और इज्जत थी तो लड़की भी लड़के से प्रेम में पागल थी.. उन दोनों में लड़ाई भी बहुत होती और प्यार में मिठास भी बहुत थी.. उन दोनों के सपने अब एक से दिखने लगे थे, जब ये प्रेम होता हे तो लोग वर्तमान को भूल ही जाते है और भविष्य सोचने लगते है,, लेकिन प्रकृति के नियमो को कौन भूल सकता है.. प्यार के एक दो साल बाद ही इक मोड़ ऐसा आया जो दोनों की जिंदगी में तूफान ले आया... लड़के को तो पहले से अंदाजा ऐसा कुछ जरूर होगा अभी वो लड़का बहुत छोटा था और पढ़ाई भी पूरी नही हुई थी,, ओर वो इस तूफान से जा भीड़ा,, इक दिन लड़की ने गुस्से में आकर उस लड़के को सुना दिया कि वो कैसे रहेगी उसके साथ,ओर रूठ के बैठ गयी.....!!

लड़का जानता था वो गुस्से में थी गुस्सा ठंडा होगा तो समझेगी.. पर उस रात वो लड़का बहुत परेशां रहा,, उसको पता था अभी तो वो सम्भाल लेगा पर आगे जब ऐसा कुछ हुआ तो क्या करेगा....; उस रात हार कर उसने मरने की तो सोची पर वो उस लड़की को अकेला नही छोड़ सकता था,, उस रात उसने एक पैगाम उस लड़की के नाम लिखा,, ये सोचते हुए की वो भविष्य में उसकी मदद करेगा,, ये वो खत था जो उस लड़के की जिंदगी में एक कलंक का काम करने वाला था,,, उसने अपनी परवाह ना करते हुए कलेजे पे पथ्थर रख के लिखा जब लिखने लगा तो उसे ऐसा लगा जैसे तलवार पे चल रहा हे और कोई उसे कोड़े मार रहा है... फिर भी उसने एक बेहद खतरनाक झूठ को अपने खून की स्याही से लिखा,, उस खत में उसने उस लड़की के इज्जत पे वार किया था और उसे दिलों का सौदागर कहा था,, जो लड़का जिसे अपनी जिंदगी कहता आज उसने उसे ये सब क्यों कहा होगा,, ये किसी ने नही सोचा.. जब उस लड़की ने ये सब पड़ा होगा तो उस पे क्या बीतेगी लड़के को इस बात का अंदाजा था जैसे लड़के ने सोचा वैसा ही हुआ अब वो लड़की उससे नफरत करने लगी थी,, उस लड़के की अब कोई इज्जत नही रही थी.. ये सब करके वो लड़की की नजरों में नही खुद की नजरों में गिर गया था,,, हां वो लड़का उस लड़की को जिंदगी जीना सिखाना चाहता था,,क्योकि वो लड़की बहुत कमजोर थी,, आज वो इतनी मजबूत हे कि वो लड़का उसके सामने आ जाये तो उसे मारने में भी नही हिचकिचाये... वो सोचता था बाद में भी ऐसे हालात हो सकते हे कि दोनों को इक दूजे से अलग होना पड़े,, ऐसा होता तो शायद दोनों ही जी नही पाते.. पर हालात ऐसे होते उससे पहले उस लड़के ने ऐसे हालात खड़े कर दिये ताकि वो उस लड़की को उन सबसे लड़ने की शक्ति दे सके,,,, हो सकता हे उसकी सोच गलत हो, उसका तरीका भी गलत हो पर उसने वो सब किया... ओर अब वो लड़की कहती हे कि वो लड़का उसे नही समझता,, उसे क्या पता,, ये सब सुनकर भी लड़का खामोश रह जाता है.....।

अब वो लड़का उसे पाने के लिये वो सब कर रहा हे जो वो कर सकता है और अब उसने फैसला रब ओर किस्मत पे छोड़ दिया है...

प्यार में हार उसने अब तक भी नही मानी है,,
लड़ रहा हे अकेले ही खुद्दारी उसकी पुरानी है...
जीत होगी उसकी, विश्वास की ये निशानी है,,
जिन्दगी से लड़ रहा जंग उस पागल की ये कहानी है...।।

** लेखक गुमनाम आशिक **

कोर्ट ने सुनाया अभियुक्त राजू कुमार को पांच साल की सजा, एक लाख अर्थ दंड

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। विशेष न्यायाधीश उत्पाद संजय कुमार ने मंगलवार को सुनवाई करते हुए उत्पाद वाद संख्या 227/2021 के अभियुक्त राजू कुमार पिता उमेश साह साकिन मंगलगढ़ वार्ड संख्या 04 थाना हसनपुर जिला समस्तीपुर निवासी को धारा 30 (ए) बिहार मध निषेध अधिनियम 2016 के अंतर्गत दोषी पाते हुए अभियुक्त को पांच साल की सश्रम कारावास एवं एक लाख रुपया जुमार्ना की सजा सुनाई गई। कोर्ट ने बताया कि जुमार्ना की राशि नहीं देने पर छः माह का अतिरिक्त साधारण सजा भुगतनी पड़ेगी। बताया जाता है कि दिनांक 11 अगस्त 2021 को 2 : 30 बजे अपराहण ग्राम मंगलगढ़ वार्ड संख्या 04, थाना हसनपुर, जिला समस्तीपुर स्थित अभियुक्त के कब्जे वाले घर के अंदर बने पक्के सीढ़ी के नीचे से 7.65 लीटर अवैध विदेशी शराब एवं एक लीटर अवैध बियर छापामारी टीम द्वारा बरामद करते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। अभियोजन पक्ष की ओर से उत्पाद विभाग के अधिवक्ता पंकज कुमार ने बहस किया वहीं बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता ठाकुर विक्रम सिंह ने बहस किया परंतु उन्हें सफलता नहीं मिली और अभियुक्त को जेल जाना पड़ा।

देश के संविधान में हमें समानता का अधिकार दिया गया है: सदरे आलम नौमानी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

अबरार नौमानी सीतामढ़ी गणतंत्र दिवस के अवसर पर जामिया नौमानी मिसबाहुल उलूम हरपुरवा आलम नगर बाजपट्टी सीतामढ़ी में झंडा फहराने के बाद उलमा बोर्ड हिंद के अध्यक्ष मौलाना मुहम्मद सदरे आलम नौमानी ने कहा कि आज हम सभी 76वां गणतंत्र दिवस मना रहे हैं।. हमारा देश 15 अगस्त 1947 को आजाद हुआ और फिर 26 जनवरी 1950 को हमारे देश में लोकतंत्र लागू हुआ और

हमें पूर्ण रूप से अपना कानून मिला. इस देश को आजाद कराने में देश के प्रमुख राजनीतिक नेताओं ने अहम भूमिका निभाई, यही कारण है कि देश को आजाद कराने में कई हजार उलेमाओं को फांसी पर चढ़ना पड़ा और इस देश के लिए अपनी जान गंवानी पड़ी इस अवसार पर शिरकत कर ने वालों में मुहम्मद बशीर अहमद, मदरसा के सचिव के इलावा अबरारुल हक नौमानी, शब्बीर अहमद, इफ्तिखार अहमद, इरशाद अहमद, मुहम्मद अरशद आदि उल्लेखनीय हैं।

अचानक आई बाढ़ में फंसे 9 सैलानी

बगहा। वाल्मीकि नगर में सोमवार को अचानक आई बारिश से 9 लोगों से भरी बोलेरो नदी में फंस गई। घटना के बाद अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि एसएसबी 21वीं वाहिनी एफ कंपनी के जवानों ने कार्रवाई करते हुए सभी को बचा लिया। घटना वाल्मीकिनगर के सोनहा नदी की। घटना तब हुई जब महाराजगंज और निचलौल (उत्तर प्रदेश) से आए सैलानी वाल्मीकि आश्रम से दर्शन कर लौट रहे थे। 9 सैलानी (5 पुरुष और 4 महिला) बोलेरो में सवार होकर वाल्मीकि आश्रम के दर्शन के बाद वापस जा रहे थे। अचानक सोनहा नदी का जलस्तर

बढ़ जाने के कारण उनका वाहन पानी की तेज धार में फंस गया और बहने लगा। इस पर सवार सैलानियों ने घबराकर मदद की गुहार लगाई। सैलानियों की चीख-पुकार सुनकर एफ कंपनी वाल्मीकि आश्रम कैंप के जवान और अधिकारी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। रेस्क्यू टीम में प्रमुख रूप से चंद्रमणि मिताई, सहायक उपनिरीक्षक जीतू कुमार, सोनवाल, मुख्य आरक्षी पुरन चंद, अतुल कुमार, आरक्षी रंजीत किशन, हरिओम कुमार और मंदीप सिंह शामिल थे। इन जवानों ने साहसिकता दिखाते हुए सभी सैलानियों को सुरक्षित बाहर निकाला और उनका वाहन भी बहने से बचाया। रेस्क्यू के बाद सैलानियों ने एसएसबी जवानों का धन्यवाद दिया। बता दें कि पहाड़ों पर अचानक जब बारिश शुरू होती है तो इस तरह की स्थिति बन जाती है ऐसे में कई दफा बड़े हाथ से भी हो चुके हैं लेकिन कई दफा गाड़ियों तक ही ऐसी घटनाएं घटित होकर रह जाती हैं।

गरीब लोगों को दिया गया कम्बल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। 76 वें गणतंत्र दिवस के शुभअवसर पर पूसा प्रखंड के धर्मागतपुर बथुआ निवासी सर्वोदय उच्च विद्यालय वैनी पूसा समस्तीपुर की शिक्षिका सह प्रगति आदर्श सेवा केन्द्र दूधपुरा समस्तीपुर की संरक्षक सुश्री अमृता कुमारी के द्वारा जरूरत मंदों और वृद्ध लोगों के बीच कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया, ताकि वे ठंड के मौसम में अपने आपको ठंड से बचा सके। कंबल विचरण कार्यक्रम के दौरान अमृता

कुमारी ने कहा कि हमारा उद्देश्य जरूरतमंद लोगों की मदद करना है और समाज के लोगों को अपनी क्षमता के अनुसार लोगों को मदद करने के लिए प्रेरित करना है। जरूरतमंद लोगों की मदद से बढ़कर दूसरा कोई पुण्य का कार्य नहीं है जिन लोगों के बीच कंबल वितरण किया गया उनलोगो की भावना को व्यक्त नहीं किया जा सकता सबके चेहरे पर खुशी झलक रही थी। मौके पर अनिल कुमार झा, अभय कुमार, जयकृष्ण कुमार, श्वेता कुमारी, कपूरी कुमार, मो रजी, कुंदन कुमार, संजय कुमार आदि मौजूद थे।

मोतिहारी-मधेपुरा में हल्की बारिश, 26 जिलों में अलर्ट अब तक सामान्य से 25% कम बर्षा

बिहार। में कई दिनों से उमस भरी गर्मी से लोग परेशान थे। अब लोगो को उमस भरी गर्मी से राहत मिलेगी। मौसम विज्ञान केंद्र ने आज प्रदेश के 26 जिलों में हल्की बारिश का अलर्ट जारी किया है। मोतिहारी और मधेपुरा में सोमवार सुबह हल्की बारिश हुई। वहीं रक्सौल मे काले बादल छाए हैं। इसके अलावा बगहा में भी सोमवार को तेज बारिश हुई। बारिश के बाद अचानक आई बाढ़ में 9 सैलानी फंस गए। हालांकि, एसएसबी ने सभी का सफल रेस्क्यू कर लिया है। ये सभी त्रिवेणी संगम पर स्नान करने के बाद वाल्मीकि आश्रम से दर्शन कर लौट रहे थे। बंगाल की खाड़ी में कम दबाव बना है तो पूर्वी बिहार पर एक साइक्लोनिक सकुर्लेशन बना हुआ है। इन दोनों कारणों से बिहार में मानसून की रफ्तार कुछ तेज होने के आसार हैं। बिहार में अब तक 25 फीसदी और पटना में 45 फीसदी कम बारिश हुई है। अगले दो से तीन दिनों में मानसून के एक्टिव होने की संभावना है। रविवार को हल्की बारिश हुई। दोपहर में 2.4 एमएम बारिश हुई जिससे उमस भरी गर्मी से कुछ राहत मिली।

सिवान में अपराधियों ने छीने युवक से बाइक, मोबाइल और नगद कैश

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सिवान दुरौंधा 28 जनवरी मंगलवार। दुरौंधा थाना क्षेत्र के छपरा सिवान मुख्य मार्ग पर ढोलकिया पुल पर संध्या 5:30 बजे अपराधियों ने बगौरा निवासी धनंजय पाठक को बाइक पर सवार तीन अपराधियों ने ओवरटेक कर बाइक और नगद कैश दस हजार रुपए और मोबाइल लूट कर आसानी से दुरौंधा बाजार के तरफ फराह हो गए। वही पीड़ित युवक के द्वारा 112 पर और दुरौंधा थाना को सूचना दी गई जहां दुरौंधा थाना प्रभारी श्री छोटन कुमार अपने दल बल के साथ अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए सघन जांच अभियान शुरू कर दी गई है। वही पीड़ित धनंजय पाठक ने बताया की मैं प्रतिदिन इसी रास्ते से अपने घर बगौरा जाता हूं जो आज घर जाने के क्रम में अपराधियों ने मेरे साथ ऐसी घटना को अंजाम दिया है ।

समस्तीपुर में सड़क पर दौड़ाकर युवक को मारी 5 गोली मौत

में बदमाशों ने बाइक सवार एक युवक को दौड़ाकर गोली मार दी। युवक को पांच गोली मारी गई है, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना दलसिंहसराय थाना क्षेत्र के SH-88 की है। मृतक की पहचान उजियारपुर थाना क्षेत्र के पचपाई गांव निवासी विनोद महतो (40) के रूप में हुई है। विनोद 26 नवंबर की रात उजियारपुर के पचपैका गांव में सौतेले भतीजे सोनू कुमार (21) की गोली मारकर हुई हत्या मामले में मुख्य आरोपी था। तीन कट्ठा जमीन को लेकर दोनों के बीच विवाद था। घटना के संबंध में बताया गया है कि विनोद अकेलेअपनी बाइक से दलसिंहसराय कोर्ट जा रहा था। इसी दौरान डैनी गांव के पास पहले से घात लगाए बदमाशों ने उसे घेर लिया। विनोद अपनी बाइक छोड़कर भागने लगा। इसके बाद बदमाशों ने उसे खदेड़ना शुरू किया। फिर पीछे से एक के बाद एक पांच गोलियां मारीं। बदमाशों ने 8 राउंड फायरिंग की। विनोद के सीने और पेट में 5 गोली लगी है। घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश वहां से फरार हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उसे दलसिंहसराय अनुमंडलीय अस्पताल ले जाएगा, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया गया। उजियारपुर थाना क्षेत्र के पचपैका गांव में 26 नवंबर

2023 की शाम गांव के ही धनेश्वर प्रसाद महतो के बेटे सोनू कुमार महतो की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड में विनोद महतो समेत तीन लोगों को आरोपी बनाया गया था। विनोद समेत दो लोग जेल गए थे। विनोद करीब दो महीने पहले जेल से बाहर आया था। उसी केस के सिलसिले में आज वो दलसिंहसराय कोर्ट जा रहा था। इसी दौरान बदमाशों ने गोली मारकर उसकी हत्या कर दी। इस हत्याकांड को लोग सोनू हत्याकांड के बदले के रूप में देख रहे हैं। दलसिंहसराय DSP विवेक कुमार शर्मा ने बताया कि विनोद, सोनू हत्याकांड का मुख्य आरोपी था। करीब दो महीने पहले वह जेल से छूटकर बाहर आया था। इस हत्या को पुरानी हत्या से जोड़कर देखा जा रहा है। जमीनी विवाद के कारण पहले इस घटना को अंजाम दिया गया था। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। सोनू और विनोद के बीच तीन कट्ठा जमीन को लेकर विवाद था।

कहीं आप जाने-अनजाने हेलीकॉप्टर पेरेंट तो नहीं बन गए हैं

क्या आप जानते है कि हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग क्या होती है? अगर नहीं तो अब जान लीजिए और खुद को भी परख लीजिए कि कही आप जाने-अनजाने हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग तो नहीं बन गए हैं।

हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग क्या है?

हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग यानि कि ऐसे अभिभावक जो बच्चों के ऊपर हेलीकॉप्टर की तरह मंडराते रहते हैं। बच्चों पर अत्यधिक कंट्रोल रखते हैं, उन पर जरूरत से दा ध्यान देते हैं, उन्हें ओवर प्रोटेक्ट करते हैं, उनके लिए अत्यधिक पजेसिव होते हैं और अधिकांश समय बच्चों के साथ ही रहते हैं। यहां तक कि ऐसे अभिभावक बच्चों को उनका पर्सनल स्पेस भी देना भूल जाते है। आज के दौर में बच्चों को हर प्रकार से सही मार्गदर्शन देना जरूरी है, लेकिन हेलीकॉप्टर पेरेंट्स बच्चे के बेहद छोटे-छोटे कामों में भी हस्तक्षेप करते है और उनसे जुड़े छोटे-छोटे निर्णय भी खुद ही लेते हैं जैसे दोस्त चुनना, घूमने जाना, खेलना आदि। आइए, जानते हैं कि हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग से बच्चे को क्या नुकसान हो सकते हैं -

- ऐसे अभिभावक बच्चों के जूते के फीते बांधने से लेकर उनके खाने की प्लेट उठाना, लंच पैक करके देना आदि छोटे-छोटे काम खुद ही कर देते हैं। इससे बच्चे शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से आत्मनिर्भर नहीं बन पाते।
- ऐसे अभिभावक बच्चे को अपनी बात कहने का मौका नहीं देते, क्योंकि दूसरों के सामने वे खुद ही बच्चे का पक्ष रख देते है। इससे आगे जाकर बच्चा किसी के सामने खुद अपनी बात को सही तरीके से रखना नहीं सीख पाता और कई बार चुनौती और असफलता हैंडल नहीं कर पाता।
- ऐसे बच्चे विपरीत परिस्थितियों का सामना करना नहीं सीख पाते क्योंकि हर बुरी बला से बचाने के लिए मातापिता हर वक्त आपके आस-पास ही मौजूद रहते हैं।
- ऐसे बच्चे अगर मातापिता की अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर पाते तो उनके डिप्रेशन में जाने की आशंका अधिक रहती है।
- ऐसे बच्चे सफल होने का श्रेय कभी स्वयं नहीं ले पाते क्योंकि सफलता उन्हें मातापिता की बदौलत मिलती है।

परिस्थितियों का करें पूरी हिम्मत से सामना

जीवन में परिस्थितियां कब बदल जाएं, हम कह नहीं सकते। कभी जो हमारे बेहद करीब थे, वो कब हमसे दूर चले जाएं, कहा नहीं जा सकता। लेकिन मजबूत इंसान वही है, जो हर परिस्थितियों का सामना पूरी हिम्मत से करता हो। हम में से ऐसे कई लोग होंगे जिन्होंने कभी न कभी अपनों को खोया होगा। लेकिन कुछ लोग इससे उबर जाते हैं, तो कुछ खुद को हमेशा उसी परिस्थिति में पाते हैं। अपनों को खोने का दर्द बहुत गहरा होता है। खासकर उस अपने को, जो हमारे बेहद करीब थे। लेकिन इन परिस्थितियों से निकलना बहुत जरूरी होता है। सही समय पर हिम्मत के साथ आगे बढ़ना जरूरी है। आखिर कैसे हम इस पूरी परिस्थिति से निकल सकते है? कैसे खुद को मजबूत रख सकते है? आइए जानते हैं। हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि हमारे अपने कभी-भी हमारी आंखों में आंसू नहीं देख सकते। यदि आप उन्हें याद करके दु:खी हो रहे हैं, तो इसका मतलब है कि आप उन्हें भी दुख पहुंचा रहे हैं। कोशिश करें कि खुद को आप मजबूत बनाए रखें। यादों से निकलकर वर्तमान के बारे में सोचिए। जानते हैं यह बहुत मुश्किल है। लेकिन यही हिम्मत आपको इस दु:ख से निकाल सकती है। आपके साथ मौजूद आपके अपने आपको इस परिस्थिति में देखकर कितने दु:खी होंगे?

खुद को व्यस्त रखें। आपका व्यस्त रहना बेहद आवश्यक है। आप कुछ नया सीखने की कोशिश करें जिससे कि खुद को व्यस्त रख सकें। दूसरों के साथ समय बिताएं, अकेले न रहें। कोशिश करें कि आप अपने आसपास मौजूद लोगों के साथ समय बिताएं जिससे कि आपको अकेले रहने का समय ही न मिले। रात में सोने से पहले अच्छी किताब पढ़ें। किताबें इंसान की सबसे अच्छी मित्र होती हैं।

अगर आपको पेट्स पालने का शौक है, तो घर में जरूर एक नया मेहमान लेकर आएं। यह आपके मूड को फ्रेश भी रखेगा, साथ ही आप इनके साथ व्यस्त भी रहेंगे।

नेल पॉलिश लगाते वक्त ध्यान रखें यह जरूरी बातें

नेल पॉलिश लगाने से पहले नाखून काटने के साथ ही उसे सही शेप देना भी जरूरी है। साथ ही नाखून को सुखाना भी जरूरी है, क्योंकि गीले नाखून पर नेल पेंट लगाने से कोट अच्छी तरह नहीं चढ़ता है और वह जल्दी छूट जाता है। नेल पॉलिश हाथों की खूबसूरती बढ़ाता है, लेकिन नेल पेंट यदि सही तरीके से न लगाया जाए तो यह हाथों की खूबसूरती बढ़ाने की बजाय बिगाड़ सकता है। नाखूनों की सुंदरता बढ़ाने के लिए नेल पॉलिश को सही तरीके से लगाना और नाखूनों की सही देखभाल भी जरूरी है। ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, नेल पेंट आपके हाथों की खूबसूरती बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है, लेकिन इसे सही तरीके से अप्लाई करना जरूरी है, तभी यह परफेक्ट दिखता है।

हाथों का रखें ख्याल

यदि आपके हाथ रूखे होंगे तो कितनी भी अच्छी नेल पॉलिश क्यों न लगा लें, उसकी खूबसूरती उभरकर नहीं आएगी। इसलिए समय-समय पर मेनिक्योर कराती रहें, इससे हाथ और नाखून दोनों साफ और सुंदर रहते हैं और नेल पेंट का रंग उभरकर दिखता है।

नाखून को शेप

ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, नेल पॉलिश लगाने से पहले नाखून काटने के साथ ही उसे सही शेप देना भी जरूरी है। साथ ही नाखून को सुखाना भी जरूरी है, क्योंकि गीले नाखून पर नेल पेंट लगाने से कोट अच्छी तरह नहीं चढ़ता है और वह जल्दी छूट जाता है।

बेस कोट

यदि आप चाहती हैं नेल पेंट का रंग सही तरह से चढ़े, तो पहले ट्रांस्पेरेंट बेस कोट लगाना जरूरी है। नेल पेंट को ब्रश से पहले नाखून के बीच से लगाना शुरू करें और फिर पूरे नाखून पर लगाकर अच्छी तरह सुखा लें।

पहला कोट लगाएं

ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, जब ट्रांस्पेरेंट बेस कोट सूख जाए, तब अपनी पसंद की कोई भी नेलपॉलिश लगाएं। पहला कोट लगाने के बाद जब वह अच्छी तरह सूख जाए, तो आप चाहे तो दूसरा कोट लगा सकती हैं। इसे अच्छी तरह सेट करने के लिए आप बर्फ के पानी में उंगलियां डुबोकर रखें। इससे नेल पॉलिश में चमक आ जाएगी।

किनारों को साफ कर लें

यदि नेल पॉलिश लगाते समय किनारों में फैल गई है, तो उसे रिमूवर से साफ कर लें।

इन बातों का भी रखें ध्यान

- आप नेल पेंट को जल्दी सुखाना चाहती हैं, लेकिन इसके लिए पंखा चालू करके नेल पॉलिश न लगाएं, वरना नेल पेंट सूख जाएगा।
- यदि पहला कोट ठीक से नहीं लगा है, तो दूसरा कोट अप्लाई करे वह स्मूद दिखने लगेगा।
- नेल पॉलिश रिमूव करने के बाद कुछ दिनों तक नाखूनों को ऐसे ही रहने दें और नेल क्रीम लगाएं, इससे नाखूनों की चमक बढ़ेगी।
- पैर की उंगलियों में नेल पॉलिश लगाते समय दो उंगलियों के बीच में कॉटन लगा ले, इससे नेल पेंट फैलेगा नहीं।
- नेल पॉलिश लगाने से पहले बोतल को अच्छी तरह शेक कर लें।
- हमेशा अच्छी क्वालिटी की नेल पॉलिश ही इस्तेमाल करें, जो ज्यादा दिनों तक टिकती है और नाखूनों को नुकसान नहीं पहुंचाती।

सिल्क की साड़ी की चमक बनाए रखने के लिए इस तरह से करें वॉश

महिलाएं ट्रेडिशनल लुक के लिए सिल्क की साड़ी पहनना पसंद करती हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस से लेकर आम महिलाएं सिल्क की साड़ी पहनती हैं। सिल्क की साड़ी की एक अलग ही चमक होती हैं। सिल्क साड़ी बहुत महंगी आती है। जिसकी वजह से साड़ी की केयर करना बहुत जरुर होता है। अगर सिल्क की साड़ी की सही से केयर ना की जाए तो साड़ी की चमक खो जाती है। महिलाएं सिल्क साड़ी को घर में वॉश नहीं करती है बल्कि ड्राई क्लीनिंग के लिए देती हैं। लेकिन हर बार साड़ी को ड्राई क्लीनिंग में देना काफी महंगा पड़ता है। आप सिल्क की साड़ी को घर में भी साफ कर सकती हैं। सिल्क की साड़ी को घर में सही तरीके से धोने से ना तो साड़ी की चमक कम होती है और ना ही साड़ी खराब होती हैं। चलिए जातने है सिल्क की साड़ी को वॉश करने का सही तरीका।

हाथ से धोना

सिल्क की साड़ी को घर पर हाथ से धोना चाहिए। सिल्क की साड़ी को धोने के लिए सबसे पहले आप एक बाल्टी में पानी लें। पानी सिल्क साड़ी वाला डिटर्जेंट पाउडर लें। अगर आप के पास डिटर्जेंट नहीं तो आप बेबी शैंपू का यूज कर सकती हैं। इसके बाद साड़ी को पांच मिनट के लिए पानी में भिगोएं। इसके बाद सिंपल पानी डाले। इस पानी में थोड़ा सा व्हाइट विनेगर डाले। विनेगर डाल ा से साड़ी से अतिरिक्त साबुन ह ट जाता है। इसके बाद तीसरी बार ानी डालकर फैब्रिक कंडीशनर मिक्स करें। इसके बाद साफ और सूखे कपड़े के ऊपर सिल्क साड़ी को रखकर रोल करें। अब टॉव ा को हल्के से दबाकर साड़ी से अ तिरिक्त पानी बाहर निकाल दें। इसवे बाद साड़ी को दूसरे सूखें टावल र रखें और हवा में सूखने दें।

सिल्क की साड़ी का दाग

अगर आपकी सिल्क की सा ी पर दाग लग गया है तो आप इन तों का ध्यान दें। दाग लगने के तुरंत ाद उसे साफ कर दें। दाग सूखने के ाद उसके निशान को हटाना का ी मुश्किल होता है। इसके अल ावा आप व्हाइट विनेगर और नींबू के स की मदद से दाग हटा सकते हैं।

इन बातों का रखें ख्याल

सिल्क साड़ी को वॉश करने े पहले उसका रंग का टेस्ट जरुर क रें। सिल्क साड़ी का कलर तो न ीं निकल रहा है। सिल्क साड़ी का क्ली निंग डिटर्जेंट सॉफ्ट होना चाहिए। क्योंकि हार्ट और ब्लीच आपकी साड़ ी को खराब कर सकती है।

इन चीजों के कारण गंदा नजर आता है घर

हर व्यक्ति हमेशा अपने घर को साफ-सुथरा रखना चाहता है। एक साफ घर न केवल अच्छा दिखता है, बल्कि सकारात्मकता भी लाता है। वहीं दूसरी ओर अगर घर गंदा व अव्यवस्थित नजर आए तो इससे मन भी अशांत होता है और घर में नकारात्मकता भी पैदा होती है। हो सकता है कि आप घर को साफ-सुथरा रखते हो, लेकिन फिर भी वह मैसी व गंदा नजर आता हो। ऐसा घर में मौजूद कुछ चीजों के कारण होता है। हालांकि अगर आप इन्हें सही तरह से रखने पर ध्यान देते हैं तो इससे आपका घर हर समय अधिक व्यवस्थित दिखेगा। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसी ही चीजों के बारे में बता रहे हैं, जिनकी वजह से आपका घर हमेशा गंदा नजर आता है-

भरी हुई किचन स्लैब

हम सभी जानते हैं कि एक भरी हुई किचन स्लैब हमेशा गंदी नजर आती है। ऐसे में आपको स्लैब को पहले क्रमबद्ध रखना चाहिए। इसके लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना है। मसलन, किचन में एक साथ एक ही समय में 2 से 3 कार्य ना करें। जिस क्षण आप एक कार्य पूरा करते हैं, तो पहले उसे साफ करें। उसके बाद ही आप किचन में दूसरा काम फैलाएं।

बदबूदार पोंछे व मॉप्स

भले ही आपने अपने किचन को साफ सुथरा रखा हो, लेकिन अगर वहां पर बदबूदार मॉप और पोंछे हैं तो इससे आपकी किचन व घर गंदा लगता है। ताजा और साफ मोप हमेशा आपके घर को एक अच्छा इफेक्ट देते हैं और इससे आपकी रसोई भी सुव्यवस्थित दिखती है।

भरी हुई डाइनिंग टेबल

हममें से अधिकतर लोग इस पर ध्यान नहीं देते हैं लेकिन अपनी डाइनिंग टेबल को साफ-सुथरा और क्लटर फ्री रखना भी बहुत जरूरी है। अमूमन लोग डाइनिंग टेबल पर कटलरी के अलावा, टिश्यू, नमक, काली मिर्च, सॉस और अचार आदि रखते हैं। लेकिन इससे डाइनिंग टेबल काफी भरी और गंदी नजर आती है। इसलिए, हो सके तो डाइनिंग टेबल को मिनिमल ही रखें, इससे आपका लिविंग रूम व डाइनिंग एरिया उतना ही बेहतर लगेगा।

बिना लिड की लॉन्ड्री बास्केट

अमूमन घर में हम गंदे कपड़ों को रखने के लिए लॉन्ड्री बास्केट का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन इससे घर काफी मैसी लगता है। इसलिए बेहतर होगा कि अगर आप लॉन्ड्री बास्केट का इस्तेमाल कर रहे हैं तो यह सुनिश्चित करें कि उसके साथ ढक्कन जरूर हो। कवर वाला लॉन्ड्री बास्केट देखने में अव्यवस्थित नहीं लगता है। लॉन्ड्री बास्केट की तरह आपको डस्टबिन को भी बिना लिड के नहीं रखना चाहिए। यह देखने में काफी गंदा लगेगा।

भरी हुई बालकनी

अक्सर घरों में लोग बालकनी को स्टोरेज की तरह यूज करते हैं। उस एरिया को ब्यूटीफुल बनाने के लिए प्लांट्स तो लगाते हैं, लेकिन छोटी बालकनी में रखीं कुर्सियां व स्टूल्स आदि उसे भरा-भरा दिखाते हैं। इसलिए अपनी बालकनी को थोड़ा स्पेशियस ही बनाए रखें। अगर आप वहां पर सिटिंग अरेंजमेंट कर रहे हैं तो यह सुनिश्चित करें कि वह बहुत अधिक जगह ना घेरे।

मुंबई 3.0 में 11 अरब डॉलर के निवेश करने को तैयार ब्लैकस्टोन

मुंबई।

देश में सबसे ज्यादा जीडीपी वाले राज्य महाराष्ट्र के लिए अच्छी खबर है। दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी में शुमार ब्लैकस्टोन अगले तीन से पांच साल में महाराष्ट्र में 11 अरब डॉलर के निवेश करने को तैयार है। इस रकम को राज्य के प्रमुख शहरों में डेटा सेंटर, रियल एस्टेट और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी संपत्ति में निवेश किया जाएगा। अमेरिका के इस इंस्टीट्यूशनल निवेशक ने भारत के तेजी से बढ़ रहे प्रॉपर्टी और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने की व्यापक रणनीति बनाई है। इसके तहत कंपनी ने दावोस में राज्य सरकार के साथ तीन अलग-अलग समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस इस साल वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम में राज्य के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक ब्लैकस्टोन के कुल निवेश का करीब 5 अरब डॉलर मुंबई 3.0 में जाएगा। मुंबई 3.0 राज्य सरकार का एक अहम प्रोजेक्ट है। इसके तहत मुंबई और नवी मुंबई की क्षमता का विस्तार करने के लिए एक तीसरे शहर को विकसित किया जाएगा। मुंबई 3.0 को कर्नाला-साई-चिरनेर न्यू टाउन के नाम से भी जाना जाता है। इसके मुंबई के करीब स्थापित किया जाएगा। इससे मुंबई में जगह की कमी दूर होगी।

सूत्र ने कहा कि ब्लैकस्टोन पहला वैश्विक संस्थागत निवेशक होगा जो इस नए उभरते शहर में कार्यालय परिसरों, आतिथ्य संपत्तियों, खुदरा मॉल और वेयरहाउसिंग संपत्तियों के विकास को सपोर्ट करेगा। ब्लैकस्टोन ने अपने जॉइंट वेंचर पार्टनर पंचशील रियल्टी के साथ मिलकर राज्य में डेटा केंद्रों के विकास के लिए 3 अरब डॉलर तक का निवेश करने के लिए महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (एमआईडीसी) के साथ एक समझौता किया है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया पांच पैसे की गिरावट के साथ ही 86.27 रुपये पर बंद हुआ। विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती और घरेलू शेयर बाजार में नरमी के बीच रुपया आज सुब शुरुआती कारोबार में 22 पैसे की गिरावट के साथ 86.44 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि शुक्रवार को भारतीय रुपये में बढ़त दर्ज की गई थी, लेकिन अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शुल्क संबंधी फैसले पर अनिश्चितताओं के बीच सोमवार को यह गिरावट के साथ खुला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 86.35 पर खुला और फिर फिसलकर 86.44 प्रति डॉलर पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से 22 पैसे की गिरावट दिखाता है। वहीं रुपया शुक्रवार को 22 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.22 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.21 फीसदी की बढ़त के साथ 107.67 पर बंद हुआ था।

फरवरी में खत्म हो रहा माधबी का कार्यकाल, सेबी के नए चेयरपर्सन की तलाश शुरु

केंद्र सरकार ने आवेदन किए आमंत्रित, 17 फरवरी है अंतिम तारीख

नई दिल्ली, केंद्र सरकार ने शेयर बाजार के रेगुलेटर सेबी की मौजूदा चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच का कार्यकाल खत्म होने के बाद उनके उत्तराधिकारी की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी है। माधबी बुच का कार्यकाल 28 फरवरी 2025 को खत्म हो रहा है। वित्त मंत्रालय ने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के नए अध्यक्ष के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं, जिसकी अंतिम तिथि 17 फरवरी 2025 है। वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग ने जानकारी दी कि नए अध्यक्ष को दो वेतन विकल्पों में से चुनने का अधिकार होगा। भारत सरकार के सचिव के समान स्वीकार्य वेतन। हर महीने 5,62,500 की कंसॉलिडेटेड सैलरी होगी। इस विकल्प में घर और वाहन की सुविधा शामिल नहीं है। नियुक्ति अधिकतम पांच साल की अवधि या 65 वर्ष की आयु तक जो भी पहले हो के लिए की जाएगी। माधबी पुरी बुच ने 2 मार्च 2022 को सेबी चेयरपर्सन का कार्यभार संभाला था। वह सेबी की पहली महिला अध्यक्ष हैं और उनका कार्यकाल कई अहम फैसलों और विवादों से भरा रहा। इससे पहले, वह अप्रैल 2017 से मार्च 2022 तक सेबी की होल-टाइम मेंबर के रूप में कार्यरत थीं। नई नियुक्ति के लिए प्रक्रिया की शुरुआत के साथ, अब यह देखना दिलचस्प होगा कि इस पद पर कौन बैठता है और बाजार को किस दिशा में मोड़ता है।

चीन की विनिर्माण गतिविधियों में जनवरी में मंदी

- क्रय प्रबंधक सूचकांक जनवरी में 49.1 पर, दिसंबर 2024 में 50.1 था

हांगकांग। चीन की विनिर्माण गतिविधियों में जनवरी में मंदी दर्ज की गई है। यह मंदी का कारण मुख्य रूप से श्रमिकों के चंद्र नववर्ष की छुट्टियों के लिए अपने गृहनगर जाना माना जा रहा है। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के अनुसार कारखाना प्रबंधकों के सर्वेक्षण पर आधारित क्रय प्रबंधक सूचकांक जनवरी में 49.1 पर आ गया, जो कि दिसंबर 2024 में 50.1 था। सूचकांक के 50 से ऊपर होने का मतलब है कि उत्पादन गतिविधियों में विस्तार हो रहा है, जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट दर्शाता है। नये ऑर्डर तथा उत्पादन में भी कमी आई है। गैर-विनिर्माण क्षेत्र के लिए समानांतर क्रय प्रबंधक सूचकांक दिसंबर के 52.2 अंक से फिसलकर जनवरी में 50.2 अंक पर आ गया है। ब्यूरो के एक वरिष्ठ सांख्यिकीविद् ने कहा कि कारखाना गतिविधियों में गिरावट अंशिक रूप से छुट्टियों के कारण है। उन्होंने बताया कि चीन में सबसे बड़ा त्यौहार चुंग जी का सार्वजनिक अवकाश है, जो मंगलवार से शुरू होगा और चार फरवरी तक जारी रहेगा। इसके दौरान लाखों नागरिक अपने परिवार के साथ समय बिताने के लिए शहरों से गांवों की ओर लौटते हैं। चीन की अर्थव्यवस्था ने 2024 में पांच प्रतिशत वार्षिक दर से बढ़ाई थी, जो कि मजबूत निर्यात और प्रोत्साहन के परिणाम है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा चीन से आयात पर शुल्क बढ़ाने की चेतावनी के बीच, देश का निर्यात परिदृश्य भी अनिश्चित है।

मैक्रोटेक डेवलपर्स का अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कर्ज 12 प्रतिशत घटा

- शुद्ध ऋण चालू वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई-सितंबर तिमाही के अंत में 4,930 करोड़ रुपए था

मुंबई । भारतीय रियल एस्टेट बाजार में स्थित मैक्रोटेक डेवलपर्स के एक प्रमुख अधिकारी ने बताया कि उनकी कंपनी का शुद्ध ऋण अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 12 प्रतिशत घटकर 4,320 करोड़ रुपये रह गया है। इसके साथ ही उन्होंने संबंधित आंकड़ों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने ब्रांड के तहत संपत्तियों का विपणन करने वाली मैक्रोटेक डेवलपर्स का शुद्ध ऋण चालू वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई-सितंबर तिमाही के अंत में 4,930 करोड़ रुपये था। इसके बाद की चुनौतियों और संघर्षों के बारे में भी उन्होंने बात की। उन्होंने बताया कि अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कंपनी का प्रदर्शन मजबूत रहा है और उनकी उम्मीद भी वित्त वर्ष के समापन में मजबूत होगी। उन्होंने कहा` कि अक्टूबर-दिसंबर तिमाही पूर्व-बिक्री मामले में हमारी अब तक की सबसे मजबूत तिमाही रही। संग्रह के मामले में भी यह अब तक की सबसे अच्छी तिमाही रही। उन्होंने अपने भविष्य की योजनाओं और रणनीतियों के बारे में भी बात की और कहा कि महत्वपूर्ण व्यावसायिक विकास और मजबूत परिचालन प्रदर्शन के दम पर उनका शुद्ध ऋण करीब 600 करोड़ रुपये कम हो गया है और अब करीब 4,300 करोड़ रुपये का है। इसका ऋण समता अनुपात 0.22 है।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद, निवेशकों को 9 लाख करोड़ का नुकसान

सेंसेक्स 824 अंक टूटा, निफ्टी 263 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को भारी गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। घरेलू । कंपनियों के तीसरी तिमाही के परिणाम उम्मीद से कम रहने और अमेरिका की नई सरकार की कारोबार नीति को लेकर जारी संशय से भी बाजार टूटा। विदेशी निवेशकों की लगातार जारी बिकवाली से भी बाजार पर दबाव आया। इसी कारण आज कारोबर के दौरान बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी और सेंसेक्स एक फीसदी से अधिक गिरा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 824.29 अंक करीब 1.08 फीसदी टूटकर 75,366.17 पर बंद हुआ था। इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज काका निफ्टी भी 263.05 अंक तकरीबन 1.14 फीसदी नीचे आकर 22,829 पर बंद हुआ।

आज बाजार में गिरावट का कारण दुनिया भर में तकनीकी शेयरों में आई गिरावट रहा। एआई क्षेत्र में में हाई-टेक चिप्स की भारी मांग से निवेशकों में भय का माहौल रहा और वे बाजार से दूसरे हो गये। साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के पड़ोसी देशों पर अधिक टेरिफ शुल्क लगाने की घोषणा से बाजार में भारी गिरावट आई। इसके साथ ही विदेशी निवेशकों की बिकवाली का सिलसिला लगातार जारी रहने से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ाहै। विदेशी निवेशक पिछले कारोबारी सत्र सेशन में सबसे बड़े बिकवाल रहे। उन्होंने कुल 13,988.96 करोड़ रुपये की इक्विटी बेचीं। शेयर बाजार में सोमवार को आई गिरावट से निवेशकों को 9.40 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ । बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का बाजार पूंजीकरण शुक्रवार को 4,19,51,854 करोड़ रुपये था। यह सोमवारक को घटकर 4,10,08,631 करोड़ रुपये रह गया। इस प्रकार कंपनियों को 9.40 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इस बड़ी गिरावट के साथ अपने ऑल टाइम हाई से लगभग 13 फीसदी नीचे आया है , वहीं, बीएसई सेंसेक्स भी अपने ऑल टाइम हाई से 12 फीसदी से अधिक गिरा है।

वहीं आज सुबह बाजार बड़ी गिरावट लेकर खुला। इससे पहले भारतीय शेयर बाजार लगातार तीसरा हफ्ता गिरावट में बंद हुआ। वहीं एशियाई बाजारों की शुरुआत सोमवार को बढ़त के साथ हुई, लेकिन बाद में यह मिलाजुला रुख अपनाए रहे। निक्कई 0.18 फीसदी गिरा, जबकि टोपिक्स 0.4 फीसदी ऊछला। वहीं ऑस्ट्रेलिया, ताइवान, और दक्षिण कोरिया के बाजार छुट्टी के कारण बंद रहे।

स्टेनलेस स्टील की मांग बढ़ाने बुनियादी ढांचा खर्च को मिले प्राथमिकताः जिंदल

सरकार से उम्मीद है कि वह स्टेनलेस स्टील उद्योग की कुछ प्रमुख आवश्य कताओं को पूरा करेगी

नई दिल्ली ।

भारत के सबसे बड़े स्टेनलेस स्टील निर्माता जिंदल स्टेनलेस को उम्मीद है कि आगामी केंद्रीय बजट में स्टेनलेस स्टील क्षेत्र के विकास में बाधा बनने वाली प्रमुख चुनौतियों से निपटने को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार से उम्मीद है कि वह स्टेनलेस स्टील उद्योग की कुछ प्रमुख आवश्यकताओं को पूरा करेगी, जिनमें जलमार्ग, रेलवे और तटीय परिवहन जैसे गतिशील बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाना, आवश्यक कच्चे माल के आयात पर शून्य आयात शुल्क जारी रखना और सस्ते आयात से होने वाले नुकसान को रोकना शामिल है। केंद्रीय बजट 2025-26 से पहले जिंदल स्टेनलेस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा` कि स्टेनलेस स्टील की मांग बढ़ाने के लिए, हम सरकार को बुनियादी ढांचे पर खर्च को प्राथमिकता देते रहने और अंतर्देशीय जलमार्ग, रेल बुनियादी ढांचे और तटीय परिवहन जैसे गतिशील बुनियादी ढांचे के विकास पर खास ध्यान देने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। उन्होंने इस उद्योग के लिए और भी कई सुझाव दिए, जैसे कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित करना और आयात शुल्क पर बदलाव करना। जिंदल स्टेनलेस ने सरकार को स्टेनलेस स्टील उद्योग के उत्थान के लिए और भी कई कदम उठाने की सलाह दी है, जिससे घरेलू उद्योग मजबूत हो सके और भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने में मदद मिल सके। उनके अनुसार इन प्रयासों से स्टेनलेस स्टील उद्योग व । नया उत्थान मिलेगा और देश को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में सहायक होगा। अ त्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करते हुए जिंदल स्टेनलेस ने सरकार से आग्रह किया है कि घरेलू स्टेनलेस स्टील उद्योग को समर्थन दान करने के लिए आवश्यक उपायों पर ध्यान दिया जाए। यह स्थायी सुधार उद्यमिता को प्रेरित करेगा और उद्योग को विकसित करने में साह यक साबित होगा। सरकार की दिशानिर्दे ना और जिंदल स्टेनलेस की उम्मीदें मिलकर भारतीय स्टेनलेस स्टील उद्योग को नई ऊर्जा अं र उत्साह मिलेगा। यह उभरते भारत के लिए एक बड़ा कदम हो सकता है जो आर्थिक समृद्धि और उद्योग के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका भा सकता है।

ऑप्टिमस इलेक्ट्रॉनिक्स ने टीपी-लिंक के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली ।

ऑप्टिमस इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने भारत में अपने नेटवर्किंग उपकरणों तथा स्मार्ट घरेलू उत्पादों के विनिर्माण के लिए अग्रणी वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड टीपी-लिंक के साथ साझेदारी की सोमवार को घोषणा की। दोनों कंपनियों के अनुसार इस रणनीतिक साझेदारी का मकसद कनेक्टेड डिवाइस के लिए भारत की बढ़ती मांग को पूरा करना तथा भारत में विनिर्मित इलेक्ट्रॉनिक को निर्यात बाजारों तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त करना है। इसमें कहा गया कि यह सहयोग टीपी-लिंक के मेक इन इंडिया दृष्टिकोण के प्रति प्रतिबद्धता को और दूरसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण के लिए वैश्विक केंद्र बनने के भारत के संकल्प को मजबूत करता है। इन उत्पादों का विनिर्माण ओईएल की सुविधा में किया जाएगा, जिसकी प्रति वर्ष 60 लाख उपकरणों के उत्पादन की क्षमता है। विज्ञप्ति में कहा गया` कि यह सहयोग निर्यात बाजारों के लिए इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के विकास और विनिर्माण का मार्ग भी प्रशस्त करेगा। इसमें कहा गया, ओईएल, टीपी-लिंक के लिए पावर एडॉप्टर, मैकेनिकल पाट्र्स और अन्य चीजें उपलब्ध कराने के लिए स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेगा। इस समझौते से आयात निर्भरता कम होगी और आपूर्ति पर बेहतर नियंत्रण मिलेगा।

भारत के निर्यातकों की मजबूत स्थिति- अमेरिकी बाजार में भारतीय सामान का जलवा

- पिछले वित्त वर्ष के पहले 9 महीनों में, भारत का वस्तु निर्यात बढ़कर 59.93 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली ।

अमेरिका में ट्रंप युग की शुरुआत हो गई हो और उन्होंने विभिन्न देशों, भारत सहित, पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी दी हो लेकिन भारत के निर्यातकों ने बजाय हर्जाने के अमेरिकी बाजार में अपनी मजबूती साबित की है। नवंबर 2024 तक के आंकड़ों के अनुसार भारत ने अमेरिका को हर घंटे लगभग 80 करोड़ रुपए का सामान` निर्यात किया है। इसका मतलब है कि भारतीय उत्पादों की मांग अमेरिकी बाजार में बढ़ रही है और निर्यात में वृद्धि हो रही है। पिछले वित्त वर्ष के पहले 9 महीनों में, भारत का वस्तु निर्यात 5.57 फीसदी बढ़कर 59.93 अरब डॉलर पहुंच गया है, जो मौजूदा रुझान की मजबूती को दर्शाता है। इसके साथ ही दिसंबर में अमेरिका को भारत का निर्यात 8.49 फीसदी बढ़कर सात अरब डॉलर रहा है। भारतीय निर्यात में यह वृद्धि सकारात्मक संकेत देती है और भारत के भीतर उत्पादन की वृद्धि को प्रोत्साहित करती है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस समय भारतीय निर्यातकों के लिए अमेरिकी बाजार में निर्यात के लिए अच्छे मौके हैं, जिससे भारतीय उत्पादकों के लिए नये दरवाजे खुल सकते हैं। आगे चलकर, इस व्यापारिक संबंध का विस्तार होने की संभावना है और भारत और अमेरिका के बीच व्यापार में और बढ़ोतरी हो सकती है। इस रिपोर्ट से स्पष्ट हो रहा है कि भारतीय निर्यातकों की क्षमता और उत्पादन अमेरिकी बाजार में भारतीय उत्पादों की मांग में भी वृद्धि दर्ज हो रही है। यह संकेत भारतीय निर्यातकों के लिए अमेरिका में बड़ी संभावनाएं दर्शाता है, जो आने वाले वर्षों में निर्यात में और वृद्धि को देख सकते हैं।

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में 2024 में ऐतिहासिक वृद्धि

- इक्विटी और इक्विटी-ओरिएंटेड योजनाओं में कुल निवेश 3.9 लाख करोड़ रुपए

नई दिल्ली ।

2024 में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स ने निवेश प्रवाह में ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज की है। निवेश प्रवाह में ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज करते हुए एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया ने बताया कि इक्विटी और इक्विटी-ओरिएंटेड योजनाओं में कुल निवेश 3.9 लाख करोड़ रुपए हुआ, जो 2023 के 1.6 लाख करोड़ रुपए से दोगुना बढ़कर अधिक है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह वृद्धि निवेशकों के बढ़ते विश्वास और दीर्घकालिक निवेश की ओर इशारा करती है। हालांकि, इस शानदार प्रदर्शन के बावजूद 2025 के लिए बाजार में सतर्कता का माहौल देखा जा रहा है। जर्मिनेट इन्वेस्टर सर्विसेज के सह-संस्थापक और सीईओ संतोष जोसेफ ने दिसंबर में इक्विटी फंड प्रवाह में कमी का संकेत दिया है, जिसे बाजार में बढ़ती अस्थिरता के कारण देखा जा रहा है। जोसेफ ने कहा कि इतिहास गवाह है कि इक्विटी फंड्स में निवेश प्रवाह बाजार के प्रदर्शन से गहराई से जुड़ा होता है। जब बाजार में अनिश्चितता रहती है, तो निवेशक गतिविधि धीमी हो जाती है। उन्होंने इस प्रवृत्ति का कारण बाजार में बढ़ती अस्थिरता बताया और जोड़ा कि 2025 में नए फंड लॉन्च और इक्विटी फंड जुटाव में कमी देखने का संकेत मिल सकता है। इसके बावजूद दीर्घकालिक निवेशकों के लिए स्थिति उत्साहजनक है और विशेषज्ञों का मानना है कि जो बाजार में बने रहते हैं, वे स्थिरता आने पर इक्विटी मार्केट्स की संपत्ति सृजन क्षमता का लाभ उठा सकते हैं।

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में हुई इस वृद्धि ने दिखाया कि निवेशक आधुनिक और दीर्घकालिक योजनाओं को अधिक पसंद करने लगे हैं, पारंपरिक विकल्पों से हटकर।

किसानों के लिए खुशखबरीः केंद्र सरकार का खेत से उपभोक्ता तक मॉडल

- 40 रुपये किलो वाला गेहूं अब 30-35 में मिलेगा!

नई दिल्ली ।

देश के करोड़ों किसानों के लि एक बड़ी खुशखबरी आई है। कें सरकार एक नए मॉडल पर का कर रही है, जिससे कृषि उत्पाद की खरीदी-बिक्री में बिचौलिय की भूमिका कम होगी तो अनाज की कीमतों पर इसका असर देख को मिल सकता है, इसलिए ह सकता है कि जो गेहूं बाजार 40 रुपये किलो मिल रहा है व 35 रुपये किलोग्राम तक ग्राहक को मिल जाए। कृषि मंत्री शिवरा सिंह चौहान ने इस मॉडल के महत्व पर जोर दिया और कहा वि यह किसानों को अधिकतम लाभ पहुंचाएगा। इस मॉडल के तह भारतीय किसान अपनी उपज क सीधे उपभोक्ताओं तक बेच सकेंगे जिससे अनाज की कीमतों म स्थिरता आ सकती है। इसके अलावा सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर फसलों की खरीद, प्रौद्योगिकी आधारित समाधानों को प्रोत्साहित करने और कृषि विज्ञान केंद्रों को मजबूत करने का काम भी जारी रखा है। चौहान ने कहा कि किसान भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और उनके बिना देश समृद्ध नहीं हो सकता। इसीलिए सरकार ने किसानों को सशक्त बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

कृषि क्षेत्र और किसानों का योगदान अहम है, और ऐसे कदम से भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। इस नए मॉडल से किसानों को आर्थिक अवसरों में और सुधार मिलेगा, जिससे उनकी स्थिति में सुधार आ सकता है।

इस बार का बजट 2047 के विजन को मजबूत करने वाला होगा

अब खपत बढ़ाने के कदम उठाने की भी जरूरत है

नई दिल्ली ।

इस बार को केंद्रीय बजट ऐसे समय में पेश किया जाएगा जब देश की आर्थिक वृद्धि में गिरावट देखी जा रही है। वित्तीय बाजारों में बढ़ती अस्थिरता, विदेशी मुद्रा भंडार में तेज गिरावट और वैश्विक नीति की अनिश्चितताओं से चुनौतियां बढ़ गई हैं। साथ ही अमेरिका में नई सरकार बनने से वैश्विक माहौल और भी मु श्किल हो गया है। इन परिस्थितियों में बजट का मुख्य फोकस विकास को तेज करना और 2047 तक 'विकसित भारत' के विज़न को पूरा करने की दिशा में कदम उठाना होना चाहिए। कोविड के बाद सरकार का फोकस कैपेक्स के जरिए आर्थिक सुधार पर रहा है, जो अब तक सफल रहा है। हालांकि, इसे जारी रखने के साथ ही अब कंजम्पशन बढ़ाने के कदम उठाने की भी जरूरत है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर कंजम्पशन यानी खपत बढ़ेगी, तो इससे प्राइवेट इन्वेस्टमेंट को भी बढ़ावा मिलेगा। इसके लिए बजट में पर्सनल इनकम टैक्स में 5 फीसदी तक की कटौती पर विचार करना चाहिए। भले ही इससे जीडीपी का 0.2 फीसदी राजस्व नुकसान होगा, लेकिन इससे लोगों की खर्च करने की क्षमता बढ़ेगी और कंज्यूमर सेंटिमेंट में सुधार होगा। कमजोर जॉब क्रिएशन और कम रियल वेज ग्रोथ ने कंज्यूमर सेंटिमेंट को कमजोर किया है। आरबीआई के हाउसहोल्ड सर्वे के मुताबिक, महामारी के बाद से ही लोगों का भरोसा नकारात्मक बना हुआ है। ऐसे में टैक्स में कटौती और खर्च करने की क्षमता बढ़ाने से डिमांड में सुधार हो सकता है, जो अर्थव्यवस्था को गति देगा। सरकार को अपने फिस्कल कंसॉलिडेशन प्रयासों की गति को थोड़ा धीमा करने की जरूरत है, ताकि ग्रोथ बढ़ाने वाले कदमों पर ध्यान दिया जा सके। सरकार ने वित्त वर्ष 26 तक फिस्कल डेफिसिट को जीडीपी के 4.5 फीसदी से कम करने का लक्ष्य रखा था।

धार्मिक ही नहीं साहित्य और पर्यटन का सांस्कृतिक आयोजन भी है महाकुंभ

विवेक रंजन श्रीवास्तव

कुंभ सदा से धार्मिक ही नहीं एक साहित्य और पर्यटन का सांस्कृतिक आयोजन रहा है और भविष्य में तकनीक के विकास के साथ और भी वृहद बनता जायेगा। इस वर्ष प्रयाग का कुंभ नये चैलेंज लिये आयोजित हो रहा है, हम सब की नैतिक व धार्मिक सामाजिक जिम्मेदारी है कि हम स्वयं का ख्याल व सावधानियां रखते हुये कुंभ स्नान व आयोजन में सहभागिता करें, क्योंकि यदि मन चंगा तो कठौती में गंगा। और मन तभी चंगा रह सकता है जब शरीर चंगा रहे।

भारतीय संस्कृति वैज्ञानिक दृष्टि तथा एक विचार के साथ विकसित हुई है। बारह ज्योतिर्लिंग, इक्यावन शक्ति पीठ, बद्रीनाथ, द्वारका, जगन्नाथपुरी, रामेश्वरम के चारों धाम के दर्शनों के अतिरिक्त हमारी संस्कृति में नदियों के संगम स्थलों पर मकर संक्रांति, चंद्र ग्रहण व सूर्यग्रहण के अवसरों पर पवित्र स्नान की भी परम्परायें हैं। चित्रकूट व गिरिराज पर्वतों की परिक्रमा, नर्मदा नदी की परिक्रमा जैसे अद्भुत उदाहरण हमारी धार्मिक आस्था की विविधता के साथ पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रामाणिक द्योतक हैं।

हरिद्वार, प्रयाग, नासिक तथा उज्जैन में आयोजित होते कुंभ के मेले तो मूलतः स्नान से मिलने वाली शारीरिक तथा मानसिक शुचिता को ही केंद्र में रखकर निर्धारित किये गये हैं। साथ ही ये पर्यटन को धार्मिकता से जोड़े जाने के विलक्षण उदाहरण हैं। ऐसे में स्नान को केंद्र में रखकर ही महाकुंभ जैसा विशाल और अद्भुत पर्व मनाया जा रहा है, जो हजारों वर्षो से हमारी संस्कृति का हिस्सा है। पीढ़ियों से जनमानस की धार्मिक भावनायें और आस्था कुंभ स्नान से जुड़ी हुई हैं। प्रयागराज के नैसर्गिक महत्व तथा माँ गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के अनुपम संगम के कारण प्रयाग कुंभ सदैव विशिष्ट ही रहा है।

प्रश्न है कि क्या कुंभ स्नान को मेले का स्वरूप देने के पीछे केवल नदी में डुबकी लगाना ही हमारे मनीषियों का उद्देश्य रहा होगा? इस तरह के आयोजनों को नियमित अंतराल पर निरंतर स्वस्फूर्त आयोजन करने की व्यवस्था बनाने का निहितार्थ समझने की आवश्यकता है। आज तो लोकतांत्रिक शासन है, हमारी ही चुनी हुई सरकारें हैं जो जनहितकारी व्यवस्था महाकुंभ हेतु कर रही है पर कुंभ के मेलों ने तो पराधीनता के युग भी देखे हैं, आक्रांता बादशाहों के समय में भी कुंभ संपन्न हुये हैं और इतिहास गवाह है कि तब भी

तत्कालीन प्रशासनिक तंत्र को इन भव्य आयोजनों का व्यवस्था पक्ष देखना ही पड़ा। समाज और शासन को जोड़ने का यह उदाहरण शोधार्थियों की रुचि का विषय हो सकता है। वास्तव में कुंभ स्नान शुचिता का प्रतीक है, शारीरिक और मानसिक शुचिता का। जो साधु संतो के अखाड़े इन मेलों में एकत्रित होते हैं वहां सत्संग होता है, गुरु दीक्षायें दी जाती हैं। इन मेलों के माध्यम से आध्यात्मिक उन्नयन के लिये जनमानस तरह तरह के व्रत, संकल्प और प्रयास करता है। धार्मिक यात्रायें होती हैं। लोगों का मिलना जुलना, वैचारिक आदान प्रदान हो पाता है। धार्मिक पर्यटन हमारी संस्कृति की विशिष्टता है। पर्यटन नये अनुभव देता है साहित्य तथा नव विचारों को जन्म देता है, हजारों वर्षो से अनेक आक्रांताओं के हस्तक्षेप के बाद भी भारतीय संस्कृति अपने मूल्यों के साथ इन्ही मेलों समागमों से उत्पन्न अमृत ऊर्जा से ही अक्षुण्य बनी हुई है।

जब ऐसे विशाल, महीने भर की अवधि तक चलने वाले भव्य आयोजन संपन्न होते हैं तो जन सैलाब जुटता है। स्वाभाविक रूप से वहां धार्मिक सांस्कृतिक नृत्य, नाटक मण्डलियों के आयोजन भी होते हैं, कला विकसित होती है। प्रिंट मीडिया व आभासी दुनिया के संचार संसाधनो में आज इस आयोजन की व्यापक चर्चा हो रही है। लगभग हर अखबार प्रतिदिन कुंभ की खबरों तथा संबंधित साहित्य के परिशिष्ट से भरा दिखता है। अनेक पत्रिकाओं ने तो कुंभ के विशेषांक ही निकाले हैं। कुंभ पर केंद्रित वैचारिक संगोष्ठियां हो रही हैं, जिनमें साधु संतो, मनीषियों और जन सामान्य की, साहित्यकारों, लेखकों तथा कवियों की भागीदारी से विकीपीडिया और साहित्य संसार लाभान्वित हुआ है। कुंभ के बहाने साहित्यकारों, चिंतकों को आंचलिक, सामाजिक परिवर्तनों की समीक्षा का अवसर मिलता है। विगत के अच्छे बुरे के आकलन के साथ साथ भविष्य की योजनायें प्रस्तुत करने तथा देश व समाज के विकास की रणनीति तय करने, समय के साक्षी विद्वानों, साधु संतों, मठाधीशों के परस्पर शास्त्रार्थो के निचोड़ से समाज को लाभान्वित करने का मौका यह आयोजन सुलभ करवाता है। क्षेत्र का विकास होता है, व्यापार के अवसर बढ़ते हैं।

कुंभ सदा से धार्मिक ही नहीं एक साहित्य और पर्यटन का सांस्कृतिक आयोजन रहा है और भविष्य में तकनीक के विकास के साथ और भी वृहद बनता जायेगा। इस वर्ष प्रयाग का कुंभ नये चैलेंज लिये आयोजित हो रहा है, हम सब की नैतिक व धार्मिक सामाजिक जिम्मेदारी है कि हम स्वयं का ख्याल व सावधानियां रखते हुये ही कुंभ स्नान व आयोजन में सहभागिता करें, क्योंकि यदि मन चंगा तो कठौती में गंगा। और मन तभी चंगा रह सकता है जब शरीर चंगा रहे। प्रयागराज में आयोजित हो रहा महाकुंभ इसी धार्मिक पर्यटन, सांस्कृतिक कार्यों की हमारी विरासत का साक्षी बना हुआ है।

संपादकीय

दोहरा निशाना

मतभेदों का सम्मान किया जाना चाहिए और सद्भाव से रहने की कुंजी एकजुटता है। यह कहना है राष्ट्रीय स्वयं सेवक प्रमुख मोहन भागवत ने महाराष्ट्र के भिवंडी में गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान ध्वाजारोहण के बाद कही। भागवत ने विविधा के संदर्भ में कहा कि गणतंत्र दिवस उत्सव के साथ-साथ राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारियों को याद करने का अवसर भी है। किसी को दबाया नहीं जाना चाहिए, आपकी अपनी विशेषताएं हो सकती हैं मगर आपको दूसरों के प्रति अच्छा व्यवहार करना चाहिए। यदि आपका परिवार दुखी है तो आप खुश नहीं रह सकते। अगर आप जीना चाहते हैं तो सामंजस्यपूर्ण जीवन जीना चाहिए। कुछ ही समय पहले भागवत द्वारा हर धर्म के देवी-देवताओं के सम्मान की भी बात की गई थी, जिस पर विवाद छिड़ गया था। सौहार्द और जिम्मेदारियों को लेकर की गई उनकी बात को लेकर एक बार फिर संदेह किया जा सकता है। संघ के तौर-तरीकों व विवादास्पद विचारों की बजाए भागवत का एकजुटता को लेकर दिया गया भाषण रणनीति भरा व दूरदर्शितापूर्ण कहा जा सकता है। मगर उनके विरोधियों को यह रास नहीं आ सकता। बहुसंख्यकों के हितों पर मुखर रूप से बोलने वाले भागवत अब देश में सभी को साथ रहने और इसे भारत की संस्कृति बताते हैं। हालांकि पिछले दिनों राम मंदिर निर्माण को देश की दूसरी आजादी से जोड़ने वाले उनके बयान पर कांग्रेस ने तल्ख टिप्पणी की थी। आरोप लगाया था कि वे संविधान को आजादी का प्रतीक नहीं मानते। यह कहना गलत नहीं है कि भागवत हिन्दुओं के नेता बनने की ललक के चलते विरोधाभाषी या विवादास्पद बयानबाजी करने से चूकना नहीं चाहते। भाजपा के संघ को दरकिनार करने के संकेतों से निपटने के लिहाज से भी वह पलटवार करते नजर आते हैं। कभी एक-दसरे के पूरक रहे भाजपा व संघ के मतभेदों को पाटने के उनके ये प्रयास भी हो सकते हैं। कड़वी गोलियों के दरम्यान कुछ मीठी चीजों को पल्रोभन के लिहाज से देते रहना भागवत की रणनीति का हिस्सा भी हो सकता है। विपटल पर अपनी छवि सुधारने और जनता के समक्ष अपना महत्त्व बनाये रखने के हथकंडों की उन्हें जरूरत है। जिस सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के बीज के दम पर भाजपा की फसल लहलहा रही है। उन बीज को संघ प्रमुख बेकार नहीं होने देना चाहेंगे, न ही उनके उन्नत संस्करणों पर पूरी तरह सत्ताधारी दल को काबिज ही होने देना चाहेंगे। विविधता व सामंजस्य की बात कर वह एक तीर से दो निशाने साधते नजर आ रहे हैं।

यूसीसी की प्रयोगशाला है उत्तराखंड

राकेश अचल

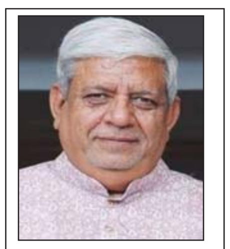

देश पर शासन करने वाली भाजपा और उसके सहयोगी दल सबको साथ लेकर सबका विकास करना ही नहीं चाहते ,इसका सबसे बड़ा प्रमाण है यूसीसी का उत्तराखंड में जबरन लागू किया जाना। भाजपा ने उत्तराखडं को यूसीसी की प्रयोगशाला बना दिया है। केंद्र यदि चाहता तो इस नए कानून को उत्तर प्रदेश समेत देश के उन तमाम राज्यों में एक साथ लागू करा सकता था जहाँ कि भाजपा की सरकारें है। लेकिन ऐसा नहीं किया गया ,क्योंकि केंद्र उत्तराखंड में इस कानून के नतीजे देखना चाहती है। इस कानून को अदालती परीक्षण से भी गुजरना चाहती है।

यूसीसी यानि समान नागरिक संहिता लागू करना भाजपा और संघ का बहुत पुराना सपना है। भाजपा के जरिये संघ अपने पुराने सपनों में खरामा-खरामा रंग भरने में जुटा है। छह साल पहले संघ ने भाजपा के जरिये जम्मू-कश्मीर से संविधान की धारा 370 हटाई और अब बारी समान नागरिक संहिता की है।भाजपा देश की विविधता को एक ही रंग में रंगना चाहती है और वो रंग है भगवा रंग। भाजपा को देश में एक भाषा,एक भूषा,एक खाना,एक चुनाव यानि सब कुछ एक चाहिए। अगर कुछ एक नहीं चाहिए तो वो है मुसलमानों की मौजूदगी।

मुझे भाजपा के इस अभियान से कोई आपत्ति नहीं है। भाजपा इस समय भारत -भाग्य विधाता है। वो जो चाहे सो करे ,कर सकती है। सत्ता उसके हाथ में है। लेकिन भाजपा भूल रही है कि पूरा देश उसके हाथ में नहीं है। केंद्र को यानि भाजपा को एक सम्मान नागरिक संहिता लागू करने से पहले ये जान लेना चाहिए कि देश में अलग-अलग क्षेत्रों की ,जातियों की परम्पराएं ,रीति-रिवाज एक नहीं है। उनमें दखल देना अक्षम्य अपराध है ,लेकिन भाजपा का चरित्र ही एक -दूसरे के मजहब में मदाखलत करने का है। इसके लिए भाजपा रोज नए रास्ते तलाश करती रहती है। पिछले दस साल से भाजपा यही सब तो कर रही है। इस मामले में भाजपा के अनुसन्धान निकाय का लोहा मानना पड़ेगा।

देश में एक सामान नागरिक संहिता और एक चुनाव ,एक भाषा लागू करने से पहले देश की तमाम आबादी का सामाजिक,शैक्षणिक और आर्थिक स्तर भी एक समान करना होगा। भाजपा भूल जाती है कि अभी देश में समानता से ज्यादा असमानता यानि की गैर बराबरी है। देश में आधी आबादी के पास न दो जून की रोटी है और न सिर पर छत या छप्पर। तन पर कपड़ा भी नहीं है। हर हाथ को काम भी नहीं है। 80 करोड़ जनता तो सरकार के पांच किलो अन्न पर जीवित है ,ऐसे में यूसीसी कैसे लागू की जा सकती है ? लेकिन इसका विस्मिल्लाह उत्तराखंड से हो गया है क्योंकि इस सूबे में यूसीसी से प्रभावित होने वालों की तादाद कमोवेश कम है और यहां इसका ज्यादा विरोध भी नहीं हो पायेगा ,होगा भी तो उससे निबट लिया जाएगा।

भाजपा की सरकार के दुस्साहस का लोहा मै शुरू से मानता आया हूँ। लेकिन भाजपा में अभी इतना साहस नहीं है कि वो यूसीसी को उत्तर प्रदेश या केरल जैसे राज्यों में लागू कर दिखाए। इसके लिए भाजपा को एक -दो जन्म और लेना पड़ेंगे। भाजपा चूंकि संघ का उत्पाद है इसलिए उसे एक-दो जन्म लेने में भी कोई संकोच नहीं होगा। भाजपा को पुनः मूषक होने की आदत है। आपको याद होगा कि इसी भाजपा की अखंड,प्रचंड बहुमत वाली सरकार ने कुछ समय पहले किसनों के लिए तीन विवादास्पद कानून बनाये थे,लेकिन जब उनका देशव्यापी विरोध हुआ तब ये तीनों कानून वापस भी लेना पड़े ,ये बात और है कि भाजपा की सरकार ने कानून वापस लेने से पहले देश के 700 किसानों की बलि ले 'ायूसीसी भी न जाने कितने बलिदान लेकर मानेगी

केंद्र सरकार की कोशिश है कि देश में शांति न रहे। कुछ न कुछ ऐसा होता रहे जिससे लोग चैन से न सो सकें। अब केंद्र उत्तराखंड में यूसीसी लागू करने के बाद वक्फ बोर्ड में गैर मुस्लिमों की घुसपैठ के साथ ही उसके मुकाबिल सनातन बोर्ड के गठन की रूपरेखा पर अमल करने वाले हैं। इस साल का महाकुम्भ इसका प्रयोग स्थल है। धर्म के ठेकेदार इस समय देश की सत्ता को संगम स्नान करने में लगे हुए हैं। सत्ता के एजेंडे पर काम करने में इन अखाड़ा प्रमुखों को कोई संकोच नहीं है। बल्कि देश के गृहमंत्री को गंगा स्नान करने में इन्हें अपना मोक्ष नजर आ रहा है। यानि सनातन धर्म भी अब सत्ता के समाने घुटनों के बल बैठ चुका है। गंगा ने शायद कभी हिन्दू-मुसलमान नहीं किया। उसमें सभी को नहाने की छूट दी,वो सभी के पाप धो देती है ,फिर चाहे वो चोर हो,जेबकट हो ,हत्यारा हो ,तड़ीपार हो। गंगा कभी ये नहीं कहती कि पहले हिन्दू बनकर आओ तभी मुझमें डुबकी लगाओ। लेकिन गंगा पुत्रों ने यही कोशिश की है कि गंगा को विधर्मी स्पर्श न कर लें। राजनीती करने वाले और धर्म के नाम पर दुकाने चलने वाले गंगा जैसी उदारता आखिर कहाँ से ला सकते हैं।

मुझे हैरानी होती है देश कि सबसे बड़ी अदालत के मौन पर ,क्योंकि देश की सबसे बड़ी अदालत ही अतीत में यूसीसी को डैड लैटर कह चुकी है लेकिन जब इसी कानून को उत्तराखंड में लागू किया जाता है तो सबसे बड़ी अदलात मौन साध लेती है। अब कोई जाये ,इस कानून को चुनौती दे ,तब शायद सबसे बड़ी अदालत इस कानून के सामविधान विरोधी चरित्र की समीक्षा करे। संविधान ने देश में 18 साल के बच्चों को मताधिकार दे दिया लेकिन यूसीसी इस उम्र के बच्चों को अपने मन से अपने जीवन साथी को चुनने का अधिकार नहीं देता। ये कानून कहता है कि यदि किसी बालिग को किसी के साथ लिव इन रिलेशन में रहना है तो पहले मम्मी-पापा से इजाजत लेकर आओ। क्या कमाल का प्रावधान है भाई!

बहरहाल उत्तराखंड की जनता को यूसीसी मुबारक हो। उत्तराखंड देवभूमि है। देवता हिन्दू-मुसलमान करते हैं या नहीं ,ये मै नहीं जानता। लेकिन मुझे इतना पता है कि ये कानून देश की समरसता को प्रभावित करेगा,इसलिए भाजपा को आग का ये खेल खेलने से पहले एक बार फिर इस कानून पर पुनर्विचार करना चाहिये। हम केवल सुझाव दे सकते हैं,सरकार का हाथ नहीं पकड़ सकत। ये काम तो जनता का है। जनता अपना काम करे या न करे, जनता की मर्जी है।

चिंतन-मनन

जो हो रहा है उसके जिम्मेदार हम खुद हैं

हम मनुष्यों की एक सामान्य सी आदत है कि दुःख की घड़ी में विचलित हो उठते हैं और परिस्थितियों का कसूरवार भगवान को मान लेते हैं। भगवान को कोसते रहते हैं कि हे भगवान हमने आपका क्या बिगाड़ा जो हमें यह दिन देखना पड़ रहा है। गीता में श्री कृष्ण ने कहा है कि जीव बार-बार अपने कर्मों के अनुसार अलग-अलग योनी और शरीर प्राप्त करता है। यह सिलसिला तब तक चलता है जब तक जीवात्मा परमात्मा से साक्षात्कार नहीं कर लेता। इसलिए जो कुछ भी संसार में होता है या व्यक्ति के साथ घटित होता है उसका जिम्मेदार जीव खुद होता है। संसार में कुछ भी अपने आप नहीं होता है। हमें जो कुछ भी प्राप्त होता है वह कर्मों का फल है। इश्वर तो कमल के फूल के समान है जो संसार में होते हुए भी संसार में लिप्त नहीं होता है। ईश्वर न तो किसी को दु?ख देता है और न सुख।

इस संदर्भ में एक कथा प्रस्तुत है? गौतमी नामक एक वृद्धा ब्राह्मणी थी। जिसका एक मात्र सहारा उसका पुत्र था। ब्राह्मणी अपने पुत्र से अत्यंत स्नेह करती थी। एक दिन एक सर्प ने ब्राह्मणी के पुत्र को डंस लिया। पुत्र की मृत्यु से ब्रह्मणी व्याकुल होकर विलाप करने लगी। पुत्र को डंसने वाले सांप के ऊपर उसे बहुत प्रोध आ रहा था। सर्प को सजा देने के लिए ब्राह्मणी ने एक सपेरे को बुलाया। सपेरे ने सांप को पकड़ कर ब्राह्मणी के सामने लाकर कहा कि इसी सांप ने तुम्हारे पुत्र को डंसा है, इसे मार दो। ब्राह्मणी ने संपरे से कहा कि इसे मारने से मेरा पुत्र जीवित नहीं होगा। सांप को तुम्ही ले जाओ और जो उचित समझो सो करो। संपेरा सांप को जंगल में ले आया। सांप को मारने के लिए संपेरे ने जैसे ही पत्थर उठाया, सांप ने कहा मुझे क्यों मारते हो, मैंने तो वही किया जो काल ने कहा था। संपेरे ने काल को ढूंढा और बोला तुमने सर्प को ब्राह्मणी के बच्चे को डंसने के लिए क्यों कहा। काल ने कहा ब्राह्मणी के पुत्र का कर्म फल यही था। मेरा कोई कसूर नहीं है। सपेरा कर्म के पहुंचा और पूछा तुमने ऐसा बुरा कर्म क्यों किया। कर्म ने कहा मुझ से क्यों पूछते हो, यह तो मरने वाले से पूछो मैं तो जड़ हूं। इसके बाद संपेरा ब्राह्मणी के पुत्र की आत्मा के पास पहुंचा। आत्मा ने कहा सभी ठीक कहते हैं। मैंने ही वह कर्म किया था जिसकी वजह से मुझे सर्प ने डंसा, इसके लिए कोई अन्य दोषी नहीं है। महाभारत के युद्ध में अर्जुन ने भीष्म को बाणों से छलनी कर दिया और भीष्म पितामह को बाणों की शैय्या पर सोना पड़ा। इसके पीछे भी भीष्म पितामह के कर्म का फल ही था। बाणों की शैय्या पर लेटे हुए भीष्म ने जब श्री कृष्ण से पूछा, किस अपराध के कारण मुझे

मुद्दा : मुफ्त की रेवड़ियों से बनती स रकार कितनी लाचार कितनी दमदार..!

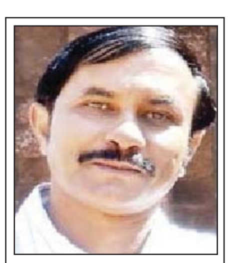

ऋतुपर्ण दवे

दरअसल दिल्ली विधानसभा चुनाव, गठन के बाद से ही बेहद अलग, दिलचस्प और इतर राजनीतिक पहचान को लेकर चर्चित रहे हैं। यह सही है कि मौजूदा सरकार के सुप्रीमों केजरीवाल जैसी मुफ्त की रेवड़ियों का वादा सभी पार्टियां और राज्य न केवल करने लगे हैं बल्कि पूरा भी करते हैं। ऐसे में इस बार के चुनाव वाकई दिल्ली वालों के लिए हर हाथ में लड्डू जैसे होंगे। इतना है कि इस बार मुकाबला न केवल कांटे का बल्कि त्रिकोणीय सा बनता जा रहा है। लेकिन यह भी सच है कि सरकार किसी की बने लुभावनी योजनाओं का अंबार होगा। इससे दिल्ली की कितनी तकदीर बदलेगी यही देखने लायक होगा।

दिल्ली का चुनावी सफर भी दिलचस्प है। 1952 में पहली बार राज्य विधानसभा का गठन हुआ तब 48 सीटें थीं। कांग्रेस ने 36 सीटों पर जबरदस्त जीत दर्ज की। 34 वर्ष के चौधरी ब्रम्ह प्रकाश मुख्यमंत्री बने जो नेहरू जी की पसंद थे। दरअसल कांग्रेस देशबंधु गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाना चाह रही थी लेकिन एक हादसे में उनकी मृत्यु के चलते ब्रम्ह प्रकाश एक्सीडेण्टल मुख्यमंत्री बने। बेहद साधारण पृष्ठभूमि से आने वाले रेवाड़ी के निवासी ब्रम्ह प्रकाश कभी भी मुख्यमंत्री आवास में नहीं रहे। बिना तामझाम काम करते और जनसाधारण के बीच रहते। 1955 में कांग्रेस ने गुरमुख निहाल सिंह को मुख्यमंत्री बनाया जो 1956 तक रहे। राज्य पुनर्गठन आयोग की सिफारिशों के चलते साल भर बाद दिल्ली विधानसभा भंग हुई 1966 में इसकी जगह मेट्रोपोलिटन काउंसिल बनी इसमें 56 निर्वाचित और पांच मनोनीत सदस्यों का प्रावधान था। लेकिन 1991 में 69वें संविधान संशोधन के जरिए दिल्ली विधानसभा की व्यवस्था हुई और 1992 में परिसीमन और 1993 में चुनाव हुए।

1993 में भाजपा बहुमत में आई। मदन लाल खुराना मुख्यमंत्री बने और 1956 के बाद दिल्ली को कोई मुख्यमंत्री मिला। लेकिन 5 साल में 3 मुख्यमंत्री बदले गए। खुराना को घोटाले के आरोपों के चलते कुर्सी छोड़नी पड़ी फिर साहिब सिंह वर्मा आए और महंगाई के मुद्दे पर ऐसे घिरे कि उन्हें भी इस्तीफा देना पड़ा इनके बाद सुषमा स्वराज को कमान मिली जो महज 52 दिन मुख्यमंत्री रहीं।

1998 के चुनाव में भाजपा ने सुषमा स्वराज को तो कांग्रेस ने शीला दीक्षित को आगे किया। कांग्रेस की जीत हुई और शीला दीक्षित मुख्यमंत्री बनीं। दिल्ली में फ्लाई ओवरों का जाल, मेट्रो रेल का विस्तार, डीजल की जगह सीएनजी के उपयोग को बढ़ावा और हरियाली पर खास ध्यान सहित दूसरे काम उनकी पहचान बने। 1998 से 2013 तक तीन बार लगातार दिल्ली की सत्ता पर कांग्रेस और शीला दीक्षित काबिज रहीं। इस बीच 2011 में जन लोकपाल विधेयक की मांग पर दिल्ली में अन्ना आंदोलन हुआ। अप्रेल में 5 दिन का आमरण अनशन और दोबारा 16 अगस्त से फिर अनशन बैठते ही देश भर में आन्दोलनों की दस्तक हुई। आखिर संसद में बिल पास हुआ और देखते-देखते अरविन्द केजरीवाल, मनीष सिसोदिया संजय सिंह, आतिशी और कई चेहरे भारतीय राजनीति के नए हीरो बन गए। आम आदमी पार्टी ने 2013 का दिल्ली चुनाव लड़ा और 15 वर्षों से काबिज कांग्रेस सरकार गिरा दी। 70 सीटों में भाजपा ने 32 जीती फिर भी बहुमत से दूर रही। आम आदमी पार्टी 28 सीटें जीतने के बाद कांग्रेस की 7 सीटों के समर्थन से सरकार बनाने में कामियाब रही और अन्ना आन्दोलन से उपजे केजरीवाल पहली बार मुख्यमंत्री बने।

कहते हैं राजनीति शह-मात का खेल है। आप और कांग्रेस की नहीं निभी। आखिर 49 दिन में सरकार गिर गई और राष्ट्रपति शासन लग गया। 2015 में फिर चुनाव हुए। इसमें दिल वालों की दिल्ली ने केजरीवाल पर अपनी उम्मीदों की बख्शीस खूब लुटाई। 70 में से 67 रिकॉर्ड सीटें जीतकर केजरीवाल भारतीय राजनीति के नए सितारे बन गए। भाजपा केवल 3 सीटें तो कांग्रेस खाता भी नहीं खोल पाई। केजरीवाल भी अपनी तमाम घोषणाओं पर अमल करते रहे। नतीजन 2020 में एक बार आम फिर आदमी पार्टी ने 62 सीटें तो भाजपा 8 से आगे नहीं बढ़ पाई। कांग्रेस शून्य पर ही रही। लुभावनी योजनाओं का असर दिखा। आप को फिर बहुमत मिला और केजरीवाल मुख्यमंत्री बने। इसके बाद विवादों में घिरे, जेल गए और मुख्यमंत्री पद छोड़ा। अब दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी भले हैं लेकिन पार्टी सुप्रीमो केजरीवाल ही हैं।

बेहतरीन सरकारी स्कूल, मोहल्ला क्लीनिक, महिलाओं को मुफ्त बस सुविधा, 200 यूनिट बिजली फ्री, 20 हजार लीटर मुफ्त पानी, बुजुर्गों का मुफ्त तीर्थ दर्शन जैसी अन्य योजनाओं के साथ नई-नई घोषणाएं करते केजरीवाल तो 1998 से 2013 तक के कार्यकाल को दिल्ली का स्वर्णिम काल बता कांग्रेस असली विकास और उपलब्धियां गिनाते नहीं थकती, आगे तमाम मुफ्त योजनाओं से भी परहेज करते नहीं दिखती। वहीं भाजपा मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र की तर्ज पर महिलाओं को हर महीने धनराशि देने, मौजूदा योजनाओं को न केवल जारी रखने बल्कि उसमें बढ़ोत्तरी करने जैसा संकल्प यानी एक से एक

लुभावनी घोषणाओं का पिटारा खोल आम आदमी पार्टी को चुनौती देने में कोई कसर छोड़ते नहीं दिखती। मुफ्त की रेवड़ियों, लोक-लुभावन घोषणाओं के बीच दिल्ली का प्रदूषण, यमुना की गंदगी, बदहाल सड़कें, बरसात में डूबते पुल-पुलिया, पीने के पानी की किल्लत, बढ़ते अपराध और इन सबसे ऊपर दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा जैसे अहम मुद्दे काफी पीछे छूट गए हैं। काश! एक करोड़ की आबादी खातिर मौजूदा संसाधनों वाली दिल्ली में तीन करोड़ लोग कैसे रहते हैं को देखने, सुनने वाले जैसे आम आदमी के मुद्दों की भी बात होती! लेकिन फिलाहाल माल-ए-मुफ्त, दिल-ए-बेरहम की तर्ज पर मतदाताओं को लुभाने में कोई पीछे नहीं दिखता। अब दिल्ली की बात कौन करे? देखने लायक होगा कि त्रिकोणीय मुकाबले में कौन किसको कितना नुकसान पहुंचाता है और बाजी जीतता है।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ 09 पटना झ 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

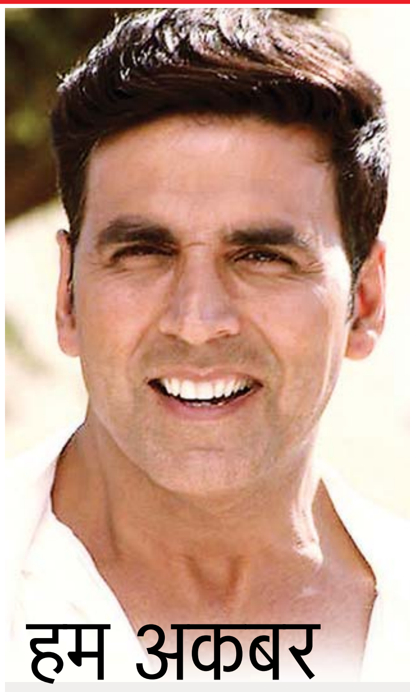

हम अकबर औरंगजेब के बारे में पढ़ते हैं लेकिन...

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने हाल ही में एक इंटरव्यू में इतिहास की किताबों में सुधार की जरूरत पर जोर दिया। वह अपनी नई फिल्म स्काई फोर्स के प्रमोशन के दौरान इस मुद्दे पर बात कर रहे थे। अक्षय ने कहा कि इतिहास की किताबों में भारतीय सैनिकों की वीरता की कहानियों को भी शामिल किया जाना चाहिए, क्योंकि अक्सर हमें अकबर और औरंगजेब जैसी शख्सियतों के बारे में पढ़ने को मिलता है, लेकिन हमारे असली नायक, जिनकी बहादुरी ने देश को बचाया है, उनकी कहानियां नदारद रहती हैं।

जानबूझकर चुनता हूं ऐसी कहानियां

एक इंटरव्यू के दौरान अक्षय ने कहा, हमारी किताबों में बहुत सारी चीजें नहीं हैं। मैं जानबूझकर उन किरदारों को चुनता हूं जो हमारी किताबों का हिस्सा नहीं हैं। मैं यही करना चाहता हूं। ये सभी अनजाने नायक हैं। उन्होंने यह भी कहा कि लोग इन नायकों के बारे में इसलिए नहीं जानते, क्योंकि कोई भी इनकी कहानी को गहराई से नहीं खोजता। अक्षय ने कहा, मैं इस प्रकार के किरदारों को चुनता हूं, क्योंकि ये कहानियां बहुत महत्वपूर्ण हैं।

इतिहास की किताबों में सुधार की जरूरत

अक्षय ने आगे कहा, इतिहास की किताबों में कई चीजें सुधारने की जरूरत है। हमें अकबर और औरंगजेब के बारे में तो पढ़ने को मिलता है, लेकिन हमारे खुद के नायकों के बारे में नहीं। इनका नाम भी किताबों में होना चाहिए। अभिनेता ने उन बहादुर सैनिकों का भी उल्लेख किया, जिन्हें परम वीर चक्र जैसे सम्मान मिले हैं। उन्होंने कहा कि उनकी साहसिक कहानियों को भी महत्व देना चाहिए। अक्षय ने कहा हमारे पास सेना से जुड़ी बहुत सारी कहानियां हैं, जिनमें से कई सैनिकों को परम वीर चक्र मिला है। मुझे लगता है कि इतिहास को ठीक करने की जरूरत है। साथ ही, ऐसे ही नायकों की कहानियां नई पीढ़ी को बताई जानी चाहिए।

केओ आहूजा के किरदार में दिखेंगे अक्षय

फिल्म स्काई फोर्स में अक्षय कुमार विंग कमांडर केओ आहूजा का किरदार निभा रहे हैं, जो भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर ओम प्रकाश तनेजा पर आधारित है। 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान ओम प्रकाश तनेजा ने दुश्मन के विमान और रनवे को नष्ट करके वीरता का परिचय दिया था, जिसके लिए उन्हें वीर चक्र से सम्मानित किया गया था।

ये सितारे भी फिल्म में हैं मौजूद

फिल्म में अक्षय के साथ वीर पहाडिया, निम्रत कौर और सारा अली खान भी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म का निर्देशन अभिषेक अनिल कपूर और संदीप केवलानी ने किया है। यह फिल्म 24 जनवरी को रिलीज होने जा रही है।

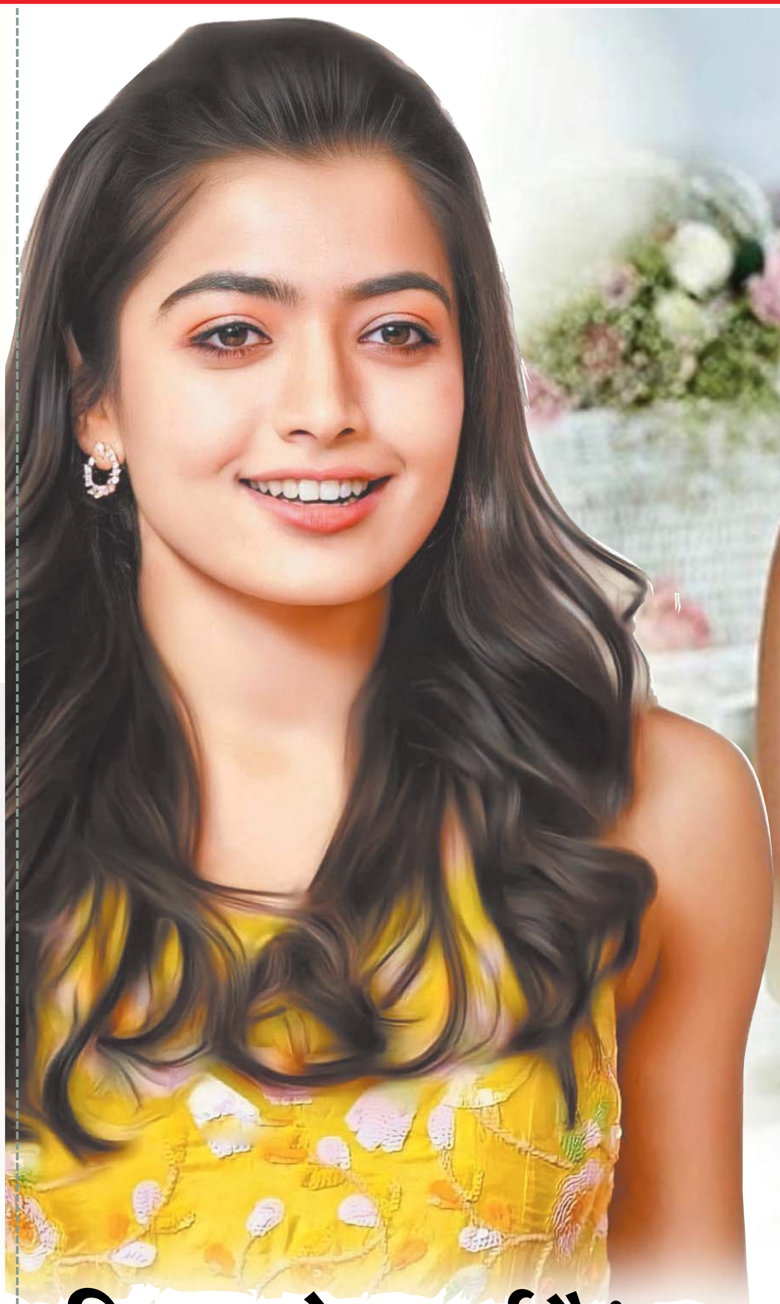

रशिमका ने बढ़ाई फैंस की टेंशन, क्या 'छावा' के बाद ले लेंगी संन्यास?

रशिमका मंदाना और विक्की कौशल की फिल्म 'छावा' का ट्रेलर रिलीज हुआ। सोशल मीडिया पर फिल्म के ट्रेलर ने तहलका मचा दिया। ट्रेलर लॉन्च में नजर आने के बाद अभिनेत्री ने कहा कि वह इस प्रोजेक्ट से इतनी खुश हैं कि वह खुशी-खुशी रिटायर हो सकती हैं।

मैं रिटायर भी हो सकती हूं

ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान रशिमका ने फिल्म और अपने किरदार को लेकर अपना अनुभव साझा किया। अभिनेत्री ने इस दौरान फैंस को हैरान करने वाली बात कह दी। फिल्म की प्रशंसा करते हुए रशिमका ने हंसते हुए कहा, मैं अभी निर्देशक लक्ष्मण सर से बात कर रही थी, मुझे लगता है कि इस रोल के बाद तो मैं रिटायर भी हो सकती हूं। अभिनेत्री ने कहा कि महारानी यसुबाई का किरदार निभाना किसी प्रिविलेज से कम नहीं। फिल्म और इसके ट्रेलर के बारे में और बात करते हुए, रशिमका ने कहा, इस ट्रेलर को देखकर मेरा दिल भर आया, विक्की ने जो किया उसे देखकरज्वह लगभग भगवान जैसे दिखते हैं...वह छावा हैं। यह अविश्वसनीय है।

चोटिल पैर के साथ ट्रेलर लॉन्च इवेंट में पहुंचीं अभिनेत्री

रशिमका हाल ही में जिम में ट्रेनिंग करते हुए चोटिल हो गई थीं। अभिनेत्री 'छावा' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में अभिनेत्री अपने चोटिल पैर के साथ पहुंचीं, जिसके बाद वह सुर्खियों में आ गईं। इस दौरान विक्की कौशल ने उन्हें स्टेज पर चढ़ने में मदद की, जिसके बाद फैंस उनकी तारीफ करने लगे।

छावा एक ऐतिहासिक एक्शन फिल्म है, जिसमें विक्की कौशल मुख्य भूमिका में हैं, जो मराठा राजा छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर केंद्रित है। यह फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज की मृत्यु के बाद उनके जीवन की घटनाओं को दर्शाती है। फिल्म में रशिमका मंदाना ने महारानी येसुबाई की भूमिका निभाई है। उनके अलावा, फिल्म में आशुतोष राणा, दिव्या दत्ता, विनीत कुमार सिंह, डायना पेंटी और कई अन्य कलाकार भी शामिल हैं।

रशिमका मंदाना वर्क फ्रंट

रशिमका मंदाना के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह धनुष और नागार्जुन अक्किनेनी स्टारर 'कुबेर' में भी मुख्य भूमिका निभाने वाली हैं। इसके अलावा वह सलमान खान के साथ 'सिकंदर' में भी नजर आएंगी।

क्यों साउथ की फिल्में नहीं करना चाहती हैं सामंथा

सामंथा रुथ प्रभु की आखिरी बार विग्नेश शिवन की तमिल फिल्म काथुवाकुला रेंदु काधल में देखा गया था। इसके बाद वह बॉलीवुड वेब सीरीज सिटाडेल हनी बनी में नजर आईं। लेकिन सामंथा को जाने क्या हो गया है कि वह अब साउथ की फिल्में नहीं करना चाहती हैं। हालांकि, उनकी फिल्म रक्त ब्रह्मांड चर्चा में जरूर है। सामंथा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म रक्त ब्रह्मांड को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। सामंथा रूथ प्रभु की पिछले साल सिटाडेल हनी बनी आई थी। इस सीरीज में सामंथा बॉलीवुड अभिनेता वरुध धवन के साथ जमकर एक्शन करती नजर आईं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार एक इंटरव्यू में, सामंथा ने खुलासा किया कि वह अपनी भूमिकाओं को लेकर काफी सेलेक्टिव रही हैं। यही वजह है कि वह ऐसी भूमिकाओं को टाल रही हैं, जो उन्हें चुनौती नहीं देती हैं। सामंथा ने तमिल फिल्में साइन न करने का कारण बताते बुए कहा, कई फिल्में करना आसान है, लेकिन मुझे लगता है कि मैं अपने जीवन के उस मुकाम पर हूं, जहां हर फिल्म को ऐसा महसूस होना चाहिए कि यह आखिरी है। फिल्म में उस तरह का प्रभाव होना चाहिए। यही वजह है कि मैं खुद को इस तरह क की फिल्म करने के लिए तैयार नहीं कर सकती। सामंथा की आखिरी तमिल फिल्म 2022 की काथुवाकुला रेंडु काधल थी। सामंथा ने द फैमिली मैन 2, सिटाडेल- हनी बनी के साथ कई प्रोजेक्ट पर काम किया है और हाल ही में, वह रक्त ब्रह्मांड में दिखाई देने वाली हैं। सामंथा का कहना है कि इन प्रोजेक्ट में उन्हें कुछ अनोखा करने का मौका मिला। उन्होंने कहा, अच्छे कारण से वे (राज और डीके) ही हैं, जिन्होंने मुझे अधिक से अधिक चुनौतियों की चाहत के साथ बिगाड़ा है। जब मैं हर दिन काम पर जाती हूं, तो एक अभिनेता के रूप में किसी भूमिका को इतना अधिक देना बेहद संतोषजनक होता है। और अगर मुझे हर दिन वह एहसास नहीं होता है, तो मैं काम पर नहीं जाना चाहती।

क्या सारा अली खान को डेट कर रहे हैं अर्जुन प्रताप बाजवा?

सारा अली खान की लव लाइफ तब से चर्चा में है, जब से उन्होंने सुशांत सिंह राजपूत के साथ केदारनाथ में डेब्यू किया था। पिछले साल उनके अभिनेता और मॉडल अर्जुन प्रताप बाजवा के साथ डेटिंग करने की अफवाह उड़ी थी। उन्हें केदारनाथ में उनके साथ देखा गया था। अब, एक साल बाद अर्जुन ने डेटिंग अफवाहों पर टिप्पणी करते हुए कहा, लोगों को जो लिखना है, वे लिखेंगे।

डेटिंग की अफवाह पर बोले प्रताप बाजवा

हाल ही में एक साक्षात्कार में अर्जुन ने चल रहीं अफवाहों पर प्रतिक्रिया व्यक्त की और कहा कि यह उनका काम है, जबकि वह सिर्फ खुद पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, तो, लोगों को जो भी लिखना है, वे लिखेंगे। यह उनका काम है। वे अपना काम कर रहे हैं। मैं सिर्फ अपने आप पर और मुझे क्या करना है, इस पर ध्यान केंद्रित करता हूं और यह वास्तव में मुझे परेशान नहीं करता है। इस बीच सारा ने अभी तक डेटिंग अफवाहों पर प्रतिक्रिया नहीं दी है।

कौन हैं प्रताप बाजवा

प्रताप बाजवा पंजाब में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ सदस्य और राजनीतिज्ञ फतेह सिंह बाजवा के बेटे हैं। वह सिंह इज ब्लिंग में सहायक थे और उन्होंने बैंड ऑफ महाराजा फिल्म में काम किया है। अभिनेता और मॉडल होने के अलावा, वह फिटनेस के भी शौकीन हैं। वह एक प्रशिक्षित एमएमए फाइटर हैं।

सारा अली खान की फिल्म

इस बीच सारा अली खान वीर पहाड़िया के साथ अपने पिछले रिलेशनशिप की अफवाहों के कारण चर्चा में हैं। दोनों ने हाल ही में रिलीज हुई फिल्म स्काई फोर्स में एक साथ काम किया था, जिसमें उन्होंने एक-दूसरे के पति-पत्नी का किरदार निभाया था। दर्शकों द्वारा उनकी शानदार केमिस्ट्री की तारीफ की जा रही है।

वीर पहाड़िया ने स्काईफोर्स के लिए ली जान्हवी कपूर से सलाह

फिल्म स्काईफोर्स में वीर पहाड़िया बॉलीवुड में अपना डेब्यू कर रहे हैं। वीर अपने इंडस्ट्री के दोस्तों और करीब परिवार जान्हवी कपूर से टिप्स लेते रहते हैं। उन्होंने इस बारे में अब खुलकर बात की है। उभरते हुए अभिनेता ने अपने भाई की गर्लफ्रेंड से टिप्स लेने की बात स्वीकार की और कहा मैं उनसे कोई भी सलाह मांगने का मौका नहीं छोड़ता। उन्होंने कहा, मेरे सभी दोस्त अभिनेता हैं, मैं उनसे कोई भी सलाह लेने का मौका नहीं छोड़ता। और वह काफी अनुभवी हैं। तो हां, मैंने तो कई सारी चीजों को लेकर बात की है। अपनी आगामी फिल्म स्काईफोर्स को लेकर वीर पहाड़िया ने बात की है। उन्होंने कहा कि फिल्म गुंजन सक्सेना में भी जान्हवी ने एक कारगिल गर्ल का किरदार निभाया है, ठीक वैसे ही आगामी एक्शन फिल्म निभाने जा रहे हैं।

इसके लिए उन्होंने जान्हवी कपूर से सलाह ली थी। वीर पहाड़िया आगे कहते हैं, 'स्क्वाड्रन लीडर अज्जामद बोपय्या देवय्या का किरदार निभाने को लेकर मैं डर हुआ था।

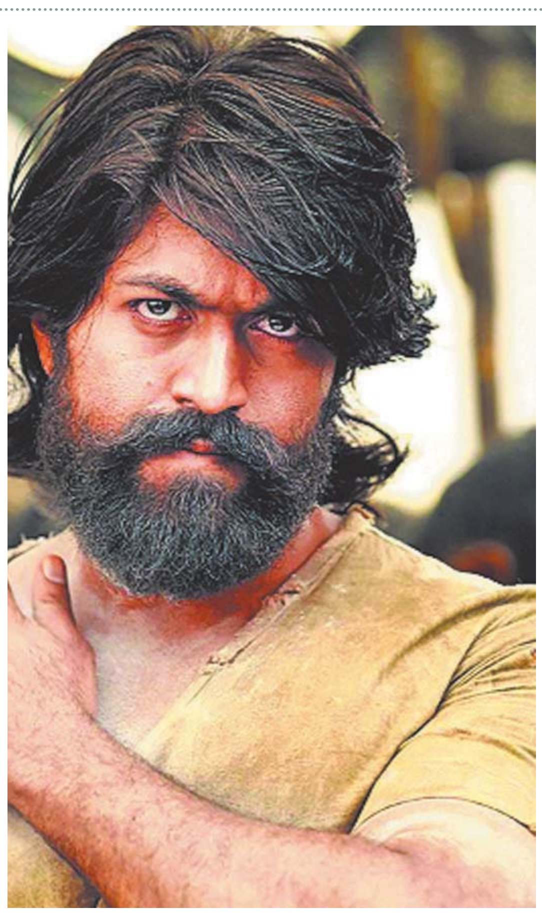

कभी चाय बेचकर रोजाना 50 रुपये कमाए, अब फिल्म के लिए ली 200 करोड़ की फीस

पैन इंडिया फिल्म केजीएफ ने साउथ अभिनेता यश को भारत ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में पहचान दिलाई। वह इस फिल्म से पैन इंडिया पैन इंडिया स्टार भी बना दिया। केजीएफ के बाद इसके दूसरे भाग ने तो दर्शकों के बीच यश की लोकप्रियता को आसमान तक पहुंचा दिया। दोनों फिल्मों ने कुल मिलाकर 1500 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की, जो अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली कन्नड़ फिल्मों में से एक है। इस सफलता ने यश को सुपरस्टार के रूप में स्थापित किया, लेकिन यहां तक पहुंचना यश के लिए आसान नहीं था। एक साधारण बस ड्राइवर के बेटे के रूप में शुरुआत करने वाले यश ने सफलता के लिए लंबा सफर तय किया। जब यश की उम्र सिर्फ 16 साल थी, तब उन्होंने अपने माता-पिता को घर छोड़ने और सिनेमा में अपना सपना पूरा करने के लिए मना लिया था। उन्हें एक कन्नड़ फिल्म में सहायक निर्देशक के तौर पर काम पर रखा गया था। हालांकि, बैंगलोर पहुंचने के दो दिन बाद ही इस प्रोजेक्ट को बंद कर दिया गया। इस बारे में बात करते हुए अभिनेता ने कहा, मैं अपने घर से भाग गया। जब मैं बेंगलुरु आया तो मैं पहुंचते ही डर गया। इतना बड़ा, डराने वाला शहर, लेकिन मैं हमेशा से ही एक आत्मविश्वासी लड़का था। मैं संघर्ष करने से नहीं डरता था। जब मैं बेंगलुरु पहुंचे, तो मेरी जेब में सिर्फ 300 रुपये थे। मुझे पता था कि अगर मैं वापस गया तो मेरे माता-पिता मुझे कभी यहां वापस नहीं आने देंगे।

ऐसे शुरू हुआ यश का फिल्मी सफर

यश के पास सिर्फ 300 रुपये थे और वह बेनका ड्रामा ट्रूप में शामिल हो गए। यहां वह बैकस्टेज हैंड के तौर पर काम करते थे। यहां वह चाय परोसने जैसे छोटे-मोटे काम करते थे और 50 रुपये प्रतिदिन कमाते थे। थिएटर में अपनी कला को निखारने के साथ-साथ यश ने कॉलेज में भी दाखिला लिया। आखिरकार, उन्हें टीवी सीरीज नन्दा गोकुला में अभिनय का मौका मिला, जहां उनकी मुलाकात अभिनेत्री राधिका पंडित (अब पत्नी) से हुई। 2007 में, यश ने रॉकी (2008) में मुख्य भूमिका निभाने से पहले, जांबाडा हुडुगी में सहायक भूमिका के साथ फिल्मों में कदम रखा।

कई हिट फिल्मों में काम कर चुके हैं यश

आखिरकार यश को मोडालासाला में रोमांटिक कॉमेडी के साथ एक प्रमुख स्टार के रूप में सफलता मिली। अगले वर्ष उन्होंने किराटका की सफलता के साथ खुद को एक बैंकेबल स्टार के रूप में स्थापित किया। अगले कुछ वर्षों में उन्होंने मोगिना मनासु, ड्रामा, गुगली, मिस्टर एंड मिसेज रामचारी और मास्टरपीस जैसी हिट फिल्में दीं।

केजीएफ से मिला स्टारडम

2018 में यश ने केजीएफ- चैप्टर 1 में अभिनय किया, जिसने 250 करोड़ की कमाई करके बॉक्स ऑफिस के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। यह अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली कन्नड़ फिल्म थी। यह रिकॉर्ड चार साल तक कायम रहा। उसके बाद केजीएफ- चैप्टर 2 ने 1250 करोड़ रुपये की शानदार कमाई करके इसे तोड़ दिया। यह फिल्म अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों में से एक है और 1000 करोड़ रुपये से ज़्यादा की कमाई करने वाली इकलौती कन्नड़ फिल्म है। कन्नड़ सिनेमा से बाहर भी यश की दुनिया केजीएफ से मिले नेशनल स्टारडम ने यश को कन्नड़ सिनेमा से बाहर निकलने में मदद की।

स्पर्श श्रीवास्तव निभाएंगे नेगेटिव रोल

एनसी24 में नागा चैतन्य के साथ लापता लेडीज के अभिनेता नजर आने वाले हैं। लेकिन इस बार वह किसी हीरो के किरदार में नहीं बल्कि एक विलेन के रोल में नजर आएंगे। आइए जानते हैं यहां किस अभिनेता की बात हो रही है। नवंबर 2024 में, आधिकारिक तौर पर घोषणा की गई कि थंडेल अभिनेता नागा चैतन्य और विरुपाक्ष निर्देशक कार्तिक वर्मा दंडू ने एक अखिल भारतीय रहस्यवादी थ्रिलर के लिए हाथ मिलाया है, जिसका शीर्षक अस्थायी रूप से एनसी 24 रखा गया है। फिल्म अभी प्री-प्रोडक्शन चरण में है। जानकारी के अनुसार, कथित तौर पर इस फिल्म में लापता लेडीज में अपनी भूमिका के लिए मशहूर अभिनेता स्पर्श श्रीवास्तव को खलनायक की भूमिका के लिए चुना गया है।

अंडर-19 विश्व कप : तृषा की शतकीय पारी, भारत ने स्कॉटलैंड को 150 रन से रौंदा

तृषा अंडर 19 महिला टी20 विश्व कप में शतक लगाने वाली पहली खिलाड़ी बनी

कुआलालंपुर (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज तृषा गोंगाडी ने अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप का पहला शतक जड़कर इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज कराया जिससे भारत ने मंगलवार को यहां स्कॉटलैंड को 150 रन से करारी शिकस्त दी। सलामी बल्लेबाज तृषा ने 59 गेंद की नाबाद पारी में 13 चौके और चार छक्के की मदद से 110 रन की पारी खेली। उन्होंने पहले विकेट के लिए कमालिनि जी (42 गेंद में 51 रन) के साथ 147 रन की साझेदारी करने के बाद सानिका चालके (20 गेंद में नाबाद 29 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 61 रन की अटूट साझेदारी की।

भारत ने ग्रुप एक के इस मैच में 20 ओवर में एक विकेट पर 208 रन बनाने के बाद स्कॉटलैंड को 14 ओवर में 58 रन पर आउट कर दिया। स्कॉटलैंड के लिए सलामी बल्लेबाज पिप्पा केली (12) और एम्मा वालसिंघम (12) शीर्ष स्कोरर रहीं। बायें हाथ की स्पिनर आयुषी शुक्ला (आठ रन पर चार विकेट) की अगुवाई में भारतीय गेंदबाजों ने स्कॉटलैंड को मैच में वापसी का कोई मौका नहीं दिया। वैष्णवी शर्मा ने पांच रन पर तीन विकेट लिये जबकि बल्ले से कमाल करने वाली तृषा ने छह रन देकर तीन बल्लेबाजों को चलता किया।

ग्रुप के अन्य मैच में बांग्लादेश ने अपने अभियान का अंत सुपर सिक्स चरण में वेस्टइंडीज पर 10 विकेट की जीत के साथ किया। वेस्टइंडीज को छह विकेट पर 54 रन पर रोकने के बाद बांग्लादेश ने जुएरिया फिरदौस के नाबाद 25 रन की मदद से 13 ओवर में जीत दर्ज की। इस जीत से टीम ग्रुप एक में तीसरे स्थान पर रही। ग्रुप दो में बारिश के कारण दक्षिण अफ्रीका और अमेरिका का मैच शुरू हुए बिना रद्द हो गया। दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है। इस मैच से एक अंक मिलने के बाद अमेरिका ग्रुप तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गया।

दिनेश कार्तिक ने धोनी को पछाड़ा, सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विकेटकीपर बने

स्पोर्ट्स डेस्क। पूर्व भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक जो वर्तमान में SA20 2025 में पार्ल रॉयल्स के लिए खेल रहे हैं, ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। 39 वर्षीय कार्तिक 27 जनवरी को डरबन सुपर जायंट्स के खिलाफ 15 गेंदों पर 21 रन बनाकर टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय विकेटकीपर बन गए।

कार्तिक ने अब टी20 में 361 पारियों में 7,451 रन बनाए हैं और इस तरह उन्होंने भारत के दिग्गज विकेटकीपर एमएस धोनी को पीछे छोड़ दिया है जिन्होंने अब तक 342 पारियों में 7,432 रन बनाए हैं। धोनी के पास आगामी आईपीएल सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते हुए इस रिकॉर्ड को फिर से अपने नाम करने का मौका होगा।

कार्तिक अब टी20 में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले भारतीय विकेटकीपरों में सबसे आगे हैं, लेकिन आईपीएल में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले विकेटकीपरों का रिकॉर्ड अभी भी धोनी के नाम है। लीग में धोनी के नाम 5,125 रन हैं और दूसरे नंबर पर कार्तिक हैं जिनके नाम 4,463 रन हैं।

एसए20 में कार्तिक की टीम पार्ल रॉयल्स ने मौजूदा सीजन में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने अब तक अपने 8 में से 7 मैच जीते हैं और फिलहाल 28 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर हैं। दिलचस्प बात यह है कि पार्ल रॉयल्स हाल ही में फ्रैंचाइजी क्रिकेट में पहली ऐसी टीम भी बनी है जिसने अपने सभी ओवर केवल स्पिनरों से ही कराए।

आजकल घरेलू क्रिकेट से लय हासिल कर रहे शुभमन

बेंगलुरु (एजेंसी)। युवा बल्लेबाज शुभमन गिल पिछले कुछ समय से अपनी नाम के अनुरुप बल्लेबाजी नहीं कर पा रहे हैं। इसी को लेकर शुभमन का कहना है कि वह कई बार बेहतर प्रदर्शन करने को लेकर जरुरत से ज्यादा दबाव ले लेते हैं। शुभमन आजकर रणजी ट्रॉफी में अपनी बल्लेबाजी को निखारने में लगे हैं। शुभमन ने कर्नाटक के खिलाफ शानदार शतक लगाकर अपनी टीम को बेहतर स्थिति में भी पहुंचाया। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में उनका प्रदर्शन खराब रहा था। वह 5 पारियों में 18.60 के खराब औसत से 93 रन ही बना पाए थे। अपनी फार्म को लेकर शुभमन ने कहा कि मुझे लगता है कि जिस तरह से मैंने खेला, रणजी की पारी मेरे लिए बहुत संतोषजनक थी। मुझे लगता है कि हम किसी भी स्तर पर कोई भी पारी खेलें, रन बनाने, फॉर्म में वापस आने और वैसा महसूस करने में सक्षम होना बहुत महत्वपूर्ण है। जब आप उस क्षेत्र में रहते हुए अच्छा खेल रहे हों, तो उसमें बने रहना महत्वपूर्ण है वह क्षेत्र जितना संभव हो सके उतना लंबा था और जब मैं वहां बल्लेबाजी कर रहा था तो मैं यही करने की कोशिश कर रहा था।

हालांकि वह अभी भी टेस्ट क्रिकेट में अपने प्रदर्शन से संतुष्ट हैं, उनका कहना है कि बड़ा स्कोर बनाने का दबाव बहुत अधिक हो जाता है और इससे उनका ध्यान और एकाग्रता खो जाती है। उन्होंने अपनी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने की क्षमता पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कभी-कभी, मुझे लगता है कि लाल गेंद से मैं जो मैच खेलता हूं उनमें मुझे बहुत अच्छे 25-30 रन मिलते हैं। उन्हें बड़े स्कोर में बदलने के लिए कई बार मैं अपने ऊपर बहुत अधिक दबाव ले लेता हूं। मैं इस तरह से अपना खेल खेलते हुए बड़ा नहीं हुआ हूं। शुभमन का 32 टेस्ट और 59 पारियों के बाद टेस्ट औसत सिर्फ 35.05 है। उन्होंने अपने करियर में 5 शतक, 7 अर्धशतक और 128 के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ 1,893 रन बनाए हैं। वहीं अपनी 59 में से 34 टेस्ट पारियों में वह 20 से ज्यादा रन नहीं बना पाए।

जसप्रीत बुमराह ने जीता 'सर गारफील्ड सोबर्स' अवॉर्ड, आईसीसी पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2024 बनाकर रचा नया कीर्तिमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के बेहतरीन गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने सर गारफील्ड सोबर्स अवॉर्ड जीतकर नया कीर्तिमान रचा है। उन्होंने आईसीसी पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2024 बनाकर नया कार्तिमान रच दिया। वह प्रतिष्ठित सर गारफील्ड सोबर्स अवॉर्ड जीतने वाले पहले भारतीय तेज गेंदबाज बन गए हैं। बुमराह ने पिछले साल कमाल का प्रदर्शन किया। उन्होंने 2024 में सबसे ज्यादा 86 विकेट अपने नाम किए। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 71 विकेट झटके। उन्होंने 2024 का आईसीसी पुरुष टेस्ट क्रिकेट ऑप द ईयर पुरस्कार भी अपने नाम किया है। बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज ट्रैविस हेड, इंग्लैंड के दिग्गज जो रूट और युवा क्रिकेटर हैरी ब्रूक को पछाड़ा है। ये ट्रॉफी एक साल में सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले क्रिकेटर को दी जाती है। पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड का नाम दुनिया के महान क्रिकेटर्स में से एक गारफील्ड सोबर्स के नाम पर रखा गया है। वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर को को गैरी सबोर्स के नाम से भी जाना जाता है। जसप्रीत बुमराह से पहले भारत के लिए राहुल द्रविड़ के अलावा सचिन तेंदुलकर, रवि अश्विन और विराट कोहली ने प्रतिष्ठित सर गारफील्ड सोबर्स पुरस्कार जीता है। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को विराट कोहली ने 2 बार जीता। लेकिन ये पहली बार हुआ है जब किसी भारतीय तेज गेंदबाज ने सर गारफील्ड सोबर्स पुर्सकार जीता हो। बता दें कि, सर गारफील्ड पुरस्कार जीतने वाले पहले भारतीय राहुल द्रविड़ हैं। राहुल द्रविड़ को सर गारफील्ड सोबर्स पुरस्कार 2024 से नवाजा गया था। इसके बाद सचिन तेंदुलकर को सर गारफील्ड सोबर्स पुरस्कार 2010 से सम्मानित किया गया। वहीं रवि अश्विन ने साल 2026 में सर गारफील्ड सोबर्स पुरस्कार अपने नाम किया। जबकि विराट कोहली ने लगातार 2 साल 2017 और 2018 में ये अवॉर्ड अपने नाम किया।

रोहित , यशस्वी ओर श्रेयस अब रणजी मुकाबले नहीं खेलेंगे

मुंबई। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के अलावा यशस्वी जायसवाल और श्रेयस अय्यर रणजी ट्रॉफी के बाकि मैचों में नहीं खेलें । इन तीनो को आगामी चैम्पियंस ट्रॉफी की तैयारियों को देखते हुए रणजी ट्रॉफी से रिलीज कर दिया गया है। रोहित एकदिवसीय और चैम्पियंस ट्रॉफी में उतरने वाली भारतीय टीम के कप्तान हैं। वहीं यशस्वी और अय्यर भी इस टीम का हिस्सा हैं। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) के एक अधिकारी ने कहा कि अब ये तीनो ही भारतीय टीम से जुड़ेंगे। रोहित पिछले काफी समय से लय में नहीं हैं। मुम्बई की ओर से खेले एकमात्र रणजी मैच में भी वह उन बनाने में असफल रहे। न्यूजीलैंड के खिलाफ धरेलू सीरी[ज] के बाद ऑस्ट्रेलिया दौरे में भी उनका बल्ला खामोश रहा था। इसेक बाद से ही वह आलोचन शिकार हुए थे। ऑस्ट्रेलिया में तीन मैचों में वह 31 रन ही बना पाए। रोहित को कुछ दिग्गज खिलाड़ियों ने टीम से बाहर किये जाने को कहा था। रोहित ऑस्ट्रेलिया में अंतिम टेस्ट से स्वयं ही बाहर हो गये थे और उनके इस फैसले की सभी ने तारीफ की थी।

नेमार के साथ अनुबंध आपसी सहमति से समाप्त कर दिया गया : अल–हिलाल क्लब

रियो दि जिनेरियो । सऊदी अरब के क्लब अल–हिलाल ने कहा है कि उसकी स्ट्राइकर नेमार के साथ आपसी सहमति से अनुबंध समाप्त करने के लिए सहमति बनी है। किसी भी पक्ष ने अनुबंध समाप्त करने के विवरण की पुष्टि नहीं की। कभी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक माने जाने वाले ब्राजील के 32 वर्षीय नेमार ने क्लब के लिए केवल सात मैच खेले जिसमें उन्होंने केवल एक गोल किया और दो गोल करने में मदद की। एसीएल (पैर की चोट) चोट के कारण अक्टूबर 2023 से बाहर रहने के बावजूद बार्सीलोना और पेरिस सेंट जर्मेन टीम के पूर्व खिलाड़ी नेमार को पिछले सत्र में सऊदी लीग जीतने वाली टीम में शामिल किया गया था। इस साल के फीफा क्लब विश्व कप में अल–हिलाल के हिस्सा लेने के बाद नेमार के साथ उनका करार समाप्त होने वाला था। क्लब विश्व कप 15 जून से 13 जुलाई के बीच अमेरिका में खेला जाएगा। क्लब ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया चैनलों पर प्रकाशित एक बयान में कहा कि वह नेमार के प्रति आभार व्यक्त करता है और उनकी प्रशंसा करता है। स्ट्राइकर नेमार अगस्त 2023 में पेरिस सेंट जर्मेन से सऊदी क्लब में नौ करोड़ यूरो (नौ करोड़ 40 लाख डॉलर) में शामिल हुए। यह उन कई करार मेंसे एक था जिसने अरब देश को दुनिया के नए बड़े फुटबॉल बाजारों में से एक बना दिया। लेकिन नेमार को अपने करियर की सबसे गंभीर एसीएल चोट लग गई जब वह अल–हिलाल में शामिल होने के कुछ ही महीनों बाद ब्राज़ील के लिए खेल रहे थे।

कोंस्टास नहीं हेड करेंगे श्रीलंका के खिलाफ पारी की शुरुआत : स्मिथ

गॉल । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम की कप्तानी कर रहे स्टीव स्मिथ ने कहा है कि बुधवार से मेजबान श्रीलंकाई टीम के खिलाफ शुरू हो रहे पहले टेस्ट मैच में सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा के साथ ट्रेविस हेड पारी की शुरुआत करेंगे। वहीं पहले माना जा रहा था कि युवा सैम कोंस्टास ख्वाजा के जोड़ीदार के तौर पर उतरेंगे। स्मिथ ने कहा कि पिच की लगातार बदलती प्रकृति के कारण वह अभी तक अंतिम ग्यारह खिलाड़ियों को लेकर फैसला नहीं कर पाये हैं। कोंस्टास ने बॉडर गावस्कर सीरीज में अपने पहले दो टेस्ट मैचों में अच्छी बल्लेबाजी की थी। साल 2023 में ऑस्ट्रेलिया के भारत दौरे के अंतिम दो टेस्ट मैचों में चोटिल सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर की जगह उतरते हुए हेड ने जिस प्रकार को प्रदर्शन किया था उससे वह सलामी बल्लेबाज के तौर पर स्थापित हो गये थे। स्मिथ ने अंतिम प्री–टेस्ट प्रशिक्षण सत्र से पहले कहा, ट्रैविस शीर्ष पर जाएगा, मुझे लगता है कि इसके अलावा यह काफी स्थिर रहेगा। मुझे नहीं लगता कि टीम में बहुत ज़्यादा बदलाव होगा। चयनकर्ताओं को भारत में जो कुछ देखने को मिला, वह उन्हें पसंद आया, जब भी हेड को अवसर मिला। वह नई गेंद के पीछे गया, तेज़ी से रन बनाए और गेंदबाजों पर दबाव बनाया, इसलिए मुझे लगता है कि यहां भी यही सोच रहेगी है। अभी ये तय नहीं है कि कोंस्टास मध्य–क्रम बल्लेबाज के रूप में उतरेंगे। मध्य–क्रम की खाली जगह के लिए उनका मुकाबला नाथन मैकस्वीनी और जोश इंगलिस से हैं।

पार्ल रॉयल्स की एसएक20 में रिकॉर्ड जीत, डरबन्स सुपर जाइंट्स बाहर

पार्ल (एजेंसी)। पार्ल रॉयल्स ने एसएक20 लीग में डरबन्स सुपर जाइंट्स (डीएसजी) को छह विकेट से हराकर घरेलू मैदान पर सभी पांच मैच जीतने का नया रिकॉर्ड बनाया। यह पहली बार है जब प्रतियोगिता के लीग चरण में कोई टीम घरेलू मैदान पर अजेय रही है। डीएसजी की टीम प्रतियोगिता से बाहर हो गई है क्योंकि पिछले सत्र की उप विजेता टीम अब प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकती।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरे सुपर जाइंट्स ने 33 रन तक तीन विकेट गंवा दिए थे लेकिन मार्कस स्टोइनिस (नाबाद 55) के नाबाद अर्धशतक और केन विलियमसन (45) के साथ उनकी 53 रन की साझेदारी की बदौलत टीम सात विकेट पर 143 रन बनाने में सफल रही। रॉयल्स की ओर से ब्योर्न फोरटुइन ने 20 जबकि क्वेन मफाका ने 22 रन देकर दो-दो विकेट चटकाए।

रॉयल्स ने इसके जवाब में रूबिन हरमन की 59 रन की पारी और हुआन ड्रे-प्रिटोरियस (43) के साथ उनकी दूसरे विकेट की 91 रन की साझेदारी से 19.5 ओवर में चार विकेट पर 147 रन बनाकर जीत दर्ज की। इस जीत से रॉयल्स की टीम आठ मैच में सात जीत से 28 अंक के साथ अंक तालिका के शीर्ष पर बरकरार है। डीएसजी की टीम नौ मैच में सिर्फ एक जीत से आठ अंक के साथ अंतिम पायदान पर है।

आईपीएल में गलत टीम से खेले डिविलियर्स : मांजरेकर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर अपने विवादित बयानों के कारण चर्चओं में बने रहते हैं। अब उन्होंने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज रहे एबी डिविलियर्स ने आईपीएल में गलत टीम से खेला था। डिविलियर्स ने शुरुआत में दिल्ली डेयरडेविल्स के लिए आईपीएल में तीन सत्र खेले थे। वहीं 2011 की आईपीएल मेगा ऑक्शन में वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) में शामिल हुए और 2021 में अपने करियर को अलविदा कहने तक उसकी ओर से ही खेलते रहे। डिविलियर्स ने 184 आईपीएल मैचों में 5162 रन बनाए लेकिन कभी टीम को आईपीएल खिताब नहीं जिता पाये। उन्होंने 2011 और 2016 में आरसीबी के साथ आईपीएल फाइनल खेला पर दोनों बार टीम हार गयी। 14 साल के अपने आईपीएल करियर में खिताब न जीतने के बावजूद डिविलियर्स आईपीएल में खेलने वाले सबसे बड़े क्रिकेटरों में से एक हैं। मांजरेकर के अनुसार डिविलियर्स का आरसीबी ने सही तरीके से उपयोग नहीं किया। मांजरकेर का कहना है कि डिविलियर्स को टॉप आर्डर में आना चाहिए था और उन्होंने यह भी कहा कि एबी ने गलत फ्रेंचाइजी के लिए खेला।

श्रीलंका के खिलाफ इस प्रकार के बदलावों के साथ उतरेंगे : हेड

कोलंबो (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के के उप-कप्तान ट्रैविस हेड ने कहा है इस माह के अंत में श्रीलंका दौरे में उनकी टीम इस प्रकार के बदलावों के साथ उतरेगी। दोनो ही टीमों के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज 29 जनवरी से गॉल शुरु होगी। इस सिरीज से पैट कमिंस के बाहर होने के कारण अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ टीम की कप्तानी करेंगे। हेड ने कहा, मुझे नहीं पता कि मैं इस समय किस क्रम पर बल्लेबाजी करने जा रहा हूं। हम देखेंगे कि अगले कुछ दिनों में विकेट कैसा रहता है। हम इंतजार करेंगे और देखेंगे कि क्या बदलाव आते हैं। मुझे लगता है कि हमारी टीम में शामिल खिलाड़ी काफी अनुभवी है और इसमें कुछ बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं जो विभिन्न भूमिकाओं और विभिन्न हालातों में ढ़ल सकते हैं, हम अलग-अलग लोगों को शामिल कर सकते हैं। ये सवाल उठ रहा है कि ऑस्ट्रेलिया को पारी की शुरुआत के लिए इस सीरीज में उस्मान ख्वाजा के साथ युवा सैम कोंस्टास को भेजना ठीक रहेगा या नहीं इसी को लेकर हेड ने कहा, हम बस इतना करने का प्रयास कर रहे हैं कि टेस्ट मैच जीतने के लिए क्या लचीलापन हो सकता है और उसी पर ध्यान देंग। इस समय बहुत से लोग जानना है रहे है कि मैं कहां बल्लेबाजी कर सकता हूं, पर ये हालातों पर आधारित रहेगा। ये सभी खिलाड़ियों के साथ होगा। मुझे लगता है कि यह टीम काफी अनुभवी है और एक बेहतरीन स्थिति में है, जहां खिलाड़ी जरूरत पड़ने पर हर जगह पर उतरने के लिए तैयार रहेंगे। हम इंतजार करेंगे और देखेंगे।

ऑस्ट्रेलिया ने ज ब 2022 में श्रीलंका का दौरा किया था तब हेड ने तीन पारियों में ब ल्ले से सिर्फ 7.66 का औसत बनाया था और उन्हें नागपुर में भ रत के खिलाफ शुरुआती टेस्ट से बाहर रखा गया था। लेकिन व ह भारत में अगले तीन टेस्ट में 47 का औसत बनाने में सफल रहे जिसमें इंदौर में मैच जीतने वाली पारी भी शामिल है। अब श्रीलंका लौटने पर हेड ने कहा कि 2022 की तुलना में अब व ह एक बदले हुए बल्लेबाज हैं। हेड ने कहा, मैं पिछली बार यहा और पाकिस्तान में थोड़े बदलाव से गुजरा था। मैंने थोड़ा और प रंपरिक खेलने का प्रयास किया। वह भारतीय सीरीज ऐसी थी जो एक या दूसरे तरीके से जा सकती थी। मैं अच्छा नहीं खे ता, और शायद मैं फिर कभी उपमहाद्वीप का दौरा न देखूं। या वहां जाकर वही करूं जो मैं पिछले कुछ सालों से कर रहा हूं औ थोड़ा अधिक आराम से खेलूं और इस बारे में चिंता न करूँ वि परिणाम क्या हो सकता है।

आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी के टिकटों की ऑनलाइन बिक्री शुरु होने की घोषणा की

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की घोषणा के बाद ही 19 फरवरी से होने वाली चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए टिकटों की ऑनलाइन बिक्री शुरु हो गयी है। प्रशंसकों को टिकटों के लिए आईसीसी की अधिकारिक वेबसाइट पर पहले पंजीकरण करना होगा। आईसीसी के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी अनुराग दहिया ने कहा, 'हम आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए आधिकारिक टिकटों की बिक्री की घोषणा शुरु करने को लेकर उत्याहित हैं। आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए सबसे कम कीमत का टिकट 1000 पाकिस्तानी रुपए (लगभग 310 भारतीय रुपये) रखा है जबकि 'प्रीमियम सीटिंग टिकट की सबसे कम कीमत कीमत 1500 पाकिस्तान रुपए (लगभग 465 भारतीय रुपये) रहेगी। 9 मार्च को आयोजित होने वाले फाइनल का टिकट दुबई में खेले जाने वाले पहले सेमीफाइनल के समापन के बाद खरीदने के लिए उपलब्ध होगा। चैम्पियंस ट्रॉफी की मेजबानी पाकिस्तान हाइब्रिड मॉडल के आधार पर कर रहा है। इसमें भारतीय टीम के मुकाबले संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होंगे। पाकिस्तान चरण के लिए टिकटों की बिक्री आज शुरु हुई पर अभी तक मेजबान पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) स्टेडियमों का नवीनीकरण कार्य तक पूरा नहीं करा पाया है। पाकिस्तान को 30 जनवरी को स्टेडियमों को आईसीसी को सौपना है पर कराची, लाहौर और रावलपिंडी के ये आयोजन स्थल अब तक पूरी तरह से तैयार नहीं हुए हैं। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम के मैच दुबई में खेले जाएंगे और उनके लिए टिकटों की ब्रिकी अभी शुरु नहीं हुई है। वहीं पीसीबी ने इस खबरों को गलत बताया है जिसमें कहा गया है कि रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम, लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम और कराची के नेशनल बैंक स्टेडियम में निर्माण कार्य में देरी के कारण इस स्थलों पर होने वाले मैच देश से बाहर कराये जाएंगे।

आईसीसी पर भड़के चैपल , मजबूत बोर्ड अपने अनुसार कार्यक्रम तैयार करा रहे

–दो–स्तरीय प्रणाली अब तक लागू हो जानी चाहिये थी

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के कामकाज के तरीके की कड़ी आलोचना की है। चैपल ने कहा कि आईसीसी क्रिकेट को बढ़ावा देने की जगह पर एक एक 'इवेंट मैनेजमेंट कंपनी की तरह काम कर रही है। चैपल के अनुसार आईसीसी की इसी कमजोरी का लाभ उठारक आर्थिक रूप से मजबूत बोर्ड अपने अनुसार कार्यक्रम तैयार कर रहे हैं पर इससे टेस्ट क्रिकेट को नुकसान हो रहा है। चैपल का यह भी मानना है कि टेस्ट क्रिकेट के लिए अब तक दो-स्तरीय प्रणाली लागू कर देंनी चाहिए थी पर ऐसा नहीं हुआ है। उन्होंने इसके साथ ही कहा कि खेल के पारंपरिक प्रारूप को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए अन्य अहम कदम भी उठाए जाने चाहिए थे पर आईसीसी ने अब तक ऐसा कुछ नहीं किया है।

चैपल ने कहा कि द्विस्तरीय टेस्ट प्रणाली को लेकर वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाजी चैंपियन माइकल होल्डिंग ने कहा था, अपनी सभी गलतियों के बावजूद फीफा कम से कम फुटबॉल का संचालन तो ठीक से करता है पर आईसीसी ऐसा नहीं कर रहा। उन्होंने कहा कि इससे खेल में मुशिलें आ रही हैं। आईसीसी क्रिकेट का सही से संचालन नहीं करती है और जब तक उसकी सोच में बदलाव नहीं आता है तब तक आर्थिक रूप से संपन्न देश अपने स्वार्थ के लिए उसके जरिये कार्यक्रम तैयार करते रहेंगे।

चैपल ने हालांकि माना की भारत से क्रिकेट की आय में लगभग 70 प्रतिशत का योगदान होता है और आईसीसी में उसकी मजबूत उपस्थिति इस योगदान के कारण ही है। उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट को दो भागों में विभाजित करने की जरुरत है। जिससे भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी बड़ी टीमों को एक दूसरे के खिलाफ अधिक मैच खेलने के अवसर मिलेंगे। ऑस्ट्रेलिया के बेहतरीन कप्तानों में से एक चैपल का मानना है कि कुछ मानदंडों के साथ टीमों के लिए शीर्ष श्रेणी में आने और निचली श्रेणी में फिसलन की प्रणाली होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दो स्तरीय टेस्ट प्रणाली काफी पहले ही लागू हो जानी चाहिए थी क्योंकि कुछ टीमें ही पांच दिवसीय प्रारूप में प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम हैं। चैपल ने इसके साथ ही कहा कि अफगानिस्तान और आयरलैंड जैसे देशों को टेस्ट दर्जा नहीं दिया जाना चाहिए था लेकिन स्वार्थवश यह कदम उठाया गया।

छात्र यहां बसने की उम्मीद लेकर ना आएं : कनाडा

ओटावा । कनाडा के इमिग्रेशन मिनस्टर ने भी एक बयान में कहा है कि स्टडी वीजा पर आने वाले छात्र यहां बसने की उम्मीद लेकर ना आएं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय, साइमन फेजर विश्वविद्यालय और विक्टोरिया विश्वविद्यालय जैसे प्रमुख संस्थानों का कहना है कि उनके अंतरराष्ट्रीय छात्र नामांकन स्तर पहले से ही 30 प्रतिशत की सीमा से नीचे हैं। ऐसे में नई गाइडलाइन से उन पर कोई सीधा प्रभाव नहीं पड़ेगा। हालांक क्वांटलेन पॉलिटेक्निक विश्वविद्यालय ने 2023-24 शैक्षणिक वर्ष के लिए अपने 36 प्रतिशत नामांकन के साथ नई सीमा को पार कर लिया है। इस महीने प्रभावी होने वाले दिशानिर्देशों में आगामी वर्ष से तय समय सीमा को फॉलो करना होगा। कनाडा सरकार वर्तमान में तेजी से जनसंख्या वृद्धि के बीच आप्रवासन को धीमा करने के प्रयास में विदेशी छात्रों के लिए दीर्घकालिक वीजा जारी करने की भी समीक्षा कर रही है। इमिग्रेशन मिनस्टर मार्क मिलर ने विदेशी छात्रों की संख्या को घरेलू बाजार की मांग के अनुपात में रखने पर जोर दिया है। कनाडा की नीति शिक्षित आप्रवासियों और छात्रों का स्वागत करने की रही है लेकिन हालिया समय में उसकी नीति में बदलाव आया है। मंत्री मिलर इस बात पर जोर दे रहे हैं कि स्टडी वीजा को कनाडा में बसने की गारंटी की तरह नहीं देखा जाना चाहिए। स्टडी वीजा पढ़ाई की इजाजत देता है और उसे उसी तरह से देखा जाना चाहिए। बता दें कि कनाडा में विदेशी छात्रों की संख्या को सीमित करने के लिए ब्रिटिश कोलंबिया (बीसी) प्रान्त की सरकार ने नए दिशा निर्देश जारी किए हैं। बीसी सरकार ने सार्वजनिक पोस्ट सेकेंडरी संस्थानों में अंतरराष्ट्रीय छात्र नामांकन को कुल छात्रों के 30 प्रतिशत तक सीमित कर दिया है। पोस्ट सेकेंडरी एजुकेशन एंड स्किल मिनिस्ट्री ने कहा है कि छात्रों के नामांकन की सीमा तय करने का मकसद संस्थानों पर दबाव कम करना है। गाइडलाइन में सार्वजनिक विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को अंतरराष्ट्रीय शिक्षा रणनीतिक योजना प्रस्तुत करनी होगी। कॉलेजों की निगरानी प्रांत के प्रशासन की ओर से की जाएगी।

15 राज्यों के गवर्नर हेरिस के समर्थन में, लोकप्रियता में ट्रंप पिछड़े

न्यूयॉर्क । वर्तमान राष्ट्रपति वाइडेन के चुनाव मैदान से हटने और कमला हैरिस का नाम राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में सामने आने के बाद, अमेरिका की राजनीति में जबरदस्त उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा है। कमला हैरिस का नाम सामने आते ही रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप की लोकप्रियता में 10 फ़ीसदी की गिरावट देखी जा रही है। जिन राज्यों से ट्रंप को भारी समर्थन मिल रहा था। उन राज्यों में भी कमला हैरिस का नाम सामने आने के बाद ऑनलाइन सर्वे में ट्रंप की लोकप्रियता में गिरावट आई है। कमला हैरिस को 24 घंटे के अंदर 15 डेमोक्रेटिक गवर्नर तथा 55 सीनेटरों का समर्थन मिला है। राष्ट्रपति पद के लिए कमला हैरिस का नाम सामने आते ही, अब डोनाल्ड ट्रंप को अपनी रणनीति को बदलना पड़ रहा है। डोनाल्ड ट्रंप को कमला हैरिस के पक्ष में जो सहानुभूति की लहर चल रही है। उसका मुकाबला करना पड़ेगा। कमला हैरिस अमेरिका के इतिहास में राष्ट्रपति पद के लिए पहली अश्वेत महिला हैं। अमेरिका की 25 फ़ीसदी आबादी अश्वेत मतदाताओं की है। कमला हैरिस गर्भपात के अधिकार की समर्थक रही हैं। कमला हेरिस अटॉर्नी रह चुकी हैं। वह ट्रंप के क्रिमिनल रिकॉर्ड को चुनावी प्रचार का हथकंडा बनाएंगी। ट्रंप के लिए कमला हेरिस को घेरना अब मुश्किल हो जाएगा।

10 घंटे में 435 करोड़ का चंदा – कमला हैरिस की उम्मीदवारी घोषित होते ही 10 घंटे के अंदर 435 करोड रुपए का चंदा इकट्ठा हुआ। 2020 के चुनाव में एक दिन के अंदर 295 करोड रुपए का रिकॉर्ड चंदा एकत्रित हुआ था। इस बार 10 घंटे में ही 435 करोड रुपए इकट्ठे हो गए।

अमेरिका के फ्लोरिडा का फोर्ड लाडरडेल अरबपतियों का नया पसंदीदा शहर

न्यूयॉर्क । अमेरिका के फ्लोरिडा का फोर्ट लाडरडेल शहर अरबपतियों का नया ठिकाना बन रहा है। फ्लोरिडा के इस शहर में बड़ी संख्या में अरबपति आकर बस रहे हैं। यहां की प्रॉपर्टी में याटपार्क करने की सुविधा है। जैफ बेजोस, कैन ग्रिफिन, लियोनेल मेसी जैसे दिग्गज यहां पर प्रॉपर्टी ले चुके हैं। अन्य अरबपति और ख़रबपति भी यहां प्रॉपर्टी में निवेश कर रहे हैं। पिछले डेढ़ साल में यहां संपत्तियों की कीमतें बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। डेढ़ साल पहले जो बंगला ढाई सौ करोड रुपए का था। अब वह 400 करोड रुपए में बिका है। कहा जा रहा है, अरबपतियों का यह नया गढ़ बन गया है। जिसके कारण आने वाले समय में यहां प्रॉपर्टी की कीमत और भी तेजी के साथ बढ़ेगी।

सऊदी सरकार का फैसला, अब स्थानीय लोगों को दी जाएगी नौकरी, भारतीयों पर मंडराने लगा खतरा

रियाद। सऊदी अरब की सरकार ने नौकरियों में स्थानीय लोगों को ज्यादा मौका देने का फैसला लिया है। सऊदी अरब ने निजी क्षेत्र में 25 फीसदी इंजीनियरिंग नौकरियां स्थानीय लोगों के लिए आरक्षित कर दी हैं। नौकरियों को लोकेलाइज करने का यह फैसला 21 जुलाई से लागू कर दिया गया है। देश के मानव संसाधन और सामाजिक विकास मंत्रालय, नगर निगम और आवास मंत्रालय ने इस संबंध में ये फैसला किया है। स्थानीयकरण का ये फैसला इंजीनियरिंग व्यवसायों में पांच या उससे ज्यादा कामगारों को रोजगार देने वाले निजी प्रतिष्ठानों पर लागू होगा। छोटे प्रतिष्ठानों, जिनमें कर्मचारियों की संख्या चार तक है, वहां ये नियम लागू नहीं होगा। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि ये फैसला कई क्षेत्रों में देश के पुरुष और महिला नागरिकों के लिए रोजगार के ज्यादा अवसर पैदा करेगा। सऊदी के इस फैसले से स्थानीय लोगों को नौकरी मिलने में आसानी होगी। देश में केमिकल इंजीनियर, सिविल इंजीनियर, फ्लाइट इंजीनियर, स्ट्रक्चरल इंजीनियर, मैकेनिकल इंजीनियर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियर के जॉब काफी संख्या में हैं। सऊदी सरकार ने इंजीनियरिंग में रोजगार बढ़ाने के लिए भी कई कदम उठाए हैं। प्रतिष्ठानों को मदद के लिए मानव संसाधन विकास कोष एचएडीएएफ ने प्रोत्साहन और सहायता, भर्ती प्रक्रियाओं और उपयुक्त श्रमिकों की खोज, प्रशिक्षण और व्यावसायिक योग्यता, भर्ती प्रक्रिया और कैरियर निरंतरता का समर्थन का फैसला लिया है। पिछले कुछ सालों में सऊदी अरब ने 2030 तक बेरोजगारी को सात फीसदी तक कम करने के लिए कई क्षेत्रों में श्रमिकों के सऊदीकरण की घोषणा की है, जो आय स्रोतों में विविधता लाने और तेल पर निर्भरता को कम करने के विजन 2030 के लक्ष्य के अनुरूप है। सऊदी सरकार के इस फैसले का सीधा असर भारतीय कामगारों पर भी होगा। सऊदी में काम करने वालों की संख्या करीब 26 लाख है। सऊदी में भारतीय करीब हर क्षेत्र में नौकरियां कर रहे हैं। इसमें ड्राइवर, सफाईकर्मी, रसोइया, नर्स के अलावा इंजीनियरिंग क्षेत्र की नौकरियां शामिल हैं। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस अपने महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट विजन 2030 के तहत सऊदी अरब के हर क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन कर रहे हैं। इसी क्रम में सऊदी में नौकरियों में आरक्षण का फैसला लिया गया है।

ट्रम्प पर हमले में अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने माना हुई बड़ी चूक

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर हुए हमले से जुड़ी एक बड़ी खबर आई है जिसमें बताया गया है कि सीक्रेट सर्विस से भारी चूक हुई है। सीक्रेट सर्विस के डायरेक्टर किम्बरली ने माना कि ट्रम्प पर हमला दशकों में

सबसे बड़ी चूक है। संसद में अपनी पेशी के दौरान किम्बरली चिटेल ने यह बयान दिया। डोनाल्ड ट्रम्प पर हमले को रोकने दशकों में सीक्रेट सर्विस की बड़ी नाकामी है। इसकी वजह से ट्रंप घायल हो गए थे। हालांकि पहली गोली चलाने के 26 सेकंड बाद एक सीक्रेट सर्विस स्नाइपर ने हमलावर को मार गिराया था। हमले के बाद डायरेक्टर किम्बली चीटल के खिलाफ सुनवाई चल रही है। रिपब्लिकन कमिटी के अध्यक्ष जेम्स कॉमर ने कहा कि इस घटना को रोका जा सकता था। राष्ट्रपति जो बाइडन ने डोनाल्ड ट्रंप की हत्या के प्रयास के बाद राष्ट्रपति पद के स्वतंत्र उम्मीदवार रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर की सुरक्षा करने का आदेश यू.एस. सीक्रेट सर्विस' को दिया था। कैनेडी के अभियान कार्यक्रमों ने समर्थकों और उनके संदेश में रुचि रखने वाले लोगों की बड़ी भीड़ को आकर्षित किया है। बता दें पेंसिल्वेनिया में गत शनिवार को एक रैली में हुई गोलीबारी में ट्रंप बाल-बाल बच गए और उन्हें गंभीर चोट नहीं आई थी। हमले की स्वतंत्र समीक्षा की गई।

ताइवान में एक महिला सैनिकों को नदी के करीब किसी दुश्मन को रोकने के लिए बारूदी सुरंग लगाते हुए देखती हुई।

नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा को लेकर 'स्पष्ट और दृढ़', भारतीय क्षेत्रों पर दावा

-पीएम बनते ही ओली ने उठाया सीमा विवाद का मुद्दा

काठमांडू। नेपाल के नवनियुक्त पीएम के.पी.ओली शर्मा ने कहा कि भारत के साथ सीमा से जुड़े मुद्दों को कूटनीतिक तंत्र के जरिए हल करने के लिए तैयार है और काठमांडू अपनी अंतरराष्ट्रीय सीमा के बारे में 'स्पष्ट और दृढ़' है। प्रतिनिधि सभा में विश्वास मत हासिल करने के एक दिन बाद सांसदों के सवालों का जवाब देते हुए ओली ने कहा कि सरकार इस बात पर दृढ़ और स्पष्ट है कि 1816 की सुगौली संधि के अनुसार, लिम्पियाधुरा, कालापानी और लिपुलेख समेत महाकाली नदी के पूर्व में स्थित क्षेत्र नेपाल के हैं। ओली ने कहा कि संघीय संसद और नेपाल सरकार का रुख देश की अंतरराष्ट्रीय सीमा से जुड़े मुद्दों को लेकर स्पष्ट और दृढ़ है। उन्होंने कहा कि नेपाल ने एक नया मानचित्र अपनाया है, जिसे 2017 में संविधान में दूसरे संशोधन के जरिए से शामिल किया गया है और इसके अनुलग्नक तीन में उल्लेख किया गया है और हमारी अंतरराष्ट्रीय सीमा के बारे में अभूतपूर्व राष्ट्रीय सहमति बनी है। ओली ने 15 जुलाई को नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। उन्होंने कहा कि नेपाल और भारत के प्रधानमंत्रियों के बीच उच्चस्तरीय यात्राओं के दौरान हुई मुलाकातों में दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तंत्र के जरिए अंतरराष्ट्रीय सीमा से जुड़े मुद्दों को सुलझाने पर सहमति बनी है। ओली ने कहा कि 4 जनवरी को आयोजित नेपाल-भारत विदेश मंत्री स्तरीय संयुक्त आयोग की सातवीं बैठक के दौरान नेपाल-भारत सीमा से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की गई थी और नेपाल-भारत सीमा के शेष हिस्सों पर लंबित कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

चीनी भाई-भाई, इजरायल-यूएस की नाक के नीचे बीजिंग ने 17 साल पुराने 2 दुश्मनों की दोस्ती कराई

बीजिंग (एजेंसी)। इजरायल और फिलिस्तीन की जंग रूकने का नाम नहीं ले रही है। लगातार बढ़ती ही जा रही है। इन सब के बीच चीन से ऐसी खबर सामने आई है जो अमेरिका और इजरायल दोनों की टेंशन बढ़ा सकती है। हूती की लड़ाई अलग लेवल पर पहुंच गई है तो हिज्जबुल्ला ने भी अपने हमले बहुत तेज कर दिए हैं। इजरायल के ऊपर इसका असर दिखने लगा है। कुछ वक्त पहले की बात है जब रूस में हमास और फिलिस्तीन के अन्य संगठनों की मीटिंग हुई थी। इसके पीछे का मकसद था कि जंग के खत्म होने के बाद गाजा-वेस्ट बैंक के इलाके में सारे फिलिस्तीनी मिलकर काम करे। अब हाल में ही चीन में एक मीटिंग हुई है जो बहुत ही महत्वपूर्ण है। चीन की इस मीटिंग में फतह, हमास और इसके अलावा 14 अलग अलग आजाद फिलिस्तीन के एक्टिव संगठन मौजूद थे। इन सारे विभिन्न संगठनों में आपस में ही गतिरोध रहा है और जिसका फायदा इजरायल को मिलता रहा है। चीन के विदेश मंत्री और हमास के अधिकारियों ने कहा कि प्रतिद्वंद्वी फिलिस्तीनी गुटों हमास और फतह ने चीन की मध्यस्थता में हुई एक बैठक में इजराइल के साथ युद्ध के बाद कब्जे वाले वेस्ट बैंक और गाजा के लिए एक अंतरिम राष्ट्रीय सुलह सरकार बनाने पर सहमति व्यक्त करते हुए एक घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं।

बीजिंग में तीन दिनों की वार्ता के बाद 12 अन्य फिलिस्तीनी गुटों के साथ समूहों के प्रतिनिधियों ने एकता के लिए काम करने का वादा किया। यह हमास और फतह के बीच लंबे समय से खंडित संबंधों के बीच हुए कई सुलह समझौतों में से नवीनतम है, जिनमें से किसी के भी कारण अभी तक विवाद का अंत नहीं हुआ है। इज़राइल ने वहां शत्रुता समाप्त होने के बाद

गाजा पर शासन करने में हमास या फतह की भूमिका से भी इंकार कर दिया है। गहरा विभाजन 2007 में शुरू हुआ जब फतह को क्षेत्र से हिंसक तरीके से बेदखल करने के बाद हमास गाजा में एकमात्र शासक बन गया। यह फिलिस्तीनी राष्ट्रपति और फतह नेता महमूद अब्बास द्वारा हमास के नेतृत्व वाली एकता सरकार को भंग करने के बाद आया, जब हमास ने एक साल पहले राष्ट्रीय चुनाव जीता था। तब से, फतह-प्रभुत्व वाले फिलिस्तीनी प्राधिकरण को वेस्ट बैंक के केवल कुछ हिस्सों का प्रभारी छोड़ दिया गया है।

इजराइल-हमास युद्ध से क्या चाहता है चीन?

बीजिंग ने पहले अप्रैल में हमास और फतह के बीच वार्ता की मेजबानी की थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने मंगलवार को कहा चीन और फिलिस्तीन भरोसेमंद भाई और अच्छे साझेदार हैं। उन्होंने कहा कि चीन एकता और सुलह की दिशा में सभी संबंधित पक्षों के साथ अथक प्रयास करेगा। विदेश मंत्री वांग यी का कहना है कि सुलह फिलिस्तीनी गुटों के लिए एक आंतरिक मामला है, लेकिन साथ ही, इसे अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समर्थन के बिना हासिल नहीं किया जा सकता है।

कनाडा में फिर हिंदू मंदिर को निशाना बनाया... भारत विरोधी टिप्पणियां लिखी गई

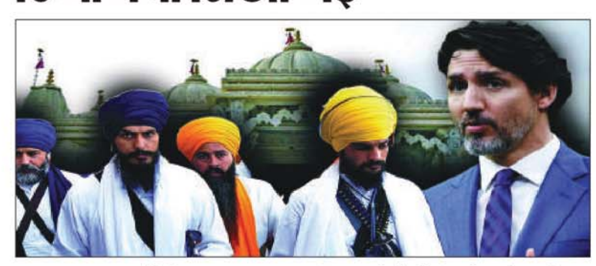

कनाडा (एजेंसी)। कनाडा भारत विरोधी गतिविधियों का गढ़ बन चुका है। खालिस्तान समर्थकों पर कनाडा में एक्शन ना होकर उन्हें बढ़ावा दिया जा रहा है। इस कड़ी में कनाडा के एडमोंटन में एक हिंदू मंदिर को निशाना बनाया गया। मंदिर की दीवारों पर भारत विरोधी टिप्पणियां लिख दी गई। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने बताया कि बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर की दीवारों पर भारत के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई। साथ ही कहा कि ग्रैफिटी के द्वारा भारतीय मूल के कनाडाई सांसद चंद्र आर्य पर भी हमला किया गया।

हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने पोस्ट में लिखा, कनाडा के एडमोंटन में मंदिर आज सुबह एक और हिंदू मंदिर पर हमला किया गया। मंदिर पर कनाडा के हाउस ऑफ कॉमन्स के कुछ हिंदू सदस्यों में से एक के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग किया गया। हम इस घटना की निंदा करते हैं जो पिछले कई हमलों का ही हिस्सा है जिनमें से ज्यादातर के लिए खालिस्तान समर्थक दोषी हैं।

सांसद आर्य ने कहा है कि कनाडा में हिंदू मंदिरों को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। आर्य ने कहा, एडमॉन्टन में स्वामीनारायण मंदिर में फिर से तोड़फोड़ की गई है। पिछले कुछ सालों में ग्रेटर टोरंटो एरिया, ब्रिटिश कोलंबिया और कनाडा के दूसरे जगहों पर हिंदू मंदिरों को ग्राफिटी के जरिए नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

सांसद चंद्र आर्य ने कहा, जैसा कि मैं हमेशा से कहता रहा हूं, खालिस्तानी चरमपंथी हिंसा फैलाने के बावजूद आसानी से बच जाते हैं। फिर से मैं इस रिकॉर्ड पर रखूंगा। हिंदू कनाडाई इससे चिंतित हैं। मैं फिर से कनाडा की कानूनी एजेंसियों से इस मुद्दे को गंभीरता से लेने की गुजारिश करता हूं, इससे पहले कि ये बयानबाजी लोगों के खिलाफ शारीरिक हिंसा में तब्दील हो जाए।

पाकिस्तानी सेना के खिलाफ कबाइलियों ने बुलाया जिरगा, ऑपरेशन का किया विरोध

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तानी सेना का देश में विरोध शुरू हो गया है। पश्तून कबाइलियों ने सेना के चरमपंथ विरोधी ऑपरेशन के खिलाफ आवाज उठाई है। खैबर-पख्तूनख्वा (केपी) के सीएम हाउस पर कबाइलियों का जिरगा (बैठक) बुलाया गया, जिसमें कई बड़े कबाइली नेता शामिल हुए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जिरगा में नेताओं ने ऑपरेशन अज्म-ए-इस्तेहकाम का विरोध किया। इसके साथ ही पाकिस्तान को गुड तालिबान और बैड तालिबान दोनों को खत्म करने को कहा गया है। गुड तालिबान पाकिस्तान में उन तालिबानी आतंकवादियों को कहा जाता है, जिनके पाकिस्तानी सेना से अच्छे संबंध हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक जिरगा की अध्यक्षता खैबर पख्तूनख्वा के सीएम अली अमीन गंडापुर ने की। इसमें केपी के मुख्य सचिव, आईजी पुलिस, बन्नू के कमिश्नर और क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी, डिप्टी कमिश्नर ने भाग लिया। जिरगा में कबाइली नेताओं ने सीएम गंडापुर के सामने 11 मांगे रखी। उन्होंने मांग की कि तलाशी अभियान के दौरान मदरसों, घरों और व्यक्तियों के साथ अनुचित व्यवहार नहीं होना चाहिए।

जिरगा नेताओं ने कहा कि मदरसों और घरों पर रेड करना गलत होगा और इससे लोगों में गुस्सा बढ़ेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्थानीय प्रशासन को क्षेत्र में तालिबान से निपटने के लिए पूर्ण अधिकार दिए जाने चाहिए। इसके साथ ही आतंकवाद निरोधक विभाग को पूरी तरह सक्रिय करने और आतंकवादियों और आपराधिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए अधिकृत करने का आग्रह किया है।

पश्तूनों के विरोध का असर पाकिस्तान में दिखाई देने लगा है। लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने कहा कि ऑपरेशन अज्म-ए-इस्तेहकाम मिलिट्री ऑपरेशन नहीं है, बल्कि आतंकवाद विरोधी अभियान है। उन्होंने यह भी दावा किया कि एक मजबूत लॉबी नेशनल एक्शन प्लान को सफल नहीं होने देना चाहती है। उन्होंने कहा कि अज्म-ए-इस्तेहकाम की तुलना जर्ब-ए-अज्ब और राह-ए-निजात जैसे पिछले अभियानों से करना ठीक नहीं है।

सऊदी सरकार का फैसला, अब स्थानीय लोगों को दी जाएगी नौकरी, भारतीयों पर मंडराने लगा खतरा

रियाद (एजेंसी)। सऊदी अरब की सरकार ने नौकरियों में स्थानीय लोगों को ज्यादा मौका देने का फैसला लिया है। सऊदी अरब ने निजी क्षेत्र में 25 फीसदी इंजीनियरिंग नौकरियां स्थानीय लोगों के लिए आरक्षित कर दी हैं। नौकरियों को लोकेलाइज करने का यह फैसला 21 जुलाई से लागू कर दिया गया है।

देश के मानव संसाधन और सामाजिक विकास मंत्रालय, नगर निगम और आवास मंत्रालय ने इस संबंध में ये फैसला किया है। स्थानीयकरण का ये फैसला इंजीनियरिंग व्यवसायों में पांच या उससे ज्यादा कामगारों को रोजगार देने वाले निजी प्रतिष्ठानों पर लागू होगा। छोटे प्रतिष्ठानों, जिनमें कर्मचारियों की संख्या चार तक है, वहां ये नियम लागू नहीं होगा। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि ये फैसला कई क्षेत्रों में देश के पुरुष और महिला नागरिकों के लिए रोजगार के ज्यादा अवसर पैदा करेगा। सऊदी के इस फैसले से स्थानीय लोगों को नौकरी मिलने में आसानी होगी। देश में केमिकल इंजीनियर, सिविल इंजीनियर, फ्लाइट इंजीनियर, स्ट्रक्चरल इंजीनियर, मैकेनिकल इंजीनियर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियर के जॉब काफी संख्या में हैं।

सऊदी सरकार ने इंजीनियरिंग में रोजगार बढ़ाने के लिए भी कई कदम उठाए हैं। प्रतिष्ठानों को मदद के लिए मानव संसाधन विकास कोष एचएडीएएफ ने प्रोत्साहन और सहायता, भर्ती प्रक्रियाओं और उपयुक्त

श्रमिकों की खोज, प्रशिक्षण और व्यावसायिक योग्यता, भर्ती प्रक्रिया और कैरियर निरंतरता का समर्थन का फैसला लिया है। पिछले कुछ सालों में सऊदी अरब ने 2030 तक बेरोजगारी को सात फीसदी तक कम करने के लिए कई क्षेत्रों में श्रमिकों के सऊदीकरण की घोषणा की है, जो आय स्रोतों में विविधता लाने और तेल पर निर्भरता को कम करने के विजन 2030 के लक्ष्य के अनुरूप है।

सऊदी सरकार के इस फैसले का सीधा असर भारतीय कामगारों पर भी होगा। सऊदी में काम करने वालों की संख्या करीब 26 लाख है। सऊदी में भारतीय करीब हर क्षेत्र में नौकरियां कर रहे हैं। इसमें ड्राइवर, सफाईकर्मी, रसोइया, नर्स के अलावा इंजीनियरिंग क्षेत्र की नौकरियां शामिल हैं। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस अपने महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट विजन 2030 के तहत सऊदी अरब के हर क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन कर रहे हैं। इसी क्रम में सऊदी में नौकरियों में आरक्षण का फैसला लिया गया है।

हमारा दृष्टिकोण भविष्य पर केंद्रित है, डोनाल्ड ट्रंप का अतीत पर: हैरिस

-मध्यम वर्ग का निर्माण मेरे राष्ट्रपति पद का एक निर्णायक लक्ष्य

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने अपने राष्ट्रपति पद के लिए चुनावी अभियान की शुरुआत कर दी है। हैरिस ने विलमिंगटन, डेलावेयर में जोरदार तरीके से अपनी बात रखी। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप पर व्यक्तिगत हमला करते हुए ट्रम्प को धोखेबाज, जालसाज और महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करने वाला इंसान बताया है। हैरिस ने कहा कि उनका दृष्टिकोण भविष्य पर केंद्रित है जबकि ट्रंप का अतीत पर। इस दौरान राष्ट्रपति जो बाइडेन फोन द्वारा इसमें शामिल हुए।

हैरिस ने बाइडेन के स्टाफ को ही अपने अभियान में लगा लिया है। बाइडेन ने भी अपने स्टाफ से कमला हैरिस के लिए दिल से काम करने को कहा है। हैरिस के अभियान ने केवल 24 घंटे में 81 मिलियन डॉलर जुटाए हैं। डेमोक्रेट उत्साहित दिख रहे हैं और पहली प्रेसिडेंशियल डिबेट में बाइडेन के खराब प्रदर्शन के बाद अब हैरिस के पीछे खड़े हैं। 20,000 से ज्यादा नए वालंटियर अभियान में जुड़ गए हैं।

हैरिस ने अपने भाषण में एक जिला अदालत से लेकर कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल बनने तक के अपने करियर को याद करते हुए कहा कि उन्होंने उन लोगों का सामना किया जो महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करते हैं। ऐसे धोखेबाज जो कंज्यूमर्स को लूटते हैं, जो अपने लाभ के लिए नियम तोड़ते हैं। उन्होंने कहा मेरी बात सुनिए क्योंकि मैं डोनाल्ड ट्रंप टाइप लोगों को जानती हूं।

हैरिस ने कहा डोनाल्ड ट्रंप एक कॉलेज ट्रम्प यूनिवर्सिटी चलाते थे, जिसे छात्रों को ठगने के लिए 2[illegible] मिलियन डॉलर का भुगतान करना पड़ा। 2007-2008 के वित्तीय संकट का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मैंने बड़े वॉल स्ट्रीट बैंकों से मुकाबला किया और कैलिफोर्निया के परिवारों के लिए 20 बिलियन डॉलर जीते। उन बैंकों को धोखाधड़ी के लिए जिम्मेदार ठहराया। ट्रंप को हाल ही में धोखाधड़ी के 34 मामलों में दोषी पाया गया है। हैरिस ने ट्रंप के साथ मुकाबले को अमेरिका के लिए दो विपरीत धाराओं की लड़ाई के रूप में परिभाषित किया। उन्होंने कहा कि ट्रंप देश को पीछे ले जाना चाहते हैं जब हमारे साथी अमेरिकियों को पूर्ण स्वतंत्रता और अधिकार नहीं थे। हम एक ऐसे

उज्जवल भविष्य में विश्वास करते हैं जो सभी अमेरिकियों के लिए जगह बनाए। हम एक ऐसे भविष्य में विश्वास करते हैं जहां हर व्यक्ति को न केवल गुज़र-बसर करने का बल्कि आगे बढ़ने का मौका मिले। इन सबका मतलब यह है कि मध्यम वर्ग का निर्माण मेरे राष्ट्रपति पद का एक निर्णायक लक्ष्य होगा।

सुनारिया जेल से बाहर आया राम रहीम

- राम रहीम सिरसा के डेरे में 10 दिन रहेंगे

सिरसा । हरियाणा के सुनारिया जेल से बाबा राम रहीम सिंह, जिन्हें एक यौन शोषण और मर्डर केस में सजा हुई है, मंगलवार को 30 दिन की परोल दी गई है। इस संदर्भ में यह अद्वितीय है कि राम रहीम को उनकी 16वीं पैरोल मिल रही है, जिसमें उन्हें सुनारिया जेल से बाहर जाने के लिए अनुमति दी गई है। जेल सुप्रिन्टेंडेंट द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार राम रहीम सिरसा के डेरे में 10 दिन रहेंगे, फिर उन्हें बागपत आश्रम भेजा जाएगा जहां वे 20 दिन गुजारेंगे। यह सोचने की बात है कि पूर्व में राम रहीम को इस अनौपचारिक अवकाश के दौरान बागपत की संस्था परियोजना आश्रम में रवाना होने की इजाजत नहीं दी गई थी। इस बार यह भाजपा सरकार के लिए एक महत्वपूर्ण और समाचार में लाये जाने वाले बदलाव की दिशा में हो सकता है। राम रहीम के पैरोल मिलने के बाद से सिरसा डेरे मुख्यालय में एक उत्सव जैसा माहौल है जिसमें उनके अनुयायी उत्साहित हैं। भावनात्मक एवं नैतिक विचारों के संदर्भ में दर्जनों लोग सरकारी नीतियों और कानूनों के खिलाफ यह चिंता कर रहे हैं कि राम रहीम को बार-बार पैरोल क्यों दी जा रही है। इसी संदेश को लेकर गहरा चिंतन विधायकों और समाज के विचारकों में उत्पन्न हुआ है।

कुंभ स्पेशल ट्रेन पर पथराव, गेट नहीं खुलने पर चढ़ने वाले यात्रियों ने किया हंगामा

झांसी । झांसी से प्रयागराज जा रही एक विशेष ट्रेन पर हरपालपुर स्टेशन पर तब पथराव किया गया, जब प्लेटफार्म पर इंतजार कर रहे यात्रियों ने डिब्बों के दरवाजे बंद मिले। वीडियो में हमलावरों को ट्रेन पर पत्थर फेंकते और उसकी खिड़कियां तोड़ते हुए दिखाई दिए है, जबकि यात्री डर के मारे चीख रहे हैं। वीडियो में एक यात्री यह कहते हुए सुना जा सकता है कि ट्रेन कल रात करीब 8 बजे झांसी स्टेशन से प्रयागराज के लिए रवाना हुई थी। ट्रेन हरपालपुर पहुंची और तभी हमला हुआ। उन्होंने ट्रेन को नुकसान पहुंचाया और अंदर पत्थर फेंके। उन्होंने यात्रियों को मारने की कोशिश की। यहां महिलाएं और बच्चे भी हैं। यह विशेष ट्रेन प्रयागराज में महाकुंभ के लिए चलाई जा रही है, जिसमें देश भर से पर्यटक आ रहे हैं। ट्रेन में सवार होने वाले ज्यादातर यात्री आध्यात्मिक उत्सव में शामिल होने जा रहे हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि कई लोग हरपालपुर (झांसी से करीब दो घंटे की दूरी पर) में ट्रेन में चढ़ने के लिए इंतजार कर रहे थे। लेकिन जब उन्होंने ट्रेन में चढ़ने की कोशिश की तब उन्हें दरवाजे बंद मिले। इसके बाद यात्री हिंसक हो गए और डिब्बों पर पत्थर फेंकना शुरु कर दिया। उन्होंने ट्रेन के दरवाजों की खिड़कियां भी तोड़ दीं, जिससे अंदर बैठे यात्रियों में दहशत फैल गई।

राजस्थान में जारी है कड़ाके की सर्दी का दौर, फरवरी में बारिश की आंशका

जयपुर । राजस्थान में अब दिन में सर्दी से थोड़ी राहत मिलने लगी है। हालांकि, रात का तापमान में अब भी कई जिलों में 5 डिग्री के पास बना हुआ है। वहीं फसलों पर जम रही ओस ने भी किसानों की चिंता बढ़ा दी है। मौसम विशेषज्ञों ने पाला पड़ने की भी आशंका जाहिर की है। वहीं, मौसम केंद्र ने फरवरी के पहले सप्ताह में बारिश का भी अलर्ट जारी किया है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक राज्य में 29 जनवरी से न्यूनतम तापमान में भी बढ़ोतरी होनी शुरू होगी।

29 जनवरी से सुबह-शाम की सर्दी होगी कम

राजस्थान में पिछले दो-तीन दिन से लगातार न्यूनतम तापमान गिर रहे और सुबह-शाम की सर्दी तेज हो रही है। लेकिन 29 जनवरी से कड़ाके की सर्दी से भी थोड़ी राहत मिलेगी है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक कल से उत्तर भारत पर एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा, इससे हवाओं की दिशा में बदलाव होगा। पश्चिमी हवा चलने लगेगी, जिससे न्यूनतम तापमान में भी 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी होने की संभावना है। राजस्थान में फरवरी के पहले सप्ताह (4-5 फरवरी) के आसपास के सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है। इस सिस्टम के असर से राजस्थान के कई हिस्सों में मेघगर्जना के साथ बारिश हो सकती है। इस सिस्टम का असर दो या तीन दिन रह सकता है।

राजौरी में तीन बहनें ठीक होकर घर लौटीं, पूरे जिले में राहत और खुशी की लहर

राजौरी। राजौरी के बडाल इलाके की दर्दनाक घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल था, वहीं तीन बहनों के चमत्कारिक रूप से स्वस्थ होने पर पूरे जिले में राहत और खुशी की लहर दौड़ पड़ी है। राजौरी के जिला विकास आयुक्त अभिषेक शर्मा ने राजौरी के अस्पताल का दौरा कर इन बहनों से मुलाकात की और उनके बेहतर स्वास्थ्य की कामना की। बता दें कि पहले 2 बहनों के स्वस्थ होने की सूचना मिली थी इसके बाद तीसरी बहन के भी स्वस्थ होने पर तीनों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। प्रिंसिपल जी.एम.सी. राजौरी डॉ ए.एस भाटिया ने कहा कि तीनों बहनों को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद उनके परिवार और स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल है। उन्होंने इस डॉक्टरों का प्रयास बताया। बडाल घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया था, लेकिन इन बहनों की स्वस्थ वापसी ने साबित कर दिया कि जीवन में उम्मीदें कभी खत्म नहीं होतीं। उन्होंने ने कहा कि हमारे डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ ने दिन रात मेहनत की है, जिसका यह नतीजा है कि सभी बीमार लोग ठीक हो रहे हैं।

संजय रॉय को अब फांसी की सजा देने के खिलाफ...पीड़ित के माता-पिता

कोलकाता। कोलकाता रेप-मर्डर केस में पीड़ित मेडिकल स्टूडेंट के माता-पिता दोषी संजय रॉय को अब फांसी की सजा देने के खिलाफ हैं। पीड़ित के माता-पिता की वकील गार्गी गोस्वामी ने कलकत्ता हाईकोर्ट को बताया कि उनका कहना है कि हमारी बेटी की जान गई, इसका मतलब नहीं कि संजय की जान जाए। सियालदह कोर्ट ने संजय रॉय को उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

दाऊद इब्राहिम से संबंध के चलते अनमोल बिश्नोई ने करवाई बाबा सिद्दीकी की हत्या

शूटर गौतम ने किया कबूल कहा- बाबा या बेटे जीशान को मारने का मिला था आदेश

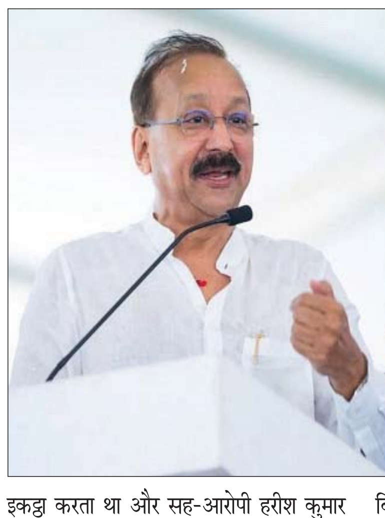

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता रहे बाबा सिद्दीकी की हत्या मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। शूटर ने कबूल किया है कि बाबा सिद्दीकी की हत्या की साजिश रची गई थी। उसने पुलिस को गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई का नाम बताया है। पुलिस ने इस मामले में 25 से ज्यादा आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

कुख्यात अपराधी अनमोल बिश्नोई ने 'दाऊद इब्राहिम से कथित संबंध को लेकर एनसीपी के दबंग नेता बाबा सिद्दीकी पर हमला करने का आदेश दिया था। सिद्दीकी पर हमले के आरोपी मुख्य शूटर शिवकुमार गौतम ने अपने इकबालिया बयान में यह बात कही। गौतम का बयान महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री सिद्दीकी की 12 अक्टूबर को हुई हत्या के सिलसिले में दायर आरोपपत्र का हिस्सा है। मुंबई के बांद्रा ईस्ट इलाके में सिद्दीकी की उनके बेटे जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के बाहर तीन हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

गौतम ने कहा कि उसे बाबा सिद्दीकी या जीशान सिद्दीकी को मारने के लिए कहा गया था और इसके बदले उसे 15 लाख रुपए देने का वादा किया था। उसने बताया है कि वह पुणे में कबाड़ इकट्ठा करता था और सह-आरोपी हरीश कुमार कश्यप को बेचता था। कबाड़ की दुकान संचालित करने वाले हरीश कश्यप ने उसके रहने की व्यवस्था की थी और इस दौरान उसकी जान-पहचान प्रवीण लोनकर और उसके भाई शुभम लोनकर से हुई थी।

गौतम ने बयान में कहा कि एक दिन शुभम लोनकर ने शूटर को बताया कि वह और उसका भाई बिश्नोई गिरोह के लिए काम करते हैं। जून 2024 में शुभम लोनकर (शुब्बू) ने मुझे और धर्मराज कश्यप को बताया कि अगर हम उसके कहने पर काम करेंगे तो हमें 10 से 15 लाख रुपए मिलेंगे। जब काम के बारे में पूछा तो शुभम ने बताया कि बाबा सिद्दीकी या उसके बेटे ज़ीशान सिद्दीकी की हत्या करनी है, लेकिन उसने कोई और जानकारी नहीं दी।

मुंबई पुलिस ने बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में आरोप-पत्र दायर किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक चार्जशीट में कहा गया है कि अनमोल की अगुवाई चलाए जाने वाले अपराध सिंडिकेट ने बाबा सिद्दीकी की हत्या की थी। आरोपी ने पुलिस को अनमोल के साथ हुई बातचीत के बारे में भी बताया।

एक रिपोर्ट के मुताबिक बातचीत का एक अंश है, राम राम भाई लोग आप सबको लॉरेंस भाई ने भी राम राम बोलने को बोला है। क्या चल रहा है। अपने को एक काम करना है, हिम्मत रखो। बांद्रा में घर के पास रेकी करना है, उसी एरिया में घर भाड़े से ले लो। अपना काम होने के बाद एक फोर व्हीलर गाड़ी और एक फ्लैट हर एक को मिलेगा...। उससे पहले 5 लाख रुपए एडवांस दूंगा। अपने भाई का बदला लेना है। रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने दावा किया है कि ये बातचीत शुभम लोनकर और अनमोल के बीच स्पीकर पर हुई है और उस दौरान तीन और आरोपी भी मौजूद थे। चार्जशीट में कहा गया है कि अनमोल ने हत्या की प्लानिंग अपने सहयोगी अनुज थापन की मौत का बदला के लिए की थी।

अखिलेश करेंगे केजरीवाल के संग मंच साझा, 30 जनवरी को रोड शो में दिखेगी विपक्षी एकता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच विपक्षी दलों की एकजुटता का नया नज़ारा देखने को मिलेगा। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल मंच साझा करने के साथ ही 30 जनवरी को रिठाला विधानसभा क्षेत्र में एक साथ रोड शो करेंगे। गौरतलब है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 में समाजवादी पार्टी ने आम आदमी पार्टी का समर्थन करने का ऐलान किया है। ऐसे में अब सपा के नेता और सांसद अरविंद केजरीवाल के साथ चुनाव प्रचार करने जमीन पर उतरेंगे। खबर है कि कैराना से सांसद इकरा हसन भी आप के लिए चुनाव प्रचार में भाग लेंगी। दिल्ली में सत्तारूढ़ आप को पहले ही तृणमूल कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी), और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) का समर्थन मिल चुका है। हालांकि आप और कांग्रेस, दोनों ही पार्टियां भारत गठबंधन का हिस्सा रही हैं, लेकिन दिल्ली विधानसभा चुनाव में ये पार्टियां अलग-अलग चुनाव लड़ रही हैं। इस रोड शो के जरिए अखिलेश यादव और अरविंद केजरीवाल अपनी एकता का प्रदर्शन कर भाजपा और कांग्रेस को चुनौती देंगे। यह कदम क्षेत्रीय दलों की ताकत को प्रदर्शित करने और आगामी चुनावों के लिए विपक्षी एकता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह रोड शो दिल्ली की सियासत में नया मोड़ ला सकता है और इसके परिणाम आगामी विधानसभा चुनावों पर प्रभाव डाल सकते हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव 5 फरवरी को एक ही चरण में होंगे, जबकि मतों की गिनती 8 फरवरी को की जाएगी।

महाराष्ट्र सरकार का बड़ा फैसला, अगले एक साल तक नहीं बढ़ेगा अटल सेतु पुल पर टोल टैक्स

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने महत्वपूर्ण फैसला लेकर अटल सेतु पर टोल दर को अगले एक साल तक बढ़ाने पर रोक लगा दी है। राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में फैसला लिया गया कि अटल बिहारी वाजपेयी शिवड़ी-न्हावा शेवा अटल सेतु के टोल टैक्स को 250 रुपये की दर पर एक और वर्ष तक जारी रहेगा।

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक साल पहले 12 जनवरी, 2024 को करीब 22 किलोमीटर लंबे पुल का उद्घाटन किया था। यह पुल महाराष्ट्र में एक प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजना के पूरा होने का प्रतीक है। पुल दक्षिण मुंबई के सेवरी से शुरू होकर एलीफेंटा द्वीप के उत्तर में ठाणे क्रीक को पार कर चिर्ले गांव में समाप्त होता है

यह फैसला मुंबई और एमएमआर क्षेत्र के लाखों यात्रियों के लिए सुखद खबर है। महाराष्ट्र सरकार ने स्पष्ट किया कि अगले 12 महीनों तक टोल में किसी भी प्रकार की वृद्धि नहीं होगी। गौरतलब है कि हाल ही में अटल सेतु पुल के जरिए मुंबई और नवी मुंबई के बीच यात्रा करना काफी किफायती हुआ है, क्योंकि नवी मुंबई नगर परिवहन (एनएमएमटी) ने किराए में 50 प्रतिशत से ज्यादा की कटौती की है। यह पुल क्षेत्र में यात्रा समय को कम करने और कनेक्टिविटी में सुधार लाने में एक अहम भूमिका निभाता है। करीब 17,840 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 'अटल बिहारी वाजपेयी शिवड़ी-न्हावा शेवा अटल सेतु' भारत का सबसे लंबा पुल है और देश में समुद्र पर बनी सबसे लंबी संरचना भी है। समुद्र पर करीब 16.5 किलोमीटर और जमीन पर 5.5 किलोमीटर की लंबाई वाला छह लेन का यह पुल मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और आगामी नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (इस वर्ष के अंत में चालू होने की उम्मीद) के बीच तेज संपर्क प्रदान करेगा। इस पुल का निर्माण होने ने मुंबई से पुणे, गोवा और दक्षिण भारत की यात्रा का समय कम हो गया है, साथ ही मुंबई बंदरगाह और जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह के बीच संपर्क में सुधार हुआ है।

सीमा विवाद सुलझाने के बाद और करीब आए भारत और चीन

कैलाश मानसरोवर यात्रा होगी शुरू, दोनों देश सीधी उड़ान पर हुए सहमत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और चीन अब दोस्ती का हाथ बढ़ा रहे हैं। पुरानी बातें भूलकर दोनों रिश्तों की नई पटकथा लिख रहे हैं। इसका असर दिखने भी लगा है। पहले तो एलएसी पर सीमा विवाद सुलझा। दोनों देशों के सैनिक पीछे हटे। जहां-जहां तनाव था, वहां से डिसइंगेजमेंट हो गया। अब भारत और चीन फिर से कैलाश मानसरोवर की यात्रा शुरू करेंगे। दोनों देश सीधी उड़ान पर सहमत हो गए हैं। भारत और चीन ने सोमवार को अपने रिश्तों के पुनर्निर्माण की दिशा में यह घोषणा की। इसके तहत इस साल गर्मी के मौसम में कैलाश मानसरोवर की यात्रा फिर से शुरू हो सकती है।

2020 के बाद से ही कैलाश मानसरोवर यात्रा के साथ दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानें बंद हैं। कैलाश मानसरोवर यात्रा पांच साल बाद शुरू होगी। साल 2020 में भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में गलवान घाटी और पैंगोंग त्सो झील के पास झड़पें हुई थीं। इन झड़पों के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया था। हर तरह के संबंध तोड़ दिए थे। भारत और चीन के बीच सीधी उड़ान की सेवा बंद थी, लेकिन अब सब नॉर्मल होने जा रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर यात्रा फिर से शुरू करने पर कैसे चीन मान गय ?

भारत अ र चीन के बीच रिश्ते सुधरने की सबसे अ म वजह है बातचीत। 2020 में रिश्तों में द र पड़ने के बाद दोनों देशों ने लगातार बात ीत की। बातचीत का नतीजा है कि अब दो ों देशों के बीच रिश्ते सामान्य होते नजर आ रहे हैं। पिछले साल अक्टूबर महीने पीएम मोदी और शी जिनपिंग कजान शहर में ब्रिक्स समिट में मिले थे। दोनों नेताओं के बीच करीब एक घंटे तक बातचीत हुई। इस मुलाकात में ही सीमा पर शांति और दोनों देशों के बीच रिश्ते सुधारने पर सहमति बनी थी। इस दौरान सीमा पर तनाव कम करने, कैलाश मानसरोवर यात्रा और डायरेक्ट फ्लाइट की बहाली पर मोदी ने जिनपिंग को समझाया था। जिसके बाद भारत और चीन के बीच बातचीत हुई थी।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा है कि कैलाश मानसरोवर यात्रा की फिर से बहाली और सीधी उड़ानों को शुरू होने के पीछे पीएम मोदी और शी जिनपिंग के बीच मुलाकात है।

पीएम मोदी और जिनपिंग की उस मुलाकात के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर और चीनी समकक्ष वांग यी की मुलाकात हुई थी। दोनों के बीच भारत-चीन सीमा पर सैनिकों की वापसी पर चर्चा हुई साथ ही भारत और चीन के रिश्तों को 2020 से पहले वाली स्थिति में करने पर भी बातचीत हुई थी। इतना ही नहीं, पिछले महीने एनएसए अजीत डोभाल ने बीजिंग का दौरा किया था। इन बातचीत और मुलाकातों ने भारत और चीन के बीच रिश्तों को नया मुकाम दिया। इसका असर हुआ कि अब भारत और चीन के बीच रिश्ते सुधर रहे हैं। इसका एक और उदाहरण यह भी है कि चीन अब भारत का सबसे बड़ा कारोबारी भागीदार बन चुका है। पहले यह तमगा अमेरिका के पास था।

दिल्ली में आप के समर्थन में प्रचार करने उतरेंगे बिहारी बाबू शत्रुघ्न सिन्हा

नई दिल्ली (ईएमएस)। तृणमूल कांग्रेस सांसद शत्रुघ्न सिन्हा 5 फरव ी को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले दिल्ली में आम आदमी पार्टी के लिए प्रचार करते दिखाई देने वाले है। पार्टी सूत्रों ने इसकी जानकारी दी है। आ के सूत्र के अनुसार, आसनसोल से टीएमसी सांसद सिन्हा 1 और 2 फरवरी को करीब तीन निर्वाचन क्षेत्रों में आप के लिए प्रचार करने वाले है। इसमें पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र, मुख्यमंत्री आतिशी का कालकाजी निर्वाचन क्षेत्र और मनीष सिसोदिया का जंगपुरा विध नसभा क्षेत्र शामिल हैं। टीएमसी का मानना है कि अभिनेता से नेता बने, जो बिहार से हैं, दिल्ली के पूर्वांचली मतदाताओं को एकजुट कर सकते हैं। शहर में पूर्वांचली एक प्रभावशाली मतदाता हैं। सूत्र ने कहा कि एक या दो और टीएमसी नेता दिल्ली में चुनाव प्रचार में शामिल हो सकते हैं। टीएमसी ने दिल्ली चुनाव के लिए आप को समर्थन दिया था, जहां भाजपा और कांग्रेस भी मैदान में हैं, इससे मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है। टीएमसी और आप इंडिया ब्लॉक का हिस्सा हैं, जिसकी सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस है। टीएमसी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि पार्टी न केवल भाजपा बल्कि कांग्रेस के खिलाफ भी अभियान चलाएगी, जो विपक्षी गठबंधन के भीतर बढ़ती दरार को दिखाता है।

पुणे में जीबीएस का प्रकोप, एक मरीज की मौत, केंद्र सरकार ने टीम भेजी

पुणे (एजेंसी)। पिछले कुछ दिनों से महाराष्ट्र के पुणे में जीबीएस संक्रमण फैल रहा है। अब तक पुणे में 111 मरीज पाए गए हैं। इनमें 1 मरीज की मौत हो गई है। इसके अलावा सोलापुर और कोल्हापुर में दो-दो मरीज मिले हैं। जबकि नागपुर में 6 मरीज मिले हैं। जीबीएस रोग के बढ़ते प्रसार को देखते हुए केंद्र सरकार द्वारा भी कदम उठाए गए हैं। केंद्र सरकार ने जीबीएस बीमारी के संबंध में एक केंद्रीय टीम नियुक्त की है। यह दल महाराष्ट्र आ चुका है। बताया गया है कि केंद्र सरकार ने गिलियन-बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) के मामलों से निपटने में राज्य की सहायता के लिए एक उच्च स्तरीय और बहु-विषयक टीम महाराष्ट्र भेजी है। जीबीएस के संदिग्ध और पुष्ट मामलों में वृद्धि को देखते हुए, राज्य के स्वास्थ्य अधिकारियों को सलाह और सहायता देने के लिए विशेषज्ञों की एक टीम पुणे भेजी गई है। पुणे में इस समय गिलियन-बैरे सिंड्रोम का प्रकोप है और नागरिकों में भय का माहौल बन गया है। बताया जा रहा है कि

केंद्रीय टीम में राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, दिल्ली, निम्हान्स, बेंगलुरु, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के क्षेत्रीय कार्यालय और पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान के सात विशेषज्ञ शामिल हैं।

पुणे स्थित एनआईवी के तीन विशेषज्ञ स्थानीय प्रशासन की सहायता कर रहे हैं।

यह टीम राज्य स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर जमीनी स्थिति का आकलन करेगी तथा आवश्यक सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों की सिफारिश करेगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय स्थिति पर नजर रख रहा है और राज्य के साथ समन्वय करके सक्रिय कदम उठा रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री ने समीक्षा की, स्वास्थ्य अधिकारियों को जारी किए निर्देश

महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबीटकर और विभागीय आयुक्त डॉ. पुलकुंडवार ने राज्य सरकार के स्वास्थ्य विभाग और पुणे महानगरपालिका के अधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा की। आज तक इस रोग के 111 मामले सामने आए हैं तथा ससून अस्पताल द्वारा सोमवार को दी गई सूचना के अनुसार 10 संदिग्ध मामले सामने आए हैं मरीज मुख्य रूप से पुणे मनपा क्षेत्र के सिंहगढ रोड, खड़कवासला, किरकिटवाडी, नांदेड़गांव नांदेड़ सिटी, धायरी, आंबेगांव से हैं, जबकि कुछ मरीज पिंपरी चिंचवड़ मनपा और अन्य जिलों से हैं। स्वास्थ मंत्री ने निर्देश दिया है कि इन मरीजों का उचित तरीके से पता लगाने की व्यवस्था की जानी चाहिए ताकि वे समझ सकें कि इस बीमारी का कारण क्या है। रोगियों की दैनिक संख्या और ठीक होने वाले रोगियों की संख्या को हर शाम बिना चूके अद्यतन किया जाना चाहिए। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग और मनपा संपर्क अधिकारी नियुक्त करें जो उन अस्पतालों से संपर्क करें जहां मरीज उपचार करा रहे हैं। बोतलबंद पानी के नमूनों का परीक्षण खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा किया जाना चाहिए। इस दौरान यह भी निर्देश दिए गए कि मनपा के स्वास्थ्य विभाग जार में बिकने वाले पानी का निरीक्षण करें।

170प्र. बढ़ी कांग्रेस की इनकम, बीजेपी की हुई रिकॉर्ड कमाई, ईसी ने जारी की वार्षिक ऑडिट रिपोर्ट

पुणे (एजेंसी)। चुनाव आयोग के पास दाखिल पार्टी की हालिया वार्षिक ऑडिट रिपोर्ट के मुताबिक भाजपा की सालाना कमाई 2022-23 में 2360.8 करोड़ रुपये से 83% बढ़कर 2023-24 में 4340.5 करोड़ रुपये हो गई है। जिसमें से 1685.6 करोड़ रुपये चुनावी बॉन्ड के माध्यम से आए। यह किसी भी पार्टी के ज़रिए घोषित बॉन्ड से अब तक की सबसे ज्यादा कमाई है। भारत के चुनाव आयोग ने डेटा उपलब्ध कराया जिससे पता चला कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपाके पास 7,113.80 करोड़ रुपये की भारी नकदी और बैंक बैलेंस है। 31 मार्च 2024 तक 857.15 करोड़ रुपये के साथ भारत की दूसरी सबसे अमीर राजनीतिक पार्टी कांग्रेस है।

बीजेपी ने 2023-24 के दौरान 1,754.06 करोड़ रुपये खर्च किए

चुनाव आयोग को उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, भगवा पार्टी ने 2023-24 के दौरान 1,754.06 करोड़ रुपये खर्च किए, जब लोकसभा चुनावों की घोषणा हुई, जो 2022-23 में खर्च किए गए 1,092 करोड़ रुपये से 60 प्रतिशत अधिक है। 16 मार्च 2024 को लोकसभा चुनाव की घोषणा हुई।

कांग्रेस ने 2023-24 के दौरान 619.67 करोड़ रुपये खर्च किये

दूसरी तरफ, सबसे पुरानी पार्टी ने 2023-24 के दौरान 619.67 करोड़ रुपये खर्च किए, जबकि 2022-23 में 192.56 करोड़ रुपये खर्च किए। चुनाव आयोग की वार्षिक ऑडिट रिपोर्ट से पता चला है कि भाजपा को 2023-24 के दौरान अब प्रतिबंधित चुनावी बांड के माध्यम से 1,685.69 करोड़ रुपये का स्वैच्छिक योगदान प्राप्त हुआ है, जबकि पिछले वर्ष यह 1294.15 करोड़ रुपये था। सत्तारूढ़ दल ने वर्ष के दौरान 2,042.75 करोड़ रुपये का अन्य योगदान भी प्राप्त किया है, जबकि पिछले वर्ष 2022-23 में 648.42 करोड़ रुपये प्राप्त हुआ था। चुनाव आयोग को अपनी ऑडिट रिपोर्ट में कांग्रेस ने 2023-24 के दौरान कुल 1,225.11 करोड़ रुपये का योगदान प्राप्त किया है, जिसमें अनुदान, दान और अंशदान के माध्यम से 1129.67 करोड़ रुपये शामिल हैं।

प्रदूषण के चलते मुंबई में डीजल-पेट्रोल गाड़ियां होंगी बैन? सरकार ने की कमेटी गठित

-सात सदस्यीय कमेटी तीन महीने में सौंपेगी अपने सुझाव, एक्सपर्ट्स भी होंगे शामिल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने बढ़ते प्रदूषण के चलते मुंबई महानगर पालिका क्षेत्र में डीजल-पेट्रोल गाड़ियों पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी शुरू कर दी है। राज्य सरकार ने इसके लिए 7 सदस्यों की एक कमेटी गठित की है, जो तीन महीने में अपने सुझाव पेश करेगी। 22 जनवरी को जारी आदेश के मुताबिक रिटायर्ड आईएएस सुधीर श्रीवास्तव कमेटी को लीड करेंगे। इसमें ट्रांसपोर्ट कमिश्नर, जॉइंट पुलिस कमिश्नर ट्रैफिक, महानगर गैस लिमिटेड के एमडी, पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर, सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (के अध्यक्ष और जॉइंट ट्रांसपोर्ट कमिश्नर सदस्य शामिल होंगे।

आदेश के मुताबिक कमेटी स्टडी के लिए अलग-अलग एक्सपर्ट्स को भी पैनल में शामिल कर सकती है। मुंबई महानगर में पड़ोसी ठाणे, रायगढ़ और पालघर जिले के क्षेत्र भी शामिल हैं। यानी डीजल-पेट्रोल गाड़ियों पर प्रतिबंध को लेकर इन इलाकों में भी स्टडी की जाएगी। कोर्ट ने बृहन्मुंबई नगर निगम और महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को निर्देश दिया है कि लकड़ी और कोयले का इस्तेमाल करने वाली शहर की बेकरी एक साल की समय सीमा के बजाय 6 महीने में गैस या अन्य हरित ईंधन का इस्तेमाल करना शुरू करें।

कोर्ट ने कहा था कि अब से कोयले या लकड़ी पर चलने वाली बेकरी या इस तरह के व्यवसाय खोलने के लिए मंजूरी नहीं देगी। नए लाइसेंस इस शर्त का पालन करने के बाद दिए जाएंगे कि वे केवल हरित ईंधन का इस्तेमाल करें। इसके बाद राज्य सरकार ने मुंबई महानगर क्षेत्र में पेट्रोल-डीजल वाहनों पर प्रतिबंध लगाने, सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों को अनुमति देने पर स्टडी करने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए एक्सपर्ट्स कमेटी बनाई है। कोर्ट ने बीएमसी और एमपीसीबी को निर्माण स्थलों पर प्रदूषण इंडिकेटर्स लगाने का भी निर्देश दिए हैं।